THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 293 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.1, 2082 सोमवार, 19 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

यूपी में कोहरे में 70 वाहन टकराए, 12 की मौत

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के 50 जिलों में रविवार को घना कोहरा छाया। जीरो विजिबिलिटी के कारण अलग-अलग शहरों में 70 वाहन टकराए। कुल 22 हादसों में 12 की मौत हुई, 75 लोग घायल हैं। अकेले अमरोहा में 15 वाहन टकराए। शनिवार को भी 16 जिलों में सड़क हादसों में 7 लोगों की मौत हुई थी।

हिमाचल प्रदेश में ताबो का तापमान राज्य में सबसे कम -2.6ओसी रहा। उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ के ऊंचे इलाकों में शनिवार को बर्फबारी हुई। बिहार के 18 जिलों में कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है।

जनता टीएमसी से मुक्ति चाहती है : मोदी

>>>बीजेपी इसके लिए तैयार, जैसा बिहार में किया, वैसा यहां भी करेंगे<<<

कोलकाता/गुवाहाटी, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा कि यहां की जनता अब असली परिवर्तन चाहती है। हर कोई 15 साल के महाजंगल राज को बदलना चाहता है। अभी तो बीजेपी-एनडीए ने बिहार में जंगलराज को रोका है। अब टीएमसी के महाजंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है।

पीएम ने सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं को आप तक पहुंचने नहीं देती। इनको मोदी से दिक्कत है, ये मुझे समझ आता है, बीजेपी से दुश्मनी समझ आती है... लेकिन टीएमसी बंगाल के लोगों से अपनी दुश्मनी निकाल रही है।

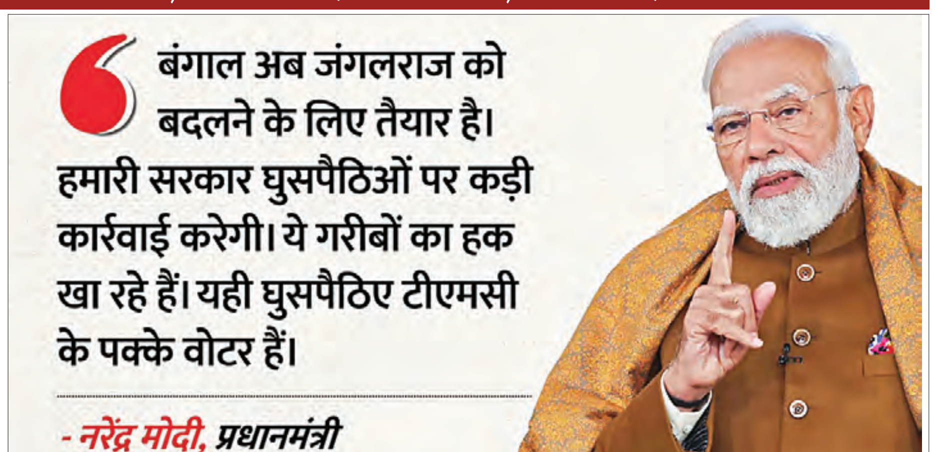

पीएम ने सिंगूर में 837 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और इनॉगरेशन किया। इससे पहले सुबह पीएम असम में थे। वहां मोदी ने कलियाबोर में 6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी। पीएम ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों- डिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई।

पीएम के स्पीच की बड़ी बातें....

> हर साल जब ब्रह्मपुत्र का जलस्तर बढ़ता है तो यहां के वन्यजीव ऊंचे इलाकों की ओर निकलते है। रायनो हाथी सड़क के किनारे फंस जाते है। इसीलिए यहां 90 किमी लंबा कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। इसके लिए 7 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

> पिछले कुछ वर्षों में काजीरंगा में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। इससे गाइड, ट्रैवल एजेंसियों, होटल, हस्तशिल्प कलाकारों और स्थानीय लोगों को आय के नए अवसर मिले हैं।

> असम आज दुनिया को दिखा रहा है कि विकास के साथ-साथ विरासत को कैसे संभाला जा सकता है। दशकों तक लोगों को लगता रहा कि देश का विकास कहीं और हो रहा है और वे पीछे रह गए हैं। इस सोच को बदलने का काम किया गया और नॉर्थ ईस्ट के विकास को प्राथमिकता दी गई।

> कांग्रेस ने असम की मिट्टी को घुसपैठियों को सौंप दिया। इनकी सरकार के दौरान असम में घुसपैठ बढ़ती गई। कांग्रेस को असम के इतिहास, संस्कृति और आस्था से कोई सरोकार नहीं था।

> कांग्रेस की नीति है कि घुसपैठियों को बचाओ, उनकी मदद से सत्ता पाओ, बिहार में कांग्रेस ने घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्राएं निकाली, बिहार ने इन्हें बाहर कर दिया, मुझे विश्वास है असम भी यही करेगा।

केरल चुनाव से 3 महीने पहले दक्षिण में कुम्भ

मल्लपुरम, 18 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के मल्लपुरम जिले का मात्र 37 हजार की आबादी वाला छोटा सा कस्बा तिरुनावाया। वैसे तो यह जगह राज्य के प्राचीन भगवान नवमुकुंद (विष्णु) मंदिर और यहां हर 12 साल में होने वाले मामांकम उत्सव के लिए विख्यात है, लेकिन इस बार यहां 18 जनवरी से 'दक्षिण भारत का पहला कुम्भ' होने जा रहा है। यह दक्षिण की गंगा कही जाने वाली नीला नदी (भरतपुझा) के तट पर 3 फरवरी तक चलेगा। यह महामाघ उत्सव का बड़ा रूप है। जूना अखाड़ा, केरल की भारतीय धर्म प्रचार सभा इसके आयोजक हैं। राज्य में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में हिंदुओं का इतना बड़ा जमावड़ा दक्षिण भारत में चर्चा का विषय बन गया है। मैं इस वक्त नवमुकुंद मंदिर के ठीक बाहर हूं और यहां से आप 6 किमी के दायरे में कहीं भी चले जाएं, हर घर फूलों से सजा है। घरों, दुकानों पर जो पोस्टर लगे हैं, उन पर लिखा है- दक्षिण भारत का पहला कुम्भ। हालांकि बजट कम है, इसलिए यहां प्रयागराज कुम्भ जैसी टेंट सिटी नहीं बनी है। लोगों ने अतिथियों के लिए अपने घर केरल का यह उत्सव भव्य है। इसे मेरी शुभकामनाएं हैं। देशभर से लोग वहां पहुंच रहे हैं अवधेशानंदगिरी महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर, जूना अखाड़ा खोल दिए हैं।

भारत विरोधी काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह का इस्तीफा

काठमांडू, 18 जनवरी (एजेंसियां)। काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर बालेन्द्र शाह ने रविवार को इस्तीफा दे दिया। डिप्टी मेयर को लिखे एक पत्र में बालेन्द्र शाह ने कहा कि वह नेपाल के संविधान 2015, स्थानीय सरकार संचालन अधिनियम 2017 और महानगर के मौजूदा कानूनों के अनुसार पद छोड़ रहे हैं। शाह ने कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है। बालेन्द्र शाह ने 2022 के स्थानीय चुनावों में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर का चुनाव जीता था।

काठमांडू पोस्ट के अनुसार, बालेन्द्र शाह ने अपने इस्तीफे में कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान महानगर और उसके निवासियों के हित में अधिकतम जिम्मेदारी के साथ काम करने की कोशिश की। शाह ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में महानगर का नेतृत्व, सेवा वितरण और विकास यात्रा अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी होगी। उन्होंने डिप्टी मेयर और मेट्रोपॉलिटन कार्यकारी की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

प्रयागराज माघ मेला

पुलिस ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को रोका

साधु को पीटा, पालकी खींच ले गए, शंकराचार्य स्नान नहीं कर पाए

प्रयागराज, 18 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या के स्नान के लिए आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी पुलिस ने रोक दी। पुलिस ने उनसे पैदल संगम जाने को कहा। शंकराचार्य के शिष्य नहीं माने और पालकी लेकर आगे बढ़ने लगे।

इस पर शिष्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने कई शिष्यों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने एक साधु को चौकी में पीटा। इससे शंकराचार्य नाराज हो गए और शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए। अफसरों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, हाथ जोड़े, लेकिन वे नहीं माने। करीब 2 घंटे तक गहमा-गहमी रही।

इसके बाद पुलिस ने शंकराचार्य के कई और समर्थकों को हिरासत में ले लिया। शंकराचार्य की पालकी को खींचते हुए संगम से 1 किमी दूर ले जाया गया। इस दौरान पालकी का क्षत्रप भी टूट गया। शंकराचार्य स्नान भी नहीं कर पाए।

पुलिस ने शंकराचार्य को पैदल जाने को कहा था :

विवाद की शुरूआत में पुलिस ने भीड़ को देखते हुए शंकराचार्य को रथ से उतरकर पैदल जाने को कहा था, लेकिन शिष्य नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इस पर बहस हुई, फिर देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

शंकराचार्य ने कहा- बड़े-बड़े अधिकारी हमारे संतों को मार रहे थे। पहले तो हम लौट रहे थे, लेकिन अब स्नान करेंगे और कहीं नहीं जाएंगे। वे हमें रोक नहीं पाएंगे। इनको ऊपर से आदेश होगा कि इन्हें परेशान करो। यह सरकार के इशारे पर हो रहा है, क्योंकि वे हमसे नाराज हैं। जब महाकुंभ में भगदड़ मची थी, तो मैंने उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। अब वे बदला निकालने के लिए अधिकारियों से कह रहे होंगे।

आज मेले में मौनी अमावस्या का स्नान चल रहा है। संगम तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। अब तक तक 3 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। प्रशासन का कहना है कि आज 4 करोड़ लोग डुबकी लगा सकते हैं। एआई, सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। 800 हेक्टेयर में बसे मेला क्षेत्र को 7 सेक्टरों में बांटा गया है। 8 किमी में अस्थायी घाट बनाए गए हैं।

धरने पर बैठे हैं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज, 18 जनवरी (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शिविर में अभी भी धरने पर बैठे हैं। उनके शिष्य और समर्थक भी साथ बैठे हैं। इस दौरान भजन गाए जा रहे हैं।

माघ मेले में प्रयागराज जोन के पूर्व आईजी कवींद्र प्रताप सिंह भी फंसे दिखे। मौजूदा समय में विश्व हिंदू परिषद (काशी प्रांत) के अध्यक्ष कवींद्र प्रताप को सिपाही ने रोक दिया। इस पर उनके ड्राइवर ने परिचय बताया, लेकिन पुलिस ने नहीं सुनी।

एक बैरिकेडिंग से क्रॉस होकर आगे निकले तो ब्रिज के नीचे सिपाही ने फिर रोक दिया। इस पर खुद केपी सिंह गाड़ी से उतरे। उन्होंने कहा कि मैं भी मेले की व्यवस्था संभाल चुका हूं, आईजी रहा हूं। विहिप के शिविर में जाना है। सिपाही ने साफ मना करते हुए कहा, आप मेरी बात नहीं समझ रहे। जो सिस्टम बना है, उसे आप नहीं समझ रहे। इस पर पूर्व आईजी मुस्कुराने लगे। तभी वहां कुछ पुलिसवालों ने उन्हें पहचान लिया। फिर बैरिकेडिंग हटाई। बाद में सिपाही ने सैल्यूट भी किया।

धर्म ही मुझे और मोदी को चला रहा : भागवत

जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) चीफ मोहन भागवत ने कहा कि धर्म ही मुझे और नरेंद्र मोदी को धर्म ही चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को कंट्रोल करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत को अपने संतों और ऋषियों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलाएगा, वह विश्वगुरु बना रहेगा। भागवत ने ये बातें रविवार को छत्रपति संभाजीनगर में आरएसएस के शताब्दी वर्ष को लेकर आयोजित जनसभा में कहीं।

भागवत की स्पीच की बड़ी बातें...

> सृष्टि बनने के बाद उसके संचालन के नियम ही धर्म बने और सब कुछ उन्हीं नियमों पर चलता है। दुनिया में आध्यात्मिकता की कमी है, इसलिए ऐसा ज्ञान वहां नहीं मिलता।

> धर्म सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। प्रकृति की हर चीज का अपना कर्तव्य और अनुशासन होता है। कोई राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई व्यक्ति या रचना धर्म के बिना नहीं हो सकती।

> जातिगत भेदभाव पर बात करते हुए भागवत ने कहा कि इसे खत्म करने के लिए मन से जाति को मिटाना होगा। पहले जाति काम और पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में यह भेदभाव का कारण बन गई।

> भागवत ने कहा कि आरएसएस का लक्ष्य समाज के साथ मिलकर भारत को उसके सर्वोच्च गौरव तक ले जाना है। संघ व्यक्ति के चरित्र निर्माण के

जरिए राष्ट्र निर्माण करता है।

> आरएसएस न किसी से प्रतिस्पर्धा करता है और न ही किसी प्रतिक्रिया में बना संगठन है। संघ खुद बड़ा नहीं बनना चाहता, बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ाना चाहता है। जो लोग संघ को समझना चाहते हैं, उन्हें उसकी शाखाओं में आना चाहिए।

बैरक में सोनम वांगचुक का हो रहा बुरा हाल

पत्नी का दावा- जेल में पढ़ने वाला अखबार भी काटकर दिया जा रहा

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने एक बार फिर से सरकार और जेल प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। गीतांजलि ने जेल के अंदर अपने पति की स्थिति को लेकर भी दर्द जाहिर किया है।

मेरे पति जेल में फर्श पर सो रहे, फर्नीचर तक नहीं दी गई :

पत वांगचुक एक ऐसे बैरक में फर्श पर कंबल ओढ़कर सो रहे हैं जहां कोई फर्नीचर नहीं है। वे किताबें पढ़ रहे हैं, क्योंकि परिवार और वकीलों के अलावा उनका बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। अंगमो उनके लिए जो अखबार लाती हैं, उसमें से भी उनसे संबंधित खबरें काट दी जाती हैं।

गीतांजली ने एक और दावा करते हुए कहा कि वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के मामले में कोई दम नहीं है इसलिए सरकार अदालत से बार-बार नई तारीख मांग रही है।

डीजीसीए ने इंडिगो पर 22.20 करोड़ का फाइन लगाया

जांच कमेटी ने गड़बड़ी की 4 वजहें बताईं, दिसंबर में एयरलाइन की 2500 फ्लाइट कैंसिल हुई थीं

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयरलाइन कंपनी इंडिगो पर 22.20 करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के रूल 133ए के तहत लगाया गया है।

इसके तहत एकमुश्त जुर्माना 1.80 करोड़ है। इसके अलावा एफडीटीएल नियमों का 68 दिन तक पालन नहीं करने पर प्रतिदिन 30 लाख का जुर्माना लगाया गया, जो कि 20.40 करोड़ होता है।

डीजीसीए ने यह एक्शन 3 से 5 दिसंबर, 2025 के बीच इंडिगो की 2507 फ्लाइट के कैंसिल होने और 1852 फ्लाइट के ऑपरेशन में देरी होने पर लिया है। इस कारण 3 लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी हुई थी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) के निर्देश पर डीजीसीए ने मामले की जांच के लिए 4 मेंबर वाली कमेटी बनाई

थी। कमेटी ने इंडिगो के नेटवर्क प्लानिंग, क्रू रोस्टरिंग और इंडिगो के इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर सिस्टम की डिटेल इंवेस्टिगेशन और स्टडी की। साथ ही बयान भी दर्ज किए।

इंडिगो बोली- डीजीसीए आदेशों को मानेंगे, सही कदम उठाएंगे :

इंडिगो एयरलाइंस ने कहा है कि वह डीजीसीए के सभी आदेशों को पूरी तरह मानेंगी और जो भी सुधार जरूरी होंगे, वे सही समय पर किए जाएंगे। कंपनी के बोर्ड और मैनेजमेंट का कहना है कि हाल की घटना के बाद काम करने के तरीकों, सिस्टम और संचालन को मजबूत बनाने के लिए अंदरूनी तौर पर पूरी जांच और समीक्षा की जा रही है।

इंडिगो की गलतियां :

कमेटी के मुताबिक, इंडिगो मैनेजमेंट ने ऑपरेशन में देरी या आपात हालात से निपटने की पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। साथ ही बदले हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों को भी सही तरीके से लागू नहीं किया गया। इसी वजह से बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।

जांच में यह भी सामने आया कि एयरलाइन ने क्रू, विमान और नेटवर्क संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर जरूरत से ज्यादा जोर दिया। इससे क्रू रोस्टर में अतिरिक्त गुंजाइश बहुत कम रह गई। डेड-हेडिंग, टेल स्वैप, लंबी ड्यूटी और कम आराम समय जैसी व्यवस्थाओं ने फ्लाइट ऑपरेशन को कमजोर बना दिया।

इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के सीनियर अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। सीईओ को फ्लाइट ऑपरेशन और क्राइसेस मैनेजमेंट में कमी पर कॉशन दिया गया। अकाउंटेबल मैनेजर (सीओओ) को विंटर शेड्यूल 2025 और संशोधित एफडीटीएल नियमों के प्रभाव का सही आकलन न करने पर वार्निंग दी गई। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट को ऑपरेशनल जिम्मेदारियों से हटाने और भविष्य में किसी भी अकाउंटेबल पद पर नियुक्त न करने के निर्देश दिए गए। डिप्टी हेड-फलाइट ऑपरेशंस, एवीपी-क्रू रिसोर्स प्लानिंग और डायरेक्टर-फ्लाइट ऑपरेशंस को भी ऑपरेशनल और मैनपावर प्लानिंग में चूक के लिए चेतावनी दी गई।

जब काम ठीक से चलने लगे तो पुरानी पीढ़ी को हट जाना चाहिए

किसके लिए बड़ी बात बोल गए नितिन गडकरी?

नागपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इशारों-इशारों में बड़ा बयान दिया है। नितिन गडकरी ने कहा है कि जब चीजें सुचारू रूप से चलने लगें तो पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी के लिए रास्ता बना देना चाहिए। उन्होंने यह बात नागपुर में एडवांटेज विदर्भ-खासदार औद्योगिक महोत्सव के बारे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कही। गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि युवा पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए और पुरानी पीढ़ी को धीरे-धीरे पीछे हटकर अन्य काम करने चाहिए।

यह महोत्सव विदर्भ क्षेत्र को भारत के औद्योगिक नक्शे पर एक मजबूत विकास केंद्र के रूप में स्थापित करने के मकसद से आयोजित किया जा रहा है। गडकरी इस महोत्सव के मुख्य संरक्षक हैं। उन्होंने बताया कि यह महोत्सव तीसरी बार आयोजित हो रहा है और यह 6 से 8 फरवरी तक नागपुर में चलेगा। उन्होंने कहा कि विदर्भ क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों के बहुत अच्छे उद्यमी मौजूद हैं। गडकरी ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए औद्योगिक क्षेत्र, कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र और सेवा क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने महोत्सव के आयोजक आशीष काले का उदाहरण देते हुए कहा कि काले ने एडवांटेज विदर्भ पहल में युवा पीढ़ी को शामिल किया है। मेरा मानना है कि धीरे-धीरे पीढ़ी भी बदलनी चाहिए। गडकरी ने कहा कि आशीष के पिता मेरे दोस्त हैं। अब हमें धीरे-धीरे रिटायर हो जाना चाहिए और जिम्मेदारी नई पीढ़ी को दे देनी चाहिए।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने उठाया सवाल

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। देश में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गया है। वर्ल्ड बैंक की हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने इस बात की पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रदूषण से हर साल 10 लाख लोगों की मौत हो रही है। इसके अलावा प्रदूषण का असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आखिर मोदी सरकार कब तक सच्चाई से मुंह मोड़े रहेगी? कांग्रेस ने इसके साथ ही प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त उपायों को लागू करने की वकालत की है।

रिपोर्ट को लेकर सरकार पर क्यो उठाए सवाल :

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट लिखी। इसमें जयराम रमेश ने कहा कि वर्ल्ड बैंक की इंडो-गैंगेटिक मैदानों और

हिमालय की तलहटी में वायु प्रदूषण पर लेटेस्ट रिपोर्ट 'ए ब्रेथ ऑफ़ चेंज' टाइटल से आई है। यह रिपोर्ट व्यापक, सबूतों पर आधारित और स्पष्ट है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि अब इस क्षेत्र में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो जाती है। साथ ही, हर साल क्षेत्रीय जीडीपी का लगभग 10 प्रतिशत आर्थिक नुकसान भी होता है।

रिपोर्ट में किन बातों पर फोकस :

जयराम रमेश ने रिपोर्ट में शामिल कई अन्य बातों पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने लिखा कि रिपोर्ट में कोयला पावर प्लांट उत्सर्जन मानदंडों को लागू करना और सबसे पुरानी यूनिट्स को तेज़ी से बंद करने की बात कही गई है। इसके अलावा शहर-केंद्रित योजनाओं से हटकर कानूनी रूप से सशक्त एयरशेड-आधारित गवर्नेंस की ओर बढ़ने का जिक्र है। इसके साथ ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट का विस्तार और इलेक्ट्रिफिकेशन और वाहन उत्सर्जन और फ्यूल स्टैंडर्ड को सख्त करने की भी बात है।

कांग्रेस क्या दे रही सुझाव :

जयराम रमेश ने कहा कि हाल के सालों में एक्यूआई स्वास्थ्य संकट जिस तरह से गहराता जा रहा है, उसे देखते हुए कांग्रेस बार-बार ये सुझाव दे रही है कि 1981 के वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम और नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (एनएएक्यूएस), 2009 की पीएम 2.5 पर फोकस करते हुए समीक्षा की जाए।

इसके साथ ही नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) का वित्तीय खर्च और भौगोलिक कवरेज दोनों के मामले में बड़े पैमाने पर विस्तार हो। इसमें परफॉर्मेंस के लिए पीएम 2.5 लेवल को पैमाना बनाया जाए। इसके साथ ही बिना किसी छूट या ढील के, वायु प्रदूषण के नियमों और मानकों को सख्ती से और बिना किसी समझौते के लागू करना।

समाज में करप्शन, जज भी यहीं से आते हैं : पूर्व सीजेआई

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जेएलएफ में पोलैंड के उपप्रधानमंत्री ने रूस के राष्ट्रपति के रवैये पर बात की। गीतकार प्रसून जोशी ने क्रिएटिविटी के मायने समझाए। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में 'आइडियाज ऑफ जस्टिस' सेशन में पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा- मैं बेबी बूमर पीढ़ी का हूं। लेकिन मेरी 2 बेटी हैं, जो स्पेशल नीड्स वाली हैं और जीईएन-जेड हैं। तो अगर मुझे उनकी जिंदगी से जुड़े रहना है, तो मुझे जीईएन-जेड के काम करने का तरीका फॉलो करना पड़ेगा।

डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा- मैं भ्रष्टाचार को जस्टिफाई नहीं कर रहा, लेकिन जज भी सोसाइटी से आते हैं। सोसाइटी में करप्शन है। लेकिन जज से हायर कॉलिंग एक्सपेक्टेड है। हां, करप्शन है। इसे रोकने के लिए जवाबदेही तय करने के लिए एफिशिएंट सिस्टम चाहिए। गलत जजमेंट पर करप्ट कहना आसान है, लेकिन ट्रूथ देखना जरूरी है।

पूर्व सीजेआई ने कहा- जब मैं समलैंगिकता अपराधमुक्त करने वाला फैसला लिख रहा था तो मुझे लियोनार्ड कोहेन का कोट याद आया। वह कोट 'डेमोक्रेसी इन सम डेंजर' के बारे में था। मैंने सोचा कि ये फैसला फ्लोरिश वाला होना चाहिए। कुछ फैसले बीच रोड पर लिखे जाते हैं, कुछ में थोड़ा फ्लोरिश डालते हैं।

रविवार को 'इमेजिन : द न्यू होराइजंस ऑफ क्रिएटिविटी' सेशन में गीतकार प्रसून जोशी ने कहा- एआई में वो रचनात्मकता और कल्पना नहीं है, जो मनुष्यों में होती है। एआई एक टूल है। अगर हम इसे एक एक्सटेंशन के रूप में समझते हैं तो कोई आपत्ति नहीं है। वहीं आयरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री लियो वराडकर ने जेएलएफ के मंच पर अपना जन्मदिन मनाया।

सरोगेसी और एग डोनेशन रैकेट का हुआ भंडाफोड़, बैंकॉक में चल रहा था काला कारोबार

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमीग्रेशन अधिकारियों की सतर्कता से एक बड़े अवैध अंतरराष्ट्रीय सरोगेसी और एग डोनेशन रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में बैंकॉक से लौटी महिलाओं से पूछताछ के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि रैकेट की मास्टरमाइंड मानी जा रही तीसरी महिला फिलहाल फरार है। जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह भारत से महिलाओं को बैंकॉक ले जाता था, जहां अवैध रूप से एग डोनेशन और सरोगेसी की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता था। इस रैकेट का मुख्य उद्देश्य आईवीएफ केंद्रों को एग डोनर और सरोगेट माताएं उपलब्ध कराना था। मामले की गंभीरता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देखते हुए इसकी आगे की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच

जहां होना था केजरीवाल का कार्यक्रम

वहां पुलिस ने मारी रेड, आप हुई हमलावर

अहमदाबाद, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी ने भाजपा की गुजरात सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी नेता गोपाल इटालिया ने कहा कि गुजरात सरकार ने अरविंद केजरीवाल का प्रोग्राम रद्द करवाया।उन्होंने कहा जहां कार्यकर्ता सम्मेलन होना था, वहां की परमिशन सरकार ने रद्द की। रात के अंधेरे में पुलिस ने कार्यक्रम स्थल पर रेड की। उन्होंने कहा कार्यक्रम स्थल के मालिक की तरफ से उन्हें धमकी दी गई। भाजपा आप के बढ़ते जनाधार से डर गई है।

उन्होंने कहा कार्यकर्ता सम्मेलन अब दूसरी जगह होगा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज से तीन दिन के गुजरात दौरे पर हैं। अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने पर केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर ज़ोरदार हमला बोला। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि गुजरात में डर, भ्रष्टाचार और दबाव का माहौल है और कहा कि पिछले तीन दशकों से बीजेपी ने राज्य को गड्ढे में डाल दिया है।

'गुजरात के हर कोने में डर और भ्रष्टाचार'

मीडिया से बात करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के हर कोने में डर और भ्रष्टाचार फैला हुआ है। जो भी बीजेपी के खिलाफ आवाज़ उठाता है, उसे डराया जाता है या जेल में डाल दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है, लेकिन सरकारी मशीनरी और दबाव के कारण कोई भी इसके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं करता। लोगों को धमकाया जा रहा है और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करके सत्ता बनाए रखी जा रही है।

7 जोन के तहत बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन की योजना

आप के डॉ। करण बरोट ने बताया कि अब तक, आम आदमी पार्टी ने पूरे गुजरात में 18,000 से ज़्यादा बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों के ज़रिए गुजरात के लोगों को पार्टी से जोड़ने और अहम सार्वजनिक मुद्दों को उठाने का काम सफलतापूर्वक किया गया है। आने वाले समय में संगठन को और मज़बूत करने के लिए आम आदमी पार्टी ने सात ज़ोन के तहत बूथ कार्यकर्ताओं के सम्मेलनों की योजना बनाई है। उन्होंने जानकारी दी थी कि अहमदाबाद में सेंट्रल ज़ोन के तहत एक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें अहमदाबाद, खेड़ा, गांधीनगर और सुरेंद्रनगर लोकसभा क्षेत्र शामिल होंगे। सोमवार को, पूर्वी ज़ोन के तहत वडोदरा में एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा,

'नाबालिग बच्चियों पर जुल्म ढा रही है सरकार' पटना में नीट छात्रा की मौत पर बोले तेजस्वी यादव

पटना, 18 जनवरी (एजेंसियां)। गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की रेप के बाद मौत की घटना ने तूल पकड़ लिया है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भ्रष्ट तंत्र व मशीनी यंत्र निर्मित डबल इंजन की एनडीए सरकार अत्याचारियों, भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और ब्लात्कारियों का विश्वसनीय उपकरण बन चुकी है। वोट खरीदी से बनी बिहार की असंवेदनशील नीतीश सरकार संपूर्ण बिहार में नाबालिग बच्चियों, छात्राओं, बेटियों और महिलाओं पर जुल्म ढा रही है। सत्ता संपोषित अत्याचार होने के कारण सरकार के कर्ता-धर्ता रौंगटे खड़े करने वाली इन वीभत्स घटनाओं पर मौन धारण कर महात्मा बनने का स्वांग रच रहे है।

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि मधेपुरा में विधवा महिला के साथ सामूहिक बलात्कार व हत्या, खगड़िया में 4 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ जघन्य सामूहिक दुष्कर्म व हत्या, पटना में जहानाबाद की नीट छात्रा के साथ दुष्कर्म, क्रूरतापूर्ण हत्या और सत्ता संरक्षित लीपापोती दर्शाती है। यह सरकार निर्मम, क्रूर और अमानवीय हो चुकी है। पटना और खगड़िया में घटना का विरोध दर्ज कराने पर निकम्मी पुलिस प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर उन्हें जेल भेजती है। वहीं दूसरी ओर अपराधियों तथा ब्लात्कारियों को अपना 'मेहमान' समझ उन्हें सुरक्षित और सम्मानित करने में दिलों जान से लगी है।

जम्मू से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव की तैयारी

सत शर्मा की अध्यक्षता में बड़ी बैठक; 19 जनवरी को नामांकन

जम्मू, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई ने शनिवार को जम्मू में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की आगामी मतदान प्रक्रिया पर विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रदेशाध्यक्ष सत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक में राष्ट्रीय परिषद और राज्य परिषद के सदस्य शामिल हुए। बैठक देशभर में संगठन पर्व के तहत चल रहे संगठनात्मक चुनावों का हिस्सा थी। इस दौरान सत शर्मा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी किया। इसके अनुसार, इस पद के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किए जाएंगे, जबकि नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा अगले दिन की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए सत शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और सहभागी प्रक्रिया है, जिसमें जमीनी स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पूरी संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया प्राथमिक सदस्यता अभियान से शुरू होकर व्यवस्थित तरीके से पूरी की गई है,

जम्मू-कश्मीर: किश्तवाड़ में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच चल रही मुठभेड़, जैश से कनेक्शन होने की खबर

श्रीनगर, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के सिंगपोरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी समूह के फंसे होने की संभावना है। गोलीबारी जारी है। सुरक्षाबलों की तरफ से आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। गौरतलब है कि आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों के द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है, फिर भी आतंकी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। आतंकी, भारत के खिलाफ लगातार साजिशें रचते रहते हैं लेकिन भारतीय जवानों की तरफ से उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है।

हाल ही में कठुआ में 3 आतंकी ठिकानों का भंडाफोड़ हुआ था

हालही में कठुआ में पुलिस ने तीन आतंकी ठिकानों का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान देसी घी से लेकर बादाम तक तमाम सामान मिला था। हालांकि इस दौरान आतंकी, जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले थे। इस दौरान सुरक्षाबलों का एक जवान घायल भी हुआ था। इससे पहले राजौरी सेक्टर में ड्रोन दिखा था, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया था और भारतीय सेना ने गोलीबारी की थी।

सूत्रों के अनुसार, ये जानकारी मिली थी कि ड्रोन की यह गतिविधि सीमा पार से निगरानी या किसी संदिग्ध उद्देश्य से की जा रही हो सकती है। जनवरी की शुरुआत में ही आतंकी रफीक नाई उर्फ सुल्तान के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई थी। इस दौरान उसकी 10 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया था कि यह संपत्ति 4 मरला और 02 सरसाई कृषि भूमि थी। यह मेंढर तहसील के नक्का मझारी इलाके के गांव नर में स्थित थी। रफीक नाई उर्फ सुल्तान फिलहाल पाकिस्तान से प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-उल-मुजाहिदीन/जम्मू कश्मीर गजनवी फोर्स का हैंडलर है और लॉन्च कमांडर के तौर पर काम कर रहा है। उसे आतंकवादी घोषित किया गया है और वह कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित है। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबल अलर्ट मोड में हैं। हर बारीक गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपित को फांसी की सजा, महज 44 दिन में पीड़िता को मिला न्याय

राजकोट, 18 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के निर्भया कांड जैसी रूह कंपा देने वाली घटना में गुजरात की राजकोट अदालत ने महज 44 दिनों के भीतर दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। यह मामला सात साल की मासूम बच्ची के साथ हुई बेहद जघन्य और अमानवीय दरिंदगी से जुड़ा है, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। घटना चार दिसंबर 2025 को राजकोट जिले की आटकोट तहसील के कानपार गांव के बाहरी इलाके में हुई। बगीचे में खेल रही सात साल की बच्ची को गांव का ही आरोपित रामसिंह डुडवा झाड़ियों में ले गया। वहां आरोपित ने बच्ची से दुष्कर्म किया और लोहे की छड़ से उसके शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें पहुंचाईं जिससे बच्ची बुरी तरह लहूलुहान हो गई। दर्द से तड़पती हालत में उसे छोड़कर आरोपित मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही राजकोट ग्रामीण पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और आठ दिसंबर 2025 को आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच अधिकारियों ने महज 11 दिनों में जांच पूरी कर चार्जशीट दाखिल कर दी। इसके बाद विशेष पाक्सो अदालत ने मामले की सुनवाई को प्राथमिकता देते हुए रोजाना सुनवाई का आदेश दिया और 12 जनवरी 2026 को अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। आज जनवरी 2026 को राजकोट की विशेष पाक्सो अदालत के न्यायाधीश वीए राणा ने आरोपित रामसिंह को फांसी की सजा सुनाई।

नेशनल हाईवे पर दर्दनाक हादसा, कार सवार 5 लोगों की मौत एक महिला घायल

सोलापुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां सोलापुर से पुणे जाने वाले नेशनल हाइवे पर एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक घायल महिला को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है, जबकि अन्य मृतकों की पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग देवदर्शन के लिए पनवेल से अक्कलकोट जा रहे थे, तभी महोल के पास यह हादसा हो गया। दरअसल, ये हादसा सोलापुर-पुणे नेशनल हाईवे पर हुआ है। इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल बताई जा रही है। फिलहाल घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। वहीं मृतकों की पहचान के लिए पुलिस की टीम प्रयास कर रही है।

हिंसा में कुकी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार, अब पीड़िता की मौत

इंफाल, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई मैतेई-कुकी जातीय हिंसा के बीच एक कुकी जनजाति की महिला पर हुए क्रूर अत्याचार की कहानी ने एक बार फिर समाज को झकझोर दिया है। इंफाल से किडनैप होकर सामूहिक दुष्कर्म का शिकार बनी इस महिला की हाल ही में मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि उसकी मौत्त उस घटना से मिली शारीरिक और मानसिक चोटों का नतीजा थी। परिवार का कहना है कि जीते जी न्याय न मिलने से उसका दर्द और गहरा हो गया है। मई 2023 में हिंसा भड़कते ही कुछ लोगों के समूह ने इस 20 साल की महिला को इंफाल से अगवा कर लिया।

एफआईआर में दर्ज बयान के अनुसार, चार हथियारबंद काली शर्ट पहने व्यक्ति उसे एक पहाड़ी क्षेत्र में ले गए, जहां तीन ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। कुकी संगठनों का आरोप है कि मीरा पाइबी के कुछ सदस्यों ने उसे मैतेई पुरुषों के हवाले किया। ख़बरों से पता चला अरामबाई तेंगगोल जैसे मैतेई समूह काली शर्ट पहनते हैं। जुलाई 2023 में एनडीटीवी से बातचीत में पीड़िता ने बताया था, 'मुझे चार लोग एक सफेद बोलेरो में ले गए और जब वे मुझे ले जा रहे थे, तो ड्राइवर को छोड़कर उनमें से तीन ने मेरे साथ दुष्कर्म किया। फिर मुझे एक पहाड़ी पर ले जाया गया जहां उन्होंने मेरे साथ मारपीट की।' उसने आगे कहा, 'वे मेरे साथ जो भी बुरी चीजे कर सकते थे उन्होंने कीं और पूरी रात मुझे कुछ भी खाने को नहीं दिया गया। उन्होंने पानी भी नहीं दिया। सुबह, किसी तरह, वॉशरूम जाने के बहाने।।। मैंने आंखों पर बंधी पट्टी हटाई और आसपास देखने की कोशिश की कि क्या हो रहा है। उसके बाद मैंने पहाड़ी से नीचे भागने और बचने का फैसला किया।'

इलाज के दौरान मौत

गंभीर चोटों के साथ वह किसी तरह बच निकली। सब्जियों के ढेर के नीचे छिपकर एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर की मदद से कांगपोकपी पहुंची, जहां से उसे कोहिमा के अस्पताल में भेजा गया। दो महीने बाद 21 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज हुई, जब राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी थी। चुराचांदपुर के इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने बयान जारी कर कहा कि उसे लैंगगोल ले जाकर बलात्कार किया गया और बिष्णुपुर में मरने के लिए छोड़ दिया गया।

आईटीएलएफ ने कहा, 'हालांकि वह बच गई, लेकिन उसे गंभीर शारीरिक चोटें, गहरा सदमा लगा और गर्भाशय से जुड़ी गंभीर समस्याएं हुईं। उसका गुवाहाटी में इलाज चल रहा था, लेकिन दुख की बात है कि 10 जनवरी, 2026 को चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।' मणिपुर में भूमि अधिकार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर भड़की यह हिंसा अब तक 260 से अधिक लोगों की जान ले चुकी है, जबकि 50,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। आईटीएलएफ ने महिला की स्मृति में कैंडल मार्च का एलान किया है।

नेपकिन पर लिखा- फ्लाइट में है बम... लखनऊ में कराई गई इंडिगो की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली से बागडोगरा जा रहे विमान में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया है। सूचना मिलने के तुरंत बाद ही विमान को लखनऊ में इमरजेंसी लैंड कराया गया है। जहां उसकी पूरी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, एटीसी को रविवार सुबह 8:46 बजे इंडिगो की 6ई-6650 फ्लाइट में बम की सूचना मिली थी। जानकारी मिलने के तुरंत बाद विमान में से यात्रियों को उतारकर उसे आइसोलेशन बे में पार्क किया गया है। जहां उसकी पूरी जांच की जा रही है। इंडिगो एयरलाइंस की विमान संख्या 6e6650 दिल्ली से बागडोगरा जाते समय मिली बम होने की जानकारी सामने आई थी। अब तक की जानकारी में सामने आया है कि धमकी की जानकारी एक यात्री ने दी थी। प्लेन में ही सवार एक यात्री को बाथरूम के अंदर एक नैपकिन पर धमकी मिली मिली थी। इस नैपकिन पर लिखा गया था कि प्लेन में बम है। इसके बाद ही अधिकारी हरकत में आए।

प्लेन में सवार थे 200 से ज्यादा यात्री

लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग के बाद प्लेन की जांच की जा रही है। बम निरोधक दस्ता अभी भी एयरपोर्ट पर ही मौजूद है। कुल मिलाकर विमान में 200 से ज्यादा यात्री सवार थे, इनमें कई बच्चे भी हैं। जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय थाना सरोजनी नगर की पुलिस भी पहुंची है। जो इस समय जांच कर रही है। प्रशासन ने पुष्टि की है कि सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित विमान से बाहर निकाल लिया गया है और वे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

जांच के दौरान नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

लखनऊ में लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर बैठाया गया और उन्हें किसी भी तरह की घबराहट न फैलाने की अपील की गई। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। अधिकारियों की मानें तो अब तक विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जल्द ही झूठी सूचना देने वाले को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अमरावती में भाजपा की हार से नवनीत राणा का क्या है कनेक्शन? पार्टी उम्मीदवारों ने लगाए ये आरोप

नागपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। अमरावती नगर निगम चुनाव में बगावत के सुर तेज हो गए हैं। यहां चुनाव लड़ने वाले 22 भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। इन नेताओं ने पूर्व सांसद नवनीत राणा को पार्टी से तुरंत बाहर निकालने की मांग की है। शिकायत करने वालों में 20 हारे हुए और दो जीते हुए उम्मीदवार शामिल हैं।

उम्मीदवारों का आरोप है कि नवनीत राणा ने चुनाव में बीजेपी के खिलाफ काम किया। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवारों को डमी बताया और अपने पति रवि राणा की 'युवा स्वाभिमान पार्टी' के उम्मीदवारों को असली भाजपा उम्मीदवार बताकर उनका प्रचार किया। बता दें कि चुनाव से पहले भाजपा और रवि राणा की पार्टी का गठबंधन टूट गया था। हालांकि, एक स्थानीय भाजपा नेता ने कहा था कि नवनीत राणा पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करती रहेंगी।

पत्र में नेताओं ने लिखा है कि उनकी हार जनता या विपक्ष की वजह से नहीं, बल्कि नवनीत राणा की वजह से हुई है। 15 जनवरी को हुए चुनाव के नतीजों में भाजपा को भारी नुकसान हुआ है। 87 सीटों वाले निगम में बीजेपी 45 सीटों से घटकर 25 पर आ गई है। वहीं, युवा स्वाभिमान पार्टी और कांग्रेस को 15-15 सीटें मिलीं, एआईएमआईएम को 12, एनसीपी को 11, शिवसेना और बीएसपी को तीन-तीन, शिवसेना (यूबीटी) को दो और वंचित बहुजन अघाड़ी को एक सीट मिली।

नाराज उम्मीदवारों ने सीएम से कहा है कि वे पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो समाज से जुड़े हुए हैं। लेकिन नवनीत राणा ने खुलेआम पार्टी को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राणा को पार्टी से नहीं निकाला गया, तो वे भविष्य में अमरावती शहर में पार्टी की मौजूदगी को खत्म कर देंगी। फिलहाल इस पर नवनीत राणा ने कोई जवाब नहीं दिया है।

'मुंबईवासियों की उम्मीदें पूरी करना बड़ी जिम्मेदारी' सीएम उमर ने भाजपा की जीत पर दी प्रतिक्रिया

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब मुंबई के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लंबे समय बाद बीएमसी चुनाव हुए हैं और हर चुनाव में किसी की जीत होती है तो किसी की हार। उन्होंने कहा कि इस बार सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली भाजपा पर अब यह जिम्मेदारी है कि वह मुंबईवासियों की अपेक्षाओं को पूरा करे। मुख्यमंत्री ने मुंबई में हुए बुनियादी ढांचे के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने खुद कभी मुंबई में तीन साल तक रहकर शहर को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि पहले यह कल्पना करना भी मुश्किल था कि कोस्टल रोड जैसी बड़ी परियोजना बनेगी, लेकिन आज यह हकीकत है। अगर इसी तरह के और विकास कार्य किए जाते हैं तो इसका सीधा फायदा मुंबई के नागरिकों को मिलेगा।

लोकतंत्र आईसीयू में है, महाराष्ट्र चुनाव पर मनोज झा बोले संस्थानों से निष्पक्षता की उम्मीद अब पुरानी हो गई है

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बयान पर आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि हमारी चुनावी लोकतंत्र अब वैसा नहीं रहा जैसा इसकी कल्पना की गई थी। इस गिरावट का सिर्फ़ एक कारण नहीं है। जिन संस्थानों से निष्पक्षता की उम्मीद थी। वे अब पुरानी बात हो गई हैं। लोग अब पक्षपाती लगते हैं। लोकतंत्र को आईसीयू में भर्ती करने के लिए किसी औपचारिक घोषणा की ज़रूरत नहीं होती। उन्होंने कहा कि इन हालात में यह अपने आप उस स्थिति में चला जाता है। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) चुनावों के बाद अपने पहले पब्लिक भाषण में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि बीजेपी जमीन पर शिवसेना को खरीद नहीं पाई। सभी तरीके अपनाने के बावजूद शिवसेना को खत्म नहीं कर सकती। मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि मुंबई ने धोखे से चुनाव जीता, मराठी मानुष इस पाप को माफ नहीं करेगा। उद्धव ठाकरे ने कहा था कि बीजेपी और हमारे बीच साफ अंतर है। शिवसेना को कागजों पर टारगेट किया गया होगा, लेकिन कोई भी इसे लोगों के दिलों से मिटा नहीं सकता। धोखेबाजों को पैसे, दबाव, एजेंसियों और चालों से खरीदा जा सकता है, लेकिन वफादारी कभी बिकती नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी अब पहले से कहीं ज़्यादा है। इससे पहले, शिवसेना (यूबीटी) ने नतीजों के बाद सोशल मीडिया पर अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। यह तब तक जारी रहेगी जब तक मराठी व्यक्ति को वह सम्मान नहीं मिल जाता जिसका वह हकदार है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 19 जनवरी, 2026 3

सुविचार: मंजिल पर पहुंचना है तो राहो में कांटों से मत घबराना क्योंकि कांटे ही कदमो की रफ़्तार बढ़ा देते है!

सीएम ने ट्रैफिक समस्याओं के समाधान के लिए युवा आईपीएस अधिकारियों की तैनाती की योजना बनाई

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और विशेष रूप से ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में ट्रैफिक जाम जैसी प्रमुख सार्वजनिक समस्याओं के समाधान के प्रयास में मुख्यमंत्री ने युवा आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है। सरकार की नागरिक प्रशासन सुधार की प्राथमिकता के तहत किए गए कल के स्थानांतरण का उद्देश्य शहरवासियों को प्रभावित करने वाली ट्रैफिक समस्याओं के दीर्घकालिक और स्थायी समाधान खोजना है।

युवाओं और गतिशील आईपीएस अधिकारियों, जिनके पास प्रमाणित फील्ड अनुभव है, को महत्वपूर्ण ट्रैफिक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं ताकि जमीन स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। कार्यालय संभालने के बाद, माननीय मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य में साइबर अपराध और मादक पदार्थ तस्करी पर सख्ती से नियंत्रण रखा जाए। जबकि इन पहलों को पूरी ताकत से आगे बढ़ाया जा रहा है, अब विशेष ध्यान ट्रैफिक नियमन और प्रवर्तन को मजबूत करने की दिशा में दिया गया है। स्थानांतरण का उद्देश्य हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोण्डा पुलिस कमिश्नरेट्स में, ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के दायरे में, और नव स्थापित फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट में ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना है। जिन अधिकारियों ने जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में प्रभावी प्रदर्शन किया है, उन्हें शहरी कमिश्नरेट्स में उप पुलिस आयुक्त (डीसीपी) ट्रैफिक के रूप में तैनात किया गया है। अविनाश कुमार, पूर्व एएसपी, कोत्तागुड़ेम (ऑपरेशंस), को डीसीपी, ट्रैफिक-I, हैदराबाद (खैरताबाद और सिकंदराबाद ज़ोन) के रूप में तैनात किया गया। काजल, पूर्व एएसपी, उत्कनूर, को डीसीपी, ट्रैफिक-II, हैदराबाद (गोलकोंडा और ज्यूबिली हिल्स ज़ोन) के रूप में तैनात किया गया। एस. शेषाद्रि रेड्डी, पूर्व एएसपी, जगतियाल, को डीसीपी, ट्रैफिक-II, साइबराबाद (कुकटपल्ली और कुतुबुल्लापुर ज़ोन) के रूप में तैनात किया गया। कंकणाला राहुल रेड्डी, पूर्व एएसपी, भोंगिर, को डीसीपी, ट्रैफिक-I, मल्काजगिरी कमिश्नरेट के रूप में तैनात किया गया। शिवम उपाध्याय, अतिरिक्त एएसपी, मुलुगु (ऑपरेशंस), को डीसीपी (ट्रैफिक), फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट में नियुक्त किया गया। जी. चंद्रना दीप्ति (डीआईजी, रेलवे), को फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन और ट्रैफिक) के रूप में तैनात किया गया। इसके अतिरिक्त, बी.के. राहुल हेगड़े, पूर्व डीसीपी, ट्रैफिक, हैदराबाद, को डीसीपी, ट्रैफिक-III, फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट (चारमीनार, राजेंद्रनगर और शमशाबाद ज़ोन) में स्थानांतरित किया गया, जबकि जी. रंजन रतन कुमार, पूर्व डीसीपी , ट्रैफिक, साइबराबाद, को डीसीपी, ट्रैफिक-I, फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट (सेरिलिंगमपल्ली ज़ोन) में तैनात किया गया। अभिषेक मोहंती को राज्य में अवैध गतिविधियों जैसे रेत तस्करी को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और सरकारी राजस्व की सुरक्षा के लिए उप निरीक्षक जनरल, निगरानी और प्रवर्तन के रूप में नियुक्त किया गया है। हालिया स्थानांतरण मुख्यमंत्री के अनुभव और युवा ऊर्जा को संयोजित करने के संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, जिससे पुलिसिंग की दक्षता बढ़ाने की उम्मीद है। इस कदम ने पुलिस जगत में काफी चर्चा पैदा की है और इसके माध्यम से पूरे राज्य में ट्रैफिक प्रबंधन और सार्वजनिक सेवा वितरण को मजबूती मिलने की संभावना है।

रेवंत रेड्डी ने नर्सिंग छात्रों के लिए विदेशी भाषा प्रशिक्षण सुविधा की घोषणा की

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा में छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विदेशी भाषा कौशल पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार उन छात्रों को जापानी, कोरियाई और जर्मन भाषाएं सिखाने की सुविधा प्रदान करेगी, जो नर्सिंग क्षेत्र में विदेशी नौकरियों की इच्छा रखते हैं। रेवंत रेड्डी ने रविवार को खम्मम के नर्सिंग कॉलेज के छात्रों से बातचीत के दौरान कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी में नर्सों की मांग बहुत अधिक है। अपने विदेश दौरे के दौरान, रेवंत रेड्डी ने कहा कि कई लोगों ने हमारे नर्सों की सेवाओं की सराहना की। उन देशों में अवसर पाने में मदद करने के लिए, सरकार नर्सों और एडुलापुरम नर्सिंग कॉलेज के छात्रों को जापानी, जर्मन और कोरियाई भाषाओं में प्रशिक्षण सुविधा प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और डॉक्टर भगवान के बाद हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि तेलंगाना की नर्सें राज्य की प्रतिष्ठा को विश्व स्तर पर और बढ़ाएंगी।

बुद्धिजीवियों और शिक्षित वर्ग को राजनीति में आगे आना होगा : रामचंदर राव

कई प्रमुख लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में रविवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब प्रख्यात चिकित्सक डॉ. साई चंद्र के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्टों, पैरामेडिकल विशेषज्ञों तथा फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में कार्यरत कई प्रमुख लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव की उपस्थिति में सभी नए सदस्यों का पार्टी दुपट्टा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विधायक पायडी राकेश रेड्डी, एमएलसी अंजी रेड्डी, भाजपा के वरिष्ठ नेता, रंगा रेड्डी (शहरी) जिला अध्यक्ष वणिपल्ली श्रीनिवास रेड्डी, मेडचल (शहरी) जिला कन्वीनर डॉ. मल्लारेड्डी, माधवरम कांथाराव, डॉ. राजशेखर रेड्डी, पूर्व विधायक गुव्वला बालराज सहित कई अन्य प्रमुख नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने पार्टी में शामिल हुए सभी डॉक्टरों, पैरामेडिकल विशेषज्ञों और फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के प्रतिनिधियों का नाम लेकर अभिवादन किया और भाजपा में उनका हृदय से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज भारतीय राजनीति में शिक्षित, बुद्धिजीवी और जिम्मेदार लोगों के आगे आने की अत्यंत आवश्यकता है। पहले राजनीति को केवल धनबल, बाहुबल या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों तक सीमित माना जाता था, लेकिन अब वह धारणा बदल रही है। विशेष रूप से आज की युवा पीढ़ी, नेक्स्ट जेनरेशन और जेन-ज़ी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की विचारधारा से आकर्षित हो रही है। उन्होंने कहा कि आज का युवा यह सोचने लगा है कि देश को सुरक्षित कौन रख सकता है, समस्याओं का समाधान कौन कर सकता है और देशविरोधी ताकतों से कैसे निपटा जाए। हाल के दिनों में कुछ विश्वविद्यालयों में देशद्रोहियों का महिमामंडन, न्याय व्यवस्था का अपमान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां तथा आरएसएस के प्रति नफरत भरे बयान देश को झकझोरने वाले हैं।

पिता ने दिव्यांग बेटे की हत्या कर की आत्महत्या

मंचेरियल, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जनाराम मंडल के रामपुर गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने नौ वर्षीय दिव्यांग बेटे की गला काटकर हत्या कर दी और फिर उसी तरीके से आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, पलागनी भूमैया ने अपने पोलियो पीड़ित बेटे कार्तिक की हत्या करने के बाद अपनी गर्दन काटकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि वह अपने बेटे की लंबे समय से चली आ रही बीमारी और उसकी खराब शारीरिक स्थिति को लेकर मानसिक रूप से काफी परेशान था। दोनों के शव घर में खून से लथपथ हालत में मिले। घटना की जानकारी मिलने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। भूमैया के परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं। पुलिस का कहना है कि वह लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण अवसाद में था। मामले की जांच जारी है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक गंभीर

जगतियाल, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार शाम जगतियाल के पास हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब पीड़ितों को ले जा रही तेज रफ्तार कार पहले एक बिजली के खंभे से टकराई और फिर सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। दुर्घटना में नवनीत और साईतेजा की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि सृजन गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया गया है कि तीनों युवक हैदराबाद में पढ़ाई करते थे और संक्रांति पर्व मनाने के लिए अपने पैतृक शहर जगतियाल आए थे। जगतियाल ग्रामीण मंडल के पोरंडला में एक पार्टी में शामिल होने के बाद लौटते समय यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत जगतियाल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही नवनीत और साईतेजा ने दम तोड़ दिया। सृजन का अस्पताल में इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध रूप से सक्रिय किए गए 184 सिम कार्डों के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद सिटी सीसीएस की स्पेशल क्राइम टीम की बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्पेशल क्राइम टीम, सीसीएस, डिटेक्टिव डिवीजन, हैदराबाद सिटी ने नंपल्ली पुलिस के सहयोग से बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से सक्रिय किए गए सिम कार्डों के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई विश्वसनीय सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 184 अवैध रूप से सक्रिय सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनमें 150 एयरटेल और 34 जियो सिम शामिल हैं। इसके अलावा 4 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में नानेवथ दिनेश कुमार नायक, निवासी भद्रीपल्ले, कड़पा जिला, आंध्र प्रदेश, पारनपल्ली साई प्रदीप, निवासी प्रोद्दातूर, कड़पा जिला, आंध्र प्रदेश शामिल है। पुलिस के अनुसार पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में सिम वितरण केंद्र चला रहे थे। वे उन ग्राहकों के नाम पर अवैध रूप से नए एयरटेल सिम कार्ड सक्रिय कर रहे थे, जो उनके केंद्र पर वोडाफोन-आइडिया सिम खरीदने आते थे। आरोपियों द्वारा ग्राहकों को बिना जानकारी दिए उनके केवाईसी दस्तावेजों और फिंगरप्रिंट का दुरुपयोग किया जा रहा था। अवैध रूप से सक्रिय किए गए इन सिम कार्डों को ऊँचे दामों पर बेचने के उद्देश्य से आरोपी हैदराबाद आए थे। इसी दौरान स्पेशल क्राइम टीम ने उन्हें पकड़ लिया। यह पूरी कार्रवाई निरीक्षक डी. भिक्षापति, स्पेशल क्राइम टीम द्वारा अपने स्टाफ के साथ, एसीपी जी. वेंकटेश्वर रेड्डी के पर्यवेक्षण में की गई। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई हेतु नामपल्ली पुलिस थाना को सौंप दिया गया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नए सिम कार्ड खरीदते समय या केवाईसी अपडेट कराते समय केवल अधिकृत नेटवर्क स्टोर या केंद्रों का ही चयन करें और अपने व्यक्तिगत विवरणों के दुरुपयोग से सतर्क रहें।

सिकंदराबाद नगर निगम की मांग पर अडिग तलसानी

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपना रुख और कड़ा करते हुए कहा कि सिकंदराबाद नगर निगम के अलग गठन की मांग तब तक जारी रहेगी, जब तक यह पूरी नहीं हो जाती। उन्होंने साफ कहा कि पुलिस केस और गिरफ्तारियां इस आंदोलन को नहीं रोक पाएंगी। रविवार को पश्चिम मारेडपल्ली स्थित अपने कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस ने पहले शांतिपूर्ण रैली की अनुमति दी थी, लेकिन देर रात अचानक इसे रद्द कर दिया गया। पुलिस ने गिरफ्तारियों और धमकियों के जरिए आंदोलन को रोकने की कोशिश की, लेकिन इससे प्रदर्शनकारियों का हौसला और मजबूत हुआ है।

तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि सिकंदराबाद का 220 वर्ष पुराना समृद्ध इतिहास और विरासत है, जो यहां के लोगों की पहचान और आत्मसम्मान से जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मलकाजगिरि नगर निगम में विलय कर सिकंदराबाद की पहचान मिटाना चाहती है, जिसका वे विरोध करते रहेंगे।

पूर्व मंत्री ने रेवंत रेड्डी सरकार पर तुगलकी फैसले लेने और भ्रामक नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मलकाजगिरि नगर निगम का गठन किया गया, लेकिन सिकंदराबाद को नगर निगम का दर्जा नहीं दिया गया। उन्होंने कांग्रेस पर पिछले दो वर्षों में राज्य के विकास के लिए कुछ भी ठोस न करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने घोषणा की कि अदालत से आवश्यक अनुमति मिलने के बाद फरवरी के पहले सप्ताह में हजारों लोगों के साथ एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी। साथ ही उन्होंने समान विचारधारा वाली सभी पार्टियों और संगठनों से आंदोलन में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि सरकार की धमकियां उन्हें डरा नहीं सकतीं।

NOTICE FOR REGISTRATION OF POLITICAL PARTY

NOTICE FOR REGISTRATION OF POLITICAL PARTY WITH TSEC
(Published as per the direction of Telangana State Election Commission)
Date: 18-01-2026

Notice is hereby given to the general public that Sri/Smt/Kum SUNIL JADAV (State President) President/General Secretary intends to register a political party under the name and style of NATIONALIST CONGRESS PARTY (N.C.P) (Name of the Party) which is a recognized National /Recognised State Party in the State of Telangana / Recognised State Party in other States of TELANGANA by ECI, with reserved symbol of CLOCK (Name of the Symbol) in those States and to reserve to that Party the same Symbol of CLOCK (Name of the Symbol) under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols order, 2018. The main office bearers of the Party are 1) Sri/Smt/Kum SUNIL JADAV (State President), 2) Sri/Smt/Kum. CHEPYALA RAMA DEVI (State Gen- Secretary) 3) Sri/Smt/Kum SWAPNA JADAV (State Vice President) 4) Sri/Smt/Kum LAXMI JADAV (State Treasurer) State Office Address: 1-1-1/389, Sunil Jadav Chowrastha, New Housing Board Colony, Vinayak Nagar, Nizamabad South Mandal, Nizamabad District -504103, Telangana, India. Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1 Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad-500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the commission will process to register NATIONALIST CONGRESS PARTY (N.C.P) (Name of the Party) as a Political Party and allot the Symbol CLOCK (Name of the Symbol) to it to contest in election to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

SUNIL JADAV
Telangana State President
NATIONALIST CONGRESS PARTY
(N.C.P) (Name of the Party)

उत्तम कुमार रेड्डी ने मुननेरु-पालेरू लिंक नहर परियोजना के शीघ्र पूर्ण होने का किया वादा

खम्मम, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार की किसान समर्थक नीति को दोहराते हुए सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को मुननेरु-पालेरू लिंक नहर परियोजना को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना जनवरी 2027 तक पूरी कर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा इसका उद्घाटन कराया जाएगा।

खम्मम में मुख्यमंत्री द्वारा 162.54 करोड़ रुपये की इस परियोजना का शिलान्यास किए जाने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने इसे कम लागत, अधिक लाभ वाली ऐतिहासिक योजना बताया। यह गुरुत्वाकर्षण आधारित परियोजना मुननेरु नदी के अतिरिक्त बाढ़ जल को 9.6 किलोमीटर लंबी लिंक नहर के माध्यम से पालेरू जलाशय तक पहुंचाएगी, जो अब तक व्यर्थ समुद्र में चला जाता था। मंत्री ने कहा कि यह परियोजना नागार्जुनसागर परियोजना (एनएसपी) की लेफ्ट कैनाल के अंतर्गत खम्मम जिले में 1.38 लाख एकड़ और सूर्यपेट जिले में 40,000 एकड़ भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा देगी। साथ ही एसआरएसपी फेज-2 जैसी योजनाओं को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में हर साल 120 करोड़ रुपये की बिजली बचत होगी। पालेरू के नीचे स्थित मौजूदा जलविद्युत संयंत्र से 2 मेगावाट बिजली उत्पादन भी होगा।

एसआईटी गठन की मांग की

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी देशपति श्रीनिवास ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आंध्र ज्योति अखबार में वेमुरी राधाकृष्ण द्वारा प्रकाशित रिपोर्टों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की चुनौती दी। श्रीनिवास ने कहा कि कांग्रेस सरकार की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया नरम और चुनिंदा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री, जिन्होंने एनटीवी चैनल की रिपोर्ट की तुरंत जांच के लिए एसआईटी गठित की थी, आंध्र ज्योति के मामले में ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं और आरोप लगाने से पहले राधाकृष्ण से स्पष्टीकरण क्यों मांग रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, यदि सरकार में वास्तव में ईमानदारी है, तो बहाने बनाने के बजाय एसआईटी का गठन करके दोषियों को सजा देनी चाहिए। एमएलसी ने पूर्ण और निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई।

नौवी पुण्यतिथि

: स्वर्गवास : 19.01.2017

स्व.श्री मांगीलालजी हाम्बड़
(पूर्व उपाध्यक्ष: सीरवी समाज करमनघाट)
:सुपुत्र: स्व. श्री फुसारामजी (बांता रघुनाथगढ़)

जीवन के हर पल मे, आपकी कमी महसूस करते है हम।
पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : खेताराम, बुधाराम (भाई), मांगीदेवी (धर्मपत्नी), अशोक, नरेश, प्रवीण (पुत्र), हन्जाबाई-आदारामजी (बहन-बहनोई), नथाराम, अमरराम, लालाराम, गणेश, दिनेश, अशोक (भतीजे)
एवं समस्त हाम्बड़ परिवार

-------: फर्म :-------
* महालक्ष्मी ट्रेडर्स * पुजा ईलेक्ट्रीकल-हस्तीनापुरम
* महालक्ष्मी ईलेक्ट्रीकल-सनतनगर
9704629980, 8790776272, 9246873849, 9704629975

P.Solankey

श्री आईमाताय नमः श्री गणेशाय नमः श्री खेतलाजी नमः

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुड़ा वडेर
के तत्वावधान में

माही सुदी बीज महोत्सव

: शुभस्थल : श्री आईमाताजी मंदिर (वडेर) करमनघाट (अलमासगुड़ा), हैदराबाद

: कार्यक्रम :

आज सोमवार दि.19 जनवरी 2026
रात्रि 8.15 बजे से जागरण एवं बोलियों का कार्यक्रम
(भजन गायिका कविता पंवार पाली)

कल मंगलवार दि.20.01.2026
* प्रातः 10.15 बजे से पूजा-अर्चनाकर महाआरती
* प्रातः 11.15 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम * 12.30 बजे से भोजन-प्रसादी
* माही सुदी बीज के लाभार्थी परिवार: स्व.श्रीमती दाखूबाई-स्व.श्री वरदारामजी आगलेचा, रुपाराम, डूंगाराम, दिलीप सुपुत्र : स्व.श्री वरदारामजी आगलेचा, दिनेश, सुरेश, राजेश, जितेन्द्र, यश एवं समस्त आगलेचा परिवार
: फर्म : तिरुमला एजेंसी R.C.I. रोड़, बालापुर

: निवेदन : समाज बन्धुओं व भक्तों से विनम्र निवेदन है सपरिवार पधारकर दर्शन, कार्यक्रम व महाप्रसादी का लाभ लेवे
नोट: कृपया 20 जनवरी को अपने प्रतिष्ठान बंद रखे

: निवेदक : समस्त कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट (अलमासगुड़ा)

अध्यक्ष: प्रकाश आगलेचा 9177167753
सचिव: पुखराज चोयल 9948282401

P.Solankey

बिहार के जज की पत्नी को झारखंड में मारी गोली

पटना, 18 जनवरी (एजेंसियां)। समस्तीपुर कोर्ट में तैनात जज संतोष कुमार साह की पत्नी की झारखंड में गोली मारी गई है। वारदात को अंजाम झारखंड के गोड्डा में दिया गया है।
संतोष कुमार साह और वंदना के बीच गोड्डा कोर्ट में तलाक का केस चल रहा है। वंदना का कहना है कि,वो अदालत से लौट रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उसका पीछा किया और अचानक फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वंदना सड़क पर गिर पड़ी, जबकि हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक गोली मारने वालों में महिला के दो देवर भी शामिल हैं।
स्थानीय लोगों ने घायल महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन महिला की हालत को देखते हुए उसे भागलपुर के मायागंज अस्तपताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार वंदना कुमारी हनवारा थाना क्षेत्र के पुराना गांव की रहने वाली है। वह अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराई हुई है, जिसकी सुनवाई गोड्डा कोर्ट में चल रही है।

क्या आरजेडी सुप्रीमो का पद छोड़ेंगे लालू?

किसके हाथों होगी पार्टी की कमान? 25 को हो जाएगा फैसला

पटना, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में लालू प्रसाद यादव की जगह छोटे बेटे तेजस्वी यादव को मिल सकती है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि उन्हें आरजेडी का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। 25 जनवरी को पार्टी की अहम बैठक बुलाई गई है, जिसमें यह फैसला लिए जाने की संभावना है। बड़े बदलाव की वजह लालू यादव की बिगड़ती तबीयत है। सूत्रों का कहना है कि उनकी तबीयत को देखते हुए पार्टी नेतृत्व में बदलाव होने के संकेत हैं।
पिछले कुछ समय से लालू प्रसाद यादव की तबीयत पार्टी नेतृत्व के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। किडनी ट्रांसप्लांट और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वह सक्रिय राजनीति से काफी हद तक दूर हैं। ऐसे में पार्टी के रोजमर्रा के फैसले और रणनीतिक जिम्मेदारियां संभालने के लिए एक मजबूत और सक्रिय नेतृत्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसी क्रम में तेजस्वी यादव का नाम सबसे आगे है, जो पहले से ही नेता प्रतिपक्ष और पार्टी के प्रमुख चेहरे के तौर पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

पार्टी बनने से अब तक लालू यादव के हाथ ही रही कमान

लालू प्रसाद यादव आरजेडी के संस्थापक अध्यक्ष बने 5 जुलाई 1997 में, जब उन्होंने जनता दल से अलग होकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का गठन किया था। तब से वे लगातार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (सुप्रीमो) रहे हैं। आरजेडी के प्रवक्ता या राष्ट्रीय कार्यकारिणी में समय-समय पर अन्य वरिष्ठ नेताओं को पदों पर नियुक्त किया जाता रहा है (जैसे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महासचिव वगैरह), लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अब तक केवल लालू प्रसाद यादव ही रहे हैं। लालू प्रसाद यादव को 13 बार पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जा चुका है।

तेजस्वी ने चुनाव में किया नेतृत्व

तेजस्वी यादव ने हाल के वर्षों में संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ चुनावी मैदान में भी पार्टी का नेतृत्व किया है। बिहार विधानसभा चुनावों में आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, लेकिन बुरी हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद तेजस्वी की अगुवाई में पार्टी ने युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों को केंद्र में रखकर मजबूत चुनाव लड़ा था। हालांकि, 25 जनवरी को होने वाली मीटिंग में ही स्पष्ट हो सकेगा कि पार्टी यह फैसला लेती है या नहीं।

सासाराम स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई कालका मेल से 311 जिंदा कछुए बरामद

सासाराम, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

रेलवे स्टेशन सासाराम पर आरपीएफ ने मध्यरात्रि वन्यजीव तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में जिंदा कछुओं की खेप को बरामद किया है। आरपीएफ ने तस्करी के लिए ले जा रहे कछुओं की खेप को गाड़ी संख्या 12312 कालका मेल से गुप्त सूचना के आधार पर बरामद किया है। मामले में आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि आरपीएफ को सूचना मिली कि कालका से हावड़ा जाने वाली कालका मेल ट्रेन के जनरल कोच में बड़ी संख्या में कछुओं की तस्करी की जा रही है।
सूचना मिलते हीं आरपीएफ टीम को अलर्ट किया गया और सासाराम स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही सघन जांच अभियान चलाया गया। वहीं आरपीएफ ने जब कालका मेल के जनरल कोच की तलाशी ली, तो सीट के नीचे छुपाकर रखे गए 11 बोरों पर शक हुआ। इसके बाद इन बोरों को प्लेटफॉर्म पर उतारकर खोला गया तो सभी के होश उड़ गये। सभी बोरियों में जिंदा कछुए पाए गए, जिनकी संख्या कुल 311 बताई गई। आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने यह भी बताया कि कछुओं को बेहद अमानवीय तरीके से बोरों में ठूंस-ठूंस कर रखा गया था, जिससे उनकी जान को खतरा था। उन्होंने कहा कि फिलहाल मामला दर्ज कर पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कछुए कहां से लाए गए और इन्हें कहां पहुंचाया जाना था। साथ हीं तस्करों की पहचान एवं गिरफ्तारी को लेकर जांच जारी है।

मनरेगा पर चौपाल-एसआईआर पर संदेश

20 जनवरी को राहुल गांधी जाएंगे रायबरेली, ऐसा है पूरा कार्यक्रम

रायबरेली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी 20 जनवरी को अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान राहुल विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। साथ ही रायबरेली में मनरेगा और 'एसआईआर' कार्यक्रमों पर पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को मैसेज देंगे। लोकसभा में नेता विपक्ष के तौर पर वह इस दिन चौपाल और क्लोज डोर जनता दर्शन के जरिए जनता से संवाद करेंगे। राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र सीधे केरल से पहुंचेंगे। इसके बाद वह दिल्ली वापस लौटेंगे। हालांकि राहुल गांधी के इस दौरे को लेकर अब तक आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन, माना जा रहा है कि राहुल अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचेंगे।

कैसा रहने वाला है राहुल गांधी का पूरा कार्यक्रम?

राहुल गांधी 20 जनवरी को मनरेगा और एसआईआर को लेकर अपने लोकसभा क्षेत्र में जाकर मैसेज देना चाहते हैं। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को मैसेज दिया जाएगा। राहुल अपने कार्यकर्ताओं को मैसेज दे सकते हैं कि मनरेगा और एसआईआर पर सभी कांग्रेसी गंभीरता से पार्टी के दिये कार्यक्रम करें। इसलिए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी इन मुद्दों पर 20 जनवरी को बतौर सांसद रायबरेली में चौपाल करेंगे। इसके अलावा उनका क्लोज डोर जनता दर्शन का भी कार्यक्रम रहेगा। 19 को केरल दौरे से सीधे राहुल यूपी जाएंगे। फिर 20 को ये कार्यक्रम अटेंड करके दिल्ली लौट आएंगे।

राहुल का छठा रायबरेली दौरा

साल 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी अब तक 5 बार अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं। अगर उनका यह ताजा शेड्यूल फॉलो किया जाता है तो उनका यह रायबरेली का छठा दौरा होगा। इससे पहले राहुल 10 और 11 सितंबर 2025 को रायबरेली का दो दिवसीय दौरा कर चुके हैं। उस दौरान विकास की योजनाओं को जानने के लिए दिशा समिति की बैठक में भी शामिल हुए थे।

अयोध्या जाएंगे राहुल?

राहुल गांधी के यूपी दौरे को लेकर ऐसा भी कहा जा रहा है कि राहुल अयोध्या भी जा सकते हैं। हालांकि न तो अब तक किसी कांग्रेस के नेता ने इस बार की पुष्टि की है और न ही किसी पदाधिकारी की तरफ से ऐसा कुछ कहा गया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि राहुल गांधी अयोध्या जा सकते हैं। यही वजह है कि इस दौरे पर हर किसी की नजर टिकी हुई है।

देवर-भाभी का चल रहा था चक्कर, पत्नी ने उठाया डरावना कदम, अब भागते फिर रहे ससुराल वाले

औरंगाबाद, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के औरंगाबाद में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। यहां लालू यादव नाम के शख्स का भाभी से अफेयर चल रहा था। इस बात की भनक लगते ही पत्नी ने विरोध किया। वह थाने तक जा पहुंची, लेकिन सुलह नहीं हो सकी। ठीक चार दिन बाद घर में महिला का शव फंदे से झूलता मिला। ससुराल वाले फरार हैं। मायके वालों ने मर्डर के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना औरंगाबाद जिले के गोह थाना क्षेत्र चमनपुरा गांव का है। एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने महिला का शव फंदे से झूलती अवस्था में बरामद किया है। मृतका की पहचान संजू देवी के रूप में हुई है,

चर्चित कथावाचक श्रवण दास गिरफ्तार, शादी का झांसा देकर यौन शोषण और गर्भपात कराने का आरोप

दरभंगा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा जिले में एक चर्चित कथावाचक के खिलाफ गंभीर यौन शोषण का मामला सामने आया है। मिथिलांचल में प्रवचनों के लिए प्रसिद्ध श्रवण दास महाराज को महिला थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह मामला आस्था और विश्वास की आड़ में हुई कथित धोखाधड़ी का है, जिसने इलाके में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण! पीड़िता की मां के आवेदन पर महिला थाना में थाना कांड संख्या 182/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप है कि श्रवण दास ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर पिछले करीब एक साल तक लगातार शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई, जिसके बाद आरोपी ने जबरन गर्भपात कराने का भी आरोप लगा है। पीड़िता मानसिक और सामाजिक रूप से बुरी तरह प्रताड़ित होती रही। वायरल वीडियो ने बढ़ाईं मुश्किलें मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब सोशल मीडिया पर कथावाचक और पीड़िता की कथित शादी का एक वीडियो वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने इसे असली शादी माना, लेकिन आरोपी ने बाद में इस शादी को पूरी तरह झूठ करार दिया और पीड़िता को पत्नी के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसी धोखे के बाद पीड़िता ने कानून का सहारा लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने साक्ष्यों की जांच की।

स्कूल में महिला टीचर ने किया सुसाइड पति ने स्टाफ पर लगाए गंभीर आरोप

बाराबंकी, 18 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के हरख विकासखंड स्थित कंपोजिट स्कूल उदवापुर में शनिवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूल परिसर के अंदर ही एक महिला टीचर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान उमा वर्मा (40) के रूप में हुई है, जो इसी स्कूल में असिस्टेंट टीचर के पद पर कार्यरत थीं। घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल स्टाफ, गांव वालों और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूल में ही टीचर उमा का शव फंदे से लटका मिला। इसकी सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से लोग मौके पर पहुंच गए और बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई। स्कूल प्रशासन ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। सूचना पर सतरिख थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बताया गया है कि टीचर उमा वर्मा दो बच्चों की मां थीं और अपने परिवार के साथ जिले के जलालपुर गांव में रहती थीं। उनके पति ऋषि वर्मा भी शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं और सिद्धौर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय टेण्ड़वां गांव में असिस्टेंट टीचर के पद पर तैनात हैं। घटना के बाद इलाके में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

गयाजी से चार छात्राएं रहस्यमय तरीके से लापता, मैट्रिक एडमिट कार्ड लेने गई थीं स्कूल

गयाजी, 18 जनवरी (एजेंसियां)। गयाजी से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां मैट्रिक परीक्षा का एडमिट कार्ड लेने स्कूल गई चार छात्राएं अचानक लापता हो गईं। छात्राओं के घर न लौटने पर परिजनों में हड़कंप मच गया, जिसके बाद स्थानीय थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई है और छात्राओं की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।
मिली जानकारी के मुताबिक बीते दिन गयाजी शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र से मैट्रिक का एडमिट कार्ड लेने घर से निकली चार छात्राएं अचानक लापता हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। उक्त मामले को सीनियर एसपी सुशील कुमार ने गंभीरता से लिया है। चारों छात्राएं को शीघ्र खोजबीन करने के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है।

हाईकोर्ट से रेप और पॉक्सो एक्ट के आरोपी बरी

मेडिकल साक्ष्य से अभियोजन कहानी खारिज, पीड़िता के बयानों में विरोधाभास

प्रयागराज, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुज़फ्फरनगर पुरकाजी थाने के रेप एवं पॉक्सो एक्ट के आरोपी की ट्रायल कोर्ट से दोषसिद्धि को निरस्त कर दी है। कोर्ट ने अभियोजन साक्ष्यों को अविश्वसनीय पाते हुए आरोपी बंशी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। साथ ही किसी अन्य मामले में वांछित न होने पर अविलंब रिहा करने का निर्देश दिया।
कोर्ट ने कहा कि यह स्थापित कानून है कि जहां गवाहों की मौखिक गवाही कोर्ट का विश्वास जीतती है तो चिकित्सा साक्ष्य को खारिज किया जा सकता है। लेकिन जहां चिकित्सा साक्ष्य अभियोजन पक्ष के मामले को पूरी तरह खारिज करता है तो मौखिक गवाही को खारिज किया जा सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्र प्रथम की

खंडपीठ ने बंशी की अपील पर उसके अधिवक्ता और सरकारी वकील को सुनने के बाद दिया है। अपील के तथ्यों के अनुसार ट्रायल कोर्ट ने बंशी को आईपीसी की धारा 363, 366, 376-डी और पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास सहित विभिन्न सजा सुनाई थीं। अपील में अभियुक्त के अधिवक्ता ने अभियोजन की खामियों को प्रस्तुत किया। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि पीड़िता की चिकित्सकीय रिपोर्ट के अनुसार वह लगभग 21 सप्ताह से अधिक गर्भवती पाई गई, जो अभियोजन द्वारा बताई घटना की तिथियों से पूर्व का सिद्ध हो रहा है। ऐसे में चिकित्सकीय साक्ष्य अभियोजन कहानी का समर्थन नहीं करता। साथ ही एफआईआर, सीआरपीसी की धारा 161 व 164 और सेशन कोर्ट में पीड़िता के बयान में गंभीर विरोधाभास है। कोर्ट ने कहा कि घटनाओं की तिथि, स्थान और घटनाक्रम को लेकर एकरूपता के अभाव में पीड़िता की गवाही को पूर्णतः विश्वसनीय नहीं माना जा सकता। इसके अलावा ट्रायल कोर्ट का यह निष्कर्ष कि पीड़िता घटना के समय नाबालिग थी, विपरीत है। ट्रायल कोर्ट ने साक्षी संख्या दो के हाईस्कूल सर्टिफिकेट को स्कूल के दस्तावेजों में दर्ज जन्मतिथि को सत्यापित किए बिना स्वीकार किया है। जबकि यह स्थापित कानून है कि स्कूल द्वारा जारी ट्रांसफर सर्टिफिकेट जन्म तिथि का साक्ष्य नहीं है।
मामले में डीएनए या एफ एस एल रिपोर्ट का अभाव भी अभियोजन के लिए विपरीत जाता है। इस मामले में चिकित्सा साक्ष्य पूरी तरह अभियोजन पक्ष के मामले को खारिज करता है इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला निरस्त करते हुए किसी अन्य मामले में वांछित न होने पर अभियुक्त को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

एआर रहमान से मुलाकात करेंगी किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी, कहा- वो गलत आरोप नहीं लगा सकते

प्रयागराज, 18 जनवरी (एजेंसियां)। फिल्म संगीतकार एआर रहमान के भेदभाव वाले बयान को लेकर जहां सियासी कोहराम मचा हुआ है, वहीं देश की पहली किन्नर जगद्गुरु और कथावाचक हिमांगी सखी ने खुलकर उनका बचाव व समर्थन किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि एआर रहमान जैसे कलाकार कभी गलत आरोप नहीं लगा सकते हैं। उनके साथ जरूर कुछ ऐसा हुआ होगा, जिसकी वजह से उन्हें इतनी गंभीर बातें कहनी पड़ी हैं। देश की पहली किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी ने कहा कि वो जल्द ही एआर रहमान से मुलाकात करेंगी और उन्हें भरोसा दिलाएंगी। साथ ही उन्होंने इस मामले में सरकार से दखल देते हुए उचित कदम उठाए जाने की मांग भी की है। जगद्गुरु हिमांगी सखी ने कहा है कि एआर रहमान जैसे कलाकारों के साथ धार्मिक आधार पर भेदभाव एकदम गलत व निंदनीय है। उन्हें कहीं ना कहीं गहरी पीड़ा हुई होगी तभी उन्होंने इसे समाज के सामने जाहिर किया है। धार्मिक आधार पर भेदभाव पूरी तरह गलत है। मैं इसके खिलाफ हूं। कलाकार के साथ तो यह किसी कीमत पर नहीं होना चाहिए। रहमान जैसे कलाकारों की कद्र होनी ही चाहिए। जगद्गुरु हिमांगी सखी ने कहा है कि एआर रहमान ने जो आरोप लगाए हैं
उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उस पर ठोस कदम उठाकर सख्त संदेश दिया जाना चाहिए। हिमांगी सखी के मुताबिक वह पूरी तरह से एआर रहमान के समर्थन में हैं। उनका कहना है कि वह मुस्लिम है तो क्या हुआ। वह बहुत ही प्रतिष्ठित कलाकार हैं। उन्होंने वंदे मातरम जैसा गीत गाया है। उन्हें इंसाफ मिलना ही चाहिए। हिमांगी सखी ने यह भी कहा कि हर धर्म में कुछ गलत लोग होते हैं। सनातन धर्म भी इससे अछूता नहीं है। हिमांगी सखी ने दावा किया कि वह जल्द ही एआर रहमान से मुलाकात करेंगी और उन्हें अपना आशीर्वाद देंगी और साथ ही इस बात का भरोसा भी दिलाएंगी कि भारत देश के ज्यादातर लोग उनके संगीत की कद्र करते हैं।

'इंटरनेट से लड़कों के हार्मोन बढ़ते हैं, इससे रेप होता है'

कांग्रेस विधायक के बाद अब सपा नेता के बिगड़े बोल

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के महिलाओं और रेप को लेकर दिए गए विवादित बयान पर अभी विवाद थमा भी नहीं था कि अब समाजवादी पार्टी के एक नेता का बयान भी सुर्खियों में आ गया है। दोनों बयानों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है और अब भाजपा ने कांग्रेस और सपा पर एक साथ हमला बोला है। कांग्रेस नेता फूल सिंह ने दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय की महिलाओं को लेकर धृणित टिप्पणी की थी, जिसके बाद अब सपा नेता एसटी हसन ने रेप को लेकर बयानबाजी की। भांडेर से कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने एक इंटरव्यू में दलित, आदिवासी और ओबीसी समाज की महिलाओं को लेकर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनका बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे यह कहते सुने जा सकते हैं कि धर्मग्रंथों में लिखा है कि अगर कोई व्यक्ति तीर्थ यात्रा नहीं कर पाता, तो वह दलित, आदिवासी या ओबीसी वर्ग की महिला से शारीरिक संबंध बनाकर वही 'तीर्थ फल' प्राप्त कर सकता है। इस बयान के बाद कांग्रेस विधायक की चौतरफा आलोचना हो रही है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन का भी रेप को लेकर दिया गया बयान विवादों में आ गया है।

सपा सांसद ने मुख्य अतिथि ना बनाए जाने पर जताई नाराजगी तो पूर्व फईण के बेटे ने दी सफाई

बलिया, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

यूपी के बलिया से सपा सांसद सनातन पांडेय का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने यूपी सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर उर्फ दयालु मिश्र के लिए खुले मंच पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया है। सनातन पांडेय ने कहा, मन करता है कि मंत्री को मंच से नीचे फेंक दूं। सनातन पांडेय यहीं नहीं रुके बल्कि अधिकारियों को भी धमकाया। उन्होंने कहा, जो अधिकारी काम नहीं करेगा, वह जूता खाएगा। बलिया से सपा सांसद सनातन पांडेय रेल प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नहीं बनाए जाने से खफा थे। इसीलिए उन्होंने मुख्य अतिथि बनाए गए यूपी सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर उर्फ दयालु मिश्र के लिए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। सनातन पांडेय ने विवादित बयान देने के बाद कहा कि मुकदमा करना है तो कर दो, मैं झेलने के लिए तैयार हूं।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल बलिया के फेफना रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति के बाद दोनों ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के लिए सपा सांसद की जगह यूपी सरकार के मंत्री को मुख्य अतिथि बनाया गया था, जिससे सपा सांसद काफी नाराज थे। सनातन पांडेय ने कहा, मैं सरकार के सामने और सरकार के नुमाइंदों के सामने झुकने को तैयार नहीं हूं। सांसद ने कहा कि उन्होंने रेलवे के महाप्रबंधक गोरखपुर को फोन कर कहा है कि तुमको कानून दिखाना पड़ेगा, तुमको आदेश दिखाना पड़ेगा कि तुमने किसके आदेश से उत्तर प्रदेश के मंत्री को मुख्य अतिथि बनाने का काम किया। अगर नहीं दिखाओगे तो तुम से 2-2 हाथ करने को तैयार हूं।

बीजेपी से राज्यसभा सांसद ने दी सफाई

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे और बीजेपी से राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने इस मामले पर सफाई दी। उन्होंने कहा, रेलवे का कोई बड़ा कार्यक्रम आएगा तो उसके मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद ही होंगे। ये महज एक ठहराव था और रेल मंत्री द्वारा आयुष मंत्री को पत्र आया था, इसलिए उन्हें मुख्य अतिथि बनाया गया। हालांकि सीएम के साथ मीटिंग की वजह से आयुष मंत्री कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए।

पुलिस एनकाउंटर: धामी हत्याकांड के दो शूटर गिरफ्तार, पैरों में गोली लगने से घायल

जालंधर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। केसर धामी हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई करते हुए जालंधर रूरल पुलिस ने डरोली कलां क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद दो वांछित शूटरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने मौके से दो पिस्टल (.32 बोर), 03 जिंदा कारतूस, 03 खाली खोल और हत्या में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस जालंधर रूरल हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि 16 जनवरी 2026 को संत बाबा भाग सिंह यूनिवर्सिटी के पास केसर धामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसके संबंध में थाना आदमपुर में बीएनएस की धारा 103, 3(5) और आर्म्स एक्ट की धाराओं 25-54-59 के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी आदमपुर राजीव कुमार की निगरानी में कई विशेष पुलिस टीमें गठित की गईं। एसएसपी विर्क के अनुसार आज पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी हत्या के बाद छिपाए गए हथियार लेने के लिए संत बाबा भाग सिंह यूनिवर्सिटी के पास एक मोटर के नजदीक पहुंचने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर खुफिया ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक गोली पुलिस की स्कॉर्पियो गाड़ी को लगी।

जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों को घायल कर काबू कर लिया गया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव दविड़ा अहराना निवासी चंद्रशेखर और गांव डरोली कलां निवासी जसपाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है और उनसे आगे की पूछताछ के दौरान और खुलासों की उम्मीद जताई जा रही है।

आप सांसद संजय सिंह और कांग्रेस नेता पप्पू यादव के खिलाफ एफआईआर

मणिकर्णिका घाट विवाद में वाराणसी पुलिस का एक्शन

वाराणसी, 18 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मणिकर्णिका घाट के सौन्दर्यीकरण को लेकर अतिक्रमण तोड़े जाने के मामले में एआई जनरेटेड वीडियो और फोटो वायरल करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चेतावनी के बाद वाराणसी पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और चेतावनी जारी की है। इस कार्रवाई से सियासी माहौल और गर्म होने की संभावना बढ़ गयी है। पुलिस की एफआईआर में आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह, बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और जसविंदर कौर शामिल हैं। पुलिस की यह कार्रवाई सीएम योगी की चेतावनी के महज 24 घंटे के अन्दर ही सामने आ गयी है।

क्या है पूरा मामला ?

बता दें कि वाराणसी में राय अहिल्याबाई की प्रतिमा तोड़े जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसे स्थानीय प्रशासन ने नकार दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी पहुंचे और उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में स्पष्ट किया कि रानी अहिल्याबाई की प्रतिमा बिलकुल ठीक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और कुछ अन्य तत्व एआई जनरेटेड वीडियो बनाकर काशी को बदनाम कर रहे हैं।

वाराणसी पुलिस की चेतावनी

वाराणसी पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए चेतावनी जारी की है, इस मामले में आगे भी कोई भ्रामक खबर या एआई कंटेंट फैलाया गया तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि भ्रामक सूचनाओं पर यकीन न करें। एसीपी दशाश्वमेध घाट अतुल अंजान ने बताया कि सोशल मीडिया साइट एक्स पर अफवाह फैलाने के आरोप में 8 अलग-अलग मुकदमे दर्ज हुए हैं। थाना चौक में 8 व्यक्तियों को किया गया नामजद है। इन 8 व्यक्तियों में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी पदाधिकारीयो भी नामजद हैं। इन सभी पर बीएनएस की धारा 196, 298, 299 व 353 के तहत अभियोग दर्ज किया गया है।

इसके साथ ही धार्मिक भावनाएं भड़काने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप भी है। इस विवाद को तूल विपक्षी नेताओं ने दिया, जिसमे आरोप लगाया कि सरकार काशी की धरोहर को खंडित कर रही है। जिसमें मणिकर्णिका घाट पर कई मूर्तियों को तोड़ा गया है। जिस पर यूपी सरकार को बचाव में आना पडा। अब इस एफआईआर के बाद मामला और गरमाने की संभावना बढ़ गयी है। लेकिन अभी तक स्नाजय सिंह या पप्पू यादव की इस मामले कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है।

बाघ ने युवक को खाया, खोजबीन में सिर हुआ बरामद, धड़ की तलाश जारी

रामनगर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज स्थित गूलर सिद्ध के जंगल में आज बाघ ने एक युवक को अपना निवाला बना लिया। सूचना पर पहुंची वन विभाग और पुलिस की टीम ने सर्च ऑपरेशन अभियान चलाया। इस दौरान जंगल से युवक के सिर को बरामद किया गया है। वहीं, धड़ की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि युवक देर रात जंगल में गया था। शव विक्षिप्त युवक का बताया जा रहा है। पुलिस और वन विभाग की टीम सर्च में जुटी है।

बुर्का पहनी महिला की दबंगई
बस न रोकने पर ड्राइवर को बुरी तरह पीटा

सूरत, 18 जनवरी (एजेंसियां)। शहर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बुर्का पहनी महिला ने बस ड्राइवर की जमकर पिटाई कर दी। वहीं महिला की दबंगई देख बस में बैठे लोग भी हैरान रह गए। यहां एक महिला ने बीआरटीएस बस चालक के साथ मारपीट की। उसने बस चालक पर इतना तेज हमला किया कि उसका सिर फट गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें महिला को बस चालक के साथ मारपीट करते हुए देखा जा सकता है। फिलहाल पुलिस की टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला की तलाश कर रही है।

महिला ने बस चालक को पीटा

पूरा मामला सूरत शहर का बताया जा रहा है। यहां परिवहन निगम (बीआरटीएस) की बस में एक महिला ने ड्राइवर से मारपीट की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो देखकर हर कोई हैरान है। जानकारी के मुताबिक सूरत वाय जंक्शन से रेलवे स्टेशन जा रही सिटी बस में एक बुर्काधारी महिला का उग्र रूप देखने को मिला। मामूली बात को लेकर महिला इतनी उग्र हो गई कि उसने पहले बस चालक को थप्पड़ों से मारा। इसके बाद उसने हाथ में रखे मोबाइल फोन से बस चालक की पिटाई की, जिससे उसके सिर में चोट आई है।

सीसीटीवी फुटेज आया सामने

बताया जा रहा है कि झगड़ा सिर्फ इस बात का था कि महिला बिना बस स्टैंड के बीच सड़क पर उतरना चाहती थी। महिला ने बस चालक को बीच में ही रोकने को कहा लेकिन ड्राइवर ने बिना बस स्टैंड के बीच में बस को रोकने से मना कर दिया।

इतनी सी बात पर महिला ने गुस्से में आकर बस ड्राइवर की पिटाई कर दी। महिला के द्वारा बस चालक की पिटाई की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद पुलिस की टी भी हरकत में आ गई है। फिलहाल पुलिस बुर्के वाली दबंग महिला की तलाश कर रही है।

'मुंबई की जनता ने आईना दिखाया'
शिवसेना यूटीबी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का डिप्टी सीएम शिंदे पर हमला

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में हालिया संपन्न बीएमसी चुनावों के परिणामों ने राजनीति के नए समीकरण बना दिए हैं। शिवसेना (शिंदे) के महज 29 उम्मीदवार जीते, जिसके बाद वे यूटीबी) के निशाने पर आ गए हैं। पार्टी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए कहा कि जब मुख्यमंत्री चुनने का समय आया था तब भी इस तरह की कशमकश चल रही थी। मुंबई की जनता ने बता दिया कि असली शिवसेना कौन है। एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के सामने ढाई-ढाई साल के मेयर की शर्त रखी है। बीजेपी 89 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है,

जबकि महायुति में शामिल शिवसेना (शिंदे) के महज 29 उम्मीदवार ही जीते। एकनाथ शिंदे ने अपने सभी उम्मीदवारों को एक रिजोर्ट में रखा है। जिसके बाद वे अब विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी का बयान

शिवसेना(यूटीबी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजों पर कहा, जब मुख्यमंत्री चुनने का समय आया था तब भी इस तरह की कशमकश चल रही थी। एकनाथ शिंदे को जब उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी मिली थी तब भी वे नाराज़ दिखाई दे रहे थे। 29 सीट उस पक्ष की आई है जिसने हमारी पार्टी को तोड़ा। मुंबई की जनता ने उन्हें आईना दिखाया और बताया कि कौन सी असली शिवसेना है। हकीकत सभी जानते हैं कि एकनाथ शिंदे के पास कोई विकल्प नहीं है सिवाय इसके कि वे इस गठबंधन के साथ ही आगे बढ़ें।" उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी ने बीएमसी चुनावों में गलत ही फोकस किया। अब एकनाथ शिंदे के पार्षद को बीजेपी से ही खतरा है।

मेयर की कुर्सी पर फंसा पेंच

बीएमसी चुनावों में एकनाथ शिंदे को झटका लगा और महायुति में उसका बड़ा नुकसान हुआ, बीजेपी के 89 पार्षदों के मुकाबले उसके 29 पार्षद आए इस चुनाव में। एकनाथ शिंदे ने बयान जारी कर कहा कि वो किंग मेकर की भूमिका में हैं इसलिए ढाई-ढाई साल का मेयर होना चाहिए। यही नहीं उन्होंने अपने जीते हुए पार्षदों को एक रिजोर्ट में शिफ्ट कर दिया है। जबकि बीजेपी ढाई-ढाई साल के फार्मूले पर तैयार नहीं है, उसने इस बार अपना मेयर बनाने की ठानी है।

दिल्ली में पकड़ा गया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का वांटेड शूटर, 4 करोड़ की रंगदारी के लिए की थी फायरिंग

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजस्थान पुलिस के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक वांटेड शूटर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 23 वर्षीय प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू के रूप में हुई है, जो मूल रूप से आगरा, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और फिलहाल दिल्ली के उत्तम नगर में छिपकर रह रहा था। दिल्ली क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) को दिल्ली और आस-पास के राज्यों में सक्रिय गैंगस्टरों पर नजर रखने का काम सौंपा गया था।

मिली गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने राजस्थान पुलिस के साथ समन्वय कर दिल्ली के उत्तम नगर में छापा मारा और प्रदीप उर्फ गोलू को दबोच लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को आगे की जांच के लिए राजस्थान पुलिस के हवाले कर दिया गया है। प्रदीप उर्फ गोलू लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक सक्रिय सदस्य है और राजस्थान के श्रीगंगानगर इलाके में गैंग की गतिविधियों को अंजाम देता था।

मार्च 2025 में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने राजस्थान के जवाहर नगर (गंगानगर) के एक व्यापारी से 4 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। जब व्यापारी ने पैसे देने से इंकार कर दिया, तो गैंग ने प्रदीप गोलू को फायरिंग का काम सौंपा। मई 2025 में प्रदीप ने अपने साथियों के साथ मिलकर व्यापारी के घर पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था।

जमानत पर बाहर आने के बाद प्रदीप ने अपराध नहीं छोड़ा। वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अन्य सदस्यों को भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोला-बारूद सप्लाई करने लगा। हाल ही में राजस्थान पुलिस ने गैंग के चार सदस्यों को हथियारों के बड़े जखीरे के साथ गिरफ्तार किया था, जिसमें जांच के दौरान पता चला कि इन हथियारों का मुख्य स्रोत प्रदीप उर्फ गोलू ही था।

प्रेम-संबंध छिपाने मां ने बेटे को दो मंजिल से फेंका

ग्वालियर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में पांच साल के बच्चे की हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायालय ने उसकी मां को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने परिस्थितिजन्य सबूतों के आधार पर शनिवार को फैसला सुनाया। वहीं, सबूतों के अभाव में बच्चे की मां के प्रेमी को दोषमुक्त कर दिया गया।

बताया गया कि बच्चे ने अपनी मां को प्रेमी के साथ देख लिया था। इस बात के उजागर होने के डर से मां ने बच्चे को दो मंजिला छत से नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना का खुलासा महज 15 दिन में कर दिया था। शुरुआती जांच में यह मामला सामान्य दुर्घटना लग रही थी। घटना 28 अप्रैल 2023 की थाटीपुर थाना क्षेत्र की है। ज्योति राठौर पड़ोस में रहने वाले अपने प्रेमी उदय इंदौलिया के साथ छत पर मौजूद थी। इसी दौरान उसका बच्चा जतिन छत पर आ गया और उसने मां को प्रेमी की बांहों में देख लिया। बेटा यह बात पति को ना बता दे, इसलिए ज्योति ने बच्चे को दो मंजिल नीचे फेंक दिया। बच्चा सड़क पर तड़पता रहा, लेकिन मां उसे देखने नहीं आई। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां भी मां बच्चे को देखने नहीं पहुंची। दो मंजिल से गिरने के कारण बच्चे के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। उसका एक दिन जयारोग्य अस्पताल में इलाज भी चला। अगले दिन यानी 29 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। इसके बाद ज्योति टूट गई और उसने पूरी घटना पति को बता दी। कॉन्स्टेबल पति ने बातचीत की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी निकलवाए। पूरे घटनाक्रम के सामने आने के बाद पति सभी साक्ष्यों के साथ थाटीपुर थाना पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने ज्योति राठौर और उसके प्रेमी उदय इंदौलिया को आरोपी बनाया और जांच पूरी कर न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान लोक अभियोजक विजय शर्मा ने पुलिस की ओर से पैरवी की। अदालत ने मां को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जबकि पर्याप्त साक्ष्य न होने के कारण प्रेमी को दोषमुक्त कर दिया गया।

रेलवे ट्रैक पर बैठ गया नशे में धुत व्यक्ति, काफी देर तक रुकी रही अमृत भारत ट्रेन

भुवनेश्वर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के राजमहल इलाके के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नशे में धुत एक व्यक्ति रेलवे ट्रैक पर बैठ गया। एहतियात के तौर पर वहां से गुजर रही अमृत भारत ट्रेन को रोकना पड़ा। काफी देर तक शख्स रेलवे ट्रैक पर बैठा रहा, जिसे हटाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। किसी तरह से व्यक्ति को रेलवे ट्रैक से हटाया गया, जिसके बाद ट्रेन आगे रवाना हुई। यह घटना उस वक्त हुई जब अमृत भारत ट्रेन भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी। जानकारी के अनुसार, युवक काफी देर तक नशे में धुत होकर रेलवे ट्रैक पर बैठा रहा। इस दौरान यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों में घबराहट फैल गई। हालांकि ट्रेन की रफ्तार कम थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया और सभी यात्री सुरक्षित रहे। सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी की टीमें मौके पर पहुंचीं और युवक को काबू में लिया।

16 कोचों की 3 घंटे तलाशी, राजधानी एक्सप्रेस में बम की अफवाह से यूपी के पीडीडीयू जंक्शन पर मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया जब 12309 तेजस राजधानी एक्सप्रेस में बम होने की सूचना मिली। यह ट्रेन पटना से नई दिल्ली जा रही थी और जैसे ही रात करीब 10:15 बजे पीडीडीयू जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर चार पर पहुंची, रेलवे बोर्ड को एक कॉल के जरिए बम की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही रेल सुरक्षा एजेंसियों में अफरा-तफरी मच गई और ट्रेन को तुरंत प्लेटफॉर्म पर रोककर चारों ओर से घेराबंदी कर दी गई। बम की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ, जिला पुलिस, बम डिटेक्शन स्क्वायड और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा के मद्देनज़र सबसे पहले ट्रेन को खाली कराया गया। तेजस राजधानी एक्सप्रेस के 16 कोचों में सफर कर रहे यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इसके बाद पूरी ट्रेन की तीन घंटे तक सघन तलाशी ली गई। बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की संयुक्त टीम कोच-दर-कोच जाकर जांच करती रही। इस दौरान स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा को और बढ़ा दिया गया। पुलिस टीमों ने सभी लावारिस सामान, बैग और सीटों के नीचे तक बारीकी से तलाशी ली। करीब तीन घंटे चली जांच के बाद राहत की खबर आई।

सुरक्षा एजेंसियों को ट्रेन में न तो कोई विस्फोटक पदार्थ मिला और न ही कोई संदिग्ध वस्तु। इसके बाद अधिकारियों ने बम सूचना को फर्जी बताया, लेकिन जांच पूरी होने तक सतर्कता बनी रही। लंबी जांच के बाद आखिरकार रात करीब 1 बजकर 15 मिनट पर तेजस राजधानी एक्सप्रेस को नई दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। यात्रियों ने राहत की सांस ली।

बैंकॉक से हाइब्रिड गांजा छिपाकर लाए थे 7 यात्री मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़े गए, 27 करोड़ है कीमत

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने जांच के दौरान करोड़ों रुपये का सामान पकड़ा है। जनवरी में नौ तारीख से 16 तारीख के बीच लगभग 32 करोड़ रुपये की कीमत का सामान पकड़ गया है। इसमें बड़ी मात्रा हाइब्रिड गांजे की है। गांजे के अलावा तस्करी कर लाया जा रहा सोना और हीरा भी पकड़ा गया है। एयरपोर्ट कमिश्नरेट, मुंबई कस्टम्स जोन-3 के अधिकारियों ने मादक पदार्थ तस्करी के अलावा सोना, हीरा और विदेशी मुद्रा की तस्करी का मामला बनाया है। कस्टम विभाग ने एक हाइड्रोपोनिक वीड मामला दर्ज किया है,

जिसमें कुल 3.997 किलोग्राम संदिग्ध एनडीपीएस (हाइड्रोपोनिक वीड) बरामद किया गया, जिसकी अवैध बाजार में कीमत लगभग 3.997 करोड़ रुपये है। तस्करों ने विमान की सीटों के नीचे रखे लाइफ जैकेट पैकेट के अंदर प्रतिबंधित सामग्री को छिपाकर हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी करने का प्रयास किया। वह इसमें लगभग सफल भी हो गए थे, लेकिन विमान से उतरने के बाद एयरपोर्ट में तलाशी के दौरान पकड़े गए। 9-16 तारीख के बीच हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी के आठ मामले दर्ज किए गए, जिसमें कुल 29.841 किलोग्राम संदिग्ध एनडीपीएस (हाइड्रोपोनिक वीड) बरामद किया गया। बैंकॉक से अलग-अलग फ्लाइट्स से आए नौ यात्रियों से 29.841 करोड़ रुपये के गैर-कानूनी मार्केट के सामान बरामद किए गए और उन्हें नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया।

कस्टम अधिकारियों ने इस सप्ताह सोना तस्करी के छह मामले दर्ज किए। इस दौरान कुल 6 यात्रियों के पास से 846.74 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 1.035 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही एक डायमंड केस बुक किया गया, जिसमें एक पैसेंजर से कुल 548.4 कैरेट डायमंड बरामद किए गए, जिनकी कीमत 31.95 लाख रुपये है। अधिकारियों ने विदेशी मुद्रा की तस्करी का भी एक मामला दर्ज किया, जिसमें एक पैसेंजर से कुल 200000 सऊदी रियाल बरामद किए गए।

ताज होटल बना जेल, पार्षदों को बनाया बंधक
संजय राउत बोले- एकनाथ शिंदे नहीं चाहते बीएमसी में बीजेपी का मेयर

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र निकाय चुनाव के परिणाम सामने आ चुके हैं और अब मुंबई के मेयर पद को लेकर सियासी घमसान मचा हुआ है। बीएमसी में महायुति को बहुमत मिलने के बाद सहयोगी पार्टियों के बीच मेयर पद को रस्साकस्सी चल रही है। शिवसेना शिंदे गुट ने मेयर पद को लेकर शर्त रखी है और शिंदे गुट के सभी पार्षदों को होटल में रखा गया है। इसे लेकर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने निशाना साधा है। शिवसेना एमपी संजय राउत ने दावा किया कि उनके संपर्क में कई पार्षद हैं। कोई नहीं चाहता है कि बीजेपी का मेयर बने। खुद एकनाथ शिंदे भी नहीं चाहते हैं कि बीजेपी का मेयर बने। यही वजह है कि एकनाथ शिंदे ने एक होटल को जेल बना दिया है। जो कॉर्पोरेटर जीते हैं और उन्हें वहां रखा गया है।

संजय राउत ने कहा कि जो भी कॉर्पोरेटर जीत कर आए हैं, उन्हें ताज होटल में कैद करके रखा गया है। शिंदे को डर है कि उनके कॉर्पोरेटरों को कोई खरीद न लें। यह बहुत ही नाइंसाफी है। जिन लोगों को कैद करके रखा गया है उनको तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। यह उनका अधिकार है। सीएम को उनकी रिहाई का आदेश देना चाहिए। बहुत से लोग हमारे टच में हैं। संजय राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे किस पद के लिए अड़े हैं, यह उनके दल का मामला है। उनका दल भाजपा का अंगवस्त्र है। अमित शाह उनके प्रमुख हैं। वे उनके पास जाकर मांग करेंगे, लेकिन मेरी जानकारी के अनुसार देवेंद्र फडणवीस उनकी बात नहीं सुनेंगे।उन्होंने अपने नगरसेवकों को बंद करके रखा है। उन्होंने विधायकों को तोड़ा, इसलिए अब नगरसेवकों को भी कैद कर रखना पड़ रहा है। पहले वे विधायकों को सूरत ले गए थे। आगे कहा कि एकनाथ शिंदे खुद उपमुख्यमंत्री हैं, फिर भी उन्हें डर है कि उनके नगरसेवक भगा लिए जाएंगे। यह कितनी बड़ी हास्यजत्रा है। बीजेपी का महापौर नहीं होने देने का सब ने तय किया है, देखते हैं आगे क्या होता है।

संजय राउत ने कहा कि जो नगरसेवक हैं, उनमें कई नए चेहरे हैं। वे शिवसैनिक हैं और नहीं चाहते कि भाजपा का महापौर बने। चाहे उन्हें कितना भी कैद में रखा जाए, आज संचार के कई साधन हैं—संदेश कहीं भी पहुंच सकता है। अगर भगवान की इच्छा हुई, तो शिवसेना का महापौर बन सकता है। पर्दे के पीछे बहुत कुछ चल रहा है। हम स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं।

गवर्नमेंट दून मेडिकल कॉलेज में जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग और मारपीट, बेल्टों से पीटा गया

देहरादून, 18 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के देहरादून से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के गवर्नमेंट दून मेडिकल कॉलेज (पटेल नगर, देहरादून) में सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग और मारपीट की घटना सामने आई है। आरोप है कि जूनियर्स को बेल्टों से पीटा गया है। मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर गीता जैन का इस मामले को लेकर बयान भी सामने आया है। उन्होंने बताया कि एंटी-रैगिंग कमेटी इस घटना की विस्तार से जांच कर रही है।

कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद दोषी छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डिसिप्लिन कमेटी ने छात्रों के बयान दर्ज किए हैं और कहा है कि कॉलेज में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कॉलेज प्रशासन ने कहा है कि अगर छात्रों पर लगे आरोप सही पाए जाते हैं, तो आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें कॉलेज से सस्पेंड करना भी शामिल हो सकता है। पहले स्कूल-कॉलेजों में रैगिंग को हल्के मजाक के तौर पर लिया जाता था, जिसमें सीनियर्स द्वारा जूनियर्स से कुछ टास्क पूरे करवाए जाते थे, जो मजेदार भी होते थे और सीनियर्स-जूनियर्स के बीच दोस्ती का कारण बनते थे। लेकिन समय के साथ रैगिंग का स्वरूप बदल गया और सीनियर्स द्वारा जूनियर्स को टॉर्चर किया जाने लगा। हद तो तब हो गई, जब रैगिंग की वजह से कुछ बच्चों ने सुसाइड कर ली तो कुछ को सीनियर्स ने ही मार डाला। इस तरह के तमाम मामले पहले देखे और सुने गए।

इसके बाद भारत में रैगिंग को कॉलेज का मजाक नहीं बल्कि एक गंभीर अपराध माना गया। सुप्रीम कोर्ट, यूजीसी और विभिन्न राज्य कानूनों के कारण रैगिंग को लेकर सजा का प्रावधान है और इसकी सजा काफी सख्त है। रैगिंग का आरोप सही पाए जाने पर दोषी को जेल और जुर्माना दोनों को भुगतना पड़ सकता है। इसमें रैगिंग के प्रकार के हिसाब से कोर्ट द्वारा 2 साल तक की कैद से लेकर आजीवन कारावास और मृत्युदंड तक की सजा है।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 19 जनवरी- 2026

यूरोप का ट्रंप को करारा जवाब

दक्षिण एशियाई देशों को धमकाने वाले मनबढ़ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पाला इस बार यूरोपीय देशों से पड़ा है। जिसने ट्रंप के टैरिफ का उसी की भाषा में जवाब दिया है। शनिवार को ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध करने वाले यूरोपीय देशों पर जब ट्रंप ने टैरिफ लगाने की घोषणा की तो इस फैसले से यूरोपीय देश भड़क गए हैं। अब यूरोपीय संसद ने एक कड़ा कदम उठाते हुए ट्रंप को ही सबक सिखाने का मन बना लिया है। इससे ग्रीनलैंड पर कब्जे की डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। यूरोपीय संसद ने ट्रंप के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए अमेरिका के साथ ऐतिहासिक ट्रेड डील पर ही रोक लगा दी है। यूरोपीय संसद के इस कदम से पिछले साल हुए ट्रांस अटलांटिक समझौते पर सवालिया निशान लग गया है। बता दें कि इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में राष्ट्रपति ट्रंप और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने हस्ताक्षर किए थे। समझौते का मकसद अमेरिकी टैरिफ को 15 प्रतिशत पर रखकर व्यापार संबंधों को स्थिरता प्रदान करना था। इसके बदले में अमेरिकी एक्सपोर्ट पर शुल्क को कम किया जाना था। लेकिन ग्रीनलैंड पर अमेरिकी दबाव ने अब उक्त समझौते के भविष्य पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप ने अमेरिकी फैसले का विरोध करने वाले देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसमें वे देश थे जिन्होंने इस सप्ताह ग्रीनलैंड में अपने कुछ सैनिकों को भेजा था। ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा के साथ यह भी कहा कि अगर ग्रीनलैंड पर कोई खरीद सौदा नहीं होता है तो इसे 1 जून से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इससे गुस्साए यूरोपीय नेताओं ने ट्रंप की टैरिफ घोषणा के बाद कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंडोनियो कोस्टा ने कहा कि अगर ये टैरिफ लागू रहते हैं तो यूरोपीय यूनियन संयुक्तरूप से इसका जवाब देगा। टैरिफ पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यूरोप को धमकियों से डराने की कोशिश भी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'टैरिफ की धमकियां अस्वीकार्य हैं और इनको यहां किसी भी सूरत में लागू नहीं किया जा सकता है। जरूरत पडी तो यूरोप इसका उसी की भाषा में जवाब देगा।' स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने भी यूरोप की संप्रभुता की रक्षा करने की बात कही। इस बीच यूरोपीय संसद के अंदर ट्रेड डील को लेकर समझौते की प्रक्रिया रोक दी है। यूरोपियन पीपल्स पार्टी के प्रमुख मैनफ्रेड वेबर ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि सांसद उस समय किसी समझौते का समर्थन नहीं कर सकते हैं, जब ट्रंप ग्रीनलैंड से जुड़ी धमकियां दे रहे हों। यहां तक कि डेनमार्क ने भी खुलेआम ट्रंप को ललकारा है।

पढ़े-लिखे लोग क्यों बन रहे हैं आतंकी?

रघु ठाकुर

समय बहुत सारे घाव भर देता है और घटनाओं को समाज की याददाश्त से पीछे कर देता है जब तक मीडिया घटनाओं को जिंदा रखता है, जब तक वह आम और जन चर्चा में नजर आती हैं, परंतु मीडिया से ओझल होने के बाद केवल याद में दर्ज होकर रह जाती हैं। ऐसी ही घटना 10 नवंबर 25 को दिल्ली में हुई थी जो कुछ समय तक मीडिया और देश में चर्चित रही। 10 नवंबर की शाम को दिल्ली का विस्फोट कांड, जिसमें लगभग 13 लोग मारे गए थे। इसके कुछ माह पहले पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें पर्यटक मारे गए थे, उसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाक सीमा के अंदर जाकर अनेकों आतंकवादियों को मारा था और पाक सेना के कई मुख्य आतंकवादी अड्डों को नष्ट किया था, क्योंकि पहलगाम आतंकवादी घटना में सीधा पाक शामिल था अतरू सरकार के पास इसका ठोस आधार भी था और देश ऐसी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा भी कर रहा था। अब दिल्ली में जो विस्फोट कांड हुआ है अभी तक प्राप्त सूचनाओं के अनुसार उसके पीछे भी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां है, जो भारत में पहले भी आतंकवाद को प्रायोजित करती रही हैं और अभी भी कर रही हैं। इस आतंकवादी विस्फोट में जो मुख्य सूत्रधारों के नाम आए हैं उनके नाम डॉक्टर मुजम्मिल शकील, डॉक्टर आदिल, डा उमर अहमद और शाहीन शाहिद के नाम मुख्य हैं, इनमें से एक शाहीन को छोड़कर बकाया तीनों लोग कश्मीरी हैं। यह बताया जा रहा है कि पाक के ड्रोन की मदद से जम्मू के खेतों में विस्फोटक गिराया था जहां से सेव फल की आड़ में फरीदाबाद तक वे उस विस्फोटक को लाए थे। यह आश्चर्य की बात है कि इतनी लंबी यात्रा के बाद भी कई राज्यों की अंतरराज्य सीमाएं पार करने के बाद भी जम्मू कश्मीर से फरीदाबाद तक बिना रोक-टोक के वह विस्फोटक ले आए। ना रास्ते में जांच हुई, ना कोई पकड़ा गया। मतलब साफ है कि भारत की पुलिस चाहे किसी राज्य की या धर्म की हो, भ्रष्टाचार के मामले में एक समान है। यह संभव नहीं है कि जम्मू कश्मीर की सीमा से लेकर फरीदाबाद तक की सारी पुलिस मुसलमान हो। यह कोई पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि मुंबई के विस्फोट कांड में भी जो विस्फोटक लाया गया था उसे लाने और निकलवाने वाले सभी अधिकारी हिंदू थे। अच्छा होता कि सरकार जम्मू कश्मीर से फरीदाबाद तक सीमाओं के सुरक्षाकर्मियों और पुलिसकर्मियों के नाम प्रकाशित करती, ताकि हिंदू समाज भी जान सकता कि हमारा राष्ट्रवाद कितना सस्ता है जो चंद रुपयों में बिक जाता है। जो लोग दिल्ली विस्फोट घटना के लिए जिम्मेदार थे या जो मरे या गिरफ्तार हुए वे नूह के चिकित्सा विद्यालय में पढ़े और चिकित्सक भी थे, शाहीन भी चिकित्सक थी। इसके पहले भी देश और दुनिया में जो लोग आतंकवाद की घटनाओं में शामिल या प्रायोजित रहे, वह सुशिक्षित वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ रहे हैं। अमेरिका में न्यूयॉर्क पर वलर्ड ट्रेड सेंटर पर हमला करने वाले भी पढ़े-लिखे लोग थे। अतरू एक प्रश्न यह भी आम चर्चा में है कि पढ़े-लिखे लोग आतंकवादी घटनाओं में क्यों शामिल होते हैं? क्या इसमें शिक्षा व्यवस्था का कोई दोष है या शिक्षा की कोई कमी है जो ईसान को तकनीक का ज्ञान तो देती है परंतु मानव नहीं बनाती? आतंकवाद के पढ़े-लिखे समर्थकों ने दिल्ली के विस्फोट की घटना की तुलना भगत सिंह से की, जिस पर सिख समाज के लोगों ने आपत्ति की, यह आपत्ति सही है कि भगत सिंह ना आतंकवादी थे ना हिंसक थे। उन्होंने तो बम-जानबूझकर ऐसे स्थान पर फेंका था जहां सांसद लोग नहीं थे। उन्होंने कहा भी था कि मैं तो बहरों तक आवाज पहुंचाना चाहता हूं अगर उनका उद्देश्य हिंसा का होता तो वह बम वहां फेंकते जहां सांसद बैठे हुए थे। शहीद उधम सिंह ने भी जनरल डायर को गोलियां मारी थी किसी निर्दोष अंग्रेज की हत्या नहीं की थी, इसलिए ऐसी तुलना करना आतंकवाद की हिंसा का बचाव करने जैसा है। कुछ लोग इन हिंसक आतंकवादी घटनाओं के लिए इस्लाम धर्म को ही दोषी मानते हैं और कुरान की कुछ पंक्तियों का उल्लेख भी करते हैं, कुछ लोग इसका संबंध जिहाद शब्द से जोड़ते हैं, हालांकि जिहाद का तात्पर्य उन लोगों के विरुद्ध था जो किसी पर जुल्म ढहाते हैं। जिहाद कोई व्यक्ति की प्रतिक्रिया नहीं है ना व्यक्ति समूह के हिंसा का दर्शन है, बल्कि वह तो किसी भी जुर्म करने वाले व्यक्ति या समूह के हमले के खिलाफ प्रति उत्तर का विचार है। निसंदेह वह अहिंसक नहीं है। वह तो उस समय के समाज और काल के जीवन में उस समय की मान्यताओं और परिस्थितियों के अनुसार बताया हुआ रास्ता है। बाली की हत्या के समय जब बाली ने भगवान राम से पूछा था कि-श्मैं मेरी सुग्रीव प्यारा कारण कहो नाथ ना मोहि मारूय तो राम ने उत्तर दिया था श्अनुज वधु भगिनी सुतनारी, सुनुसठकन्या सम्प ये चारी, इन्हहि कुदृष्टि विलोकइजाई, ताहि बंधे कछु पाप न होई, यह काल दृष्टि भगवान राम के काल में व्यक्ति के द्वारा एक स्वीकार परंपरा थी, परंतु अब वर्तमान समाज में दंड देने का अधिकार किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि न्याय व्यवस्था का है। अगर कोई व्यक्ति निजी तौर पर दंड देता है वह भी अपराधी होता है जिस प्रकार के व्यवस्थागत नियमों में परिवर्तन हिंदू मतावलंबियों में हुए हैं और लोकतंत्र तथा आधुनिक कानूनों को स्वीकार किया है। उसी प्रकार के परिवर्तन अन्य धर्मों में भी होना चाहिए। परंतु जो कई धार्मिक संप्रदाय हैं वे अपने धार्मिक परंपराओं में कोई बदलाव नहीं चाहते। यह समस्या इस्लाम के साथ भी है। उस पर विचार होना चाहिए कि धर्म के कौन से हिस्से आज प्रासंगिक है और कौन से हिस्से परिवर्तनीय है। आमतौर पर धर्म में कुछ जीवन मूल्य और दर्शन होता है, कुछ मानवता के सूत्र होते हैं, कुछ परंपराएं होती है और कुछ दंड विधान के नियम होते हैं जो शाश्वत, मानवीय मूल्य है वे तो स्थाई है, बकाया परिवर्तनशील है। मैं समझता हूं कि अगर सभी धर्म के धर्म गुरु इन चार खंडों में बँटकर धर्म को नए सिरे से परिभाषित करें तो निदान हो सकता है, यानी मानवता के जीवन दर्शन के जो सामाजिक मूल्य हैं और जो एक मानवीय दुनिया बनाने के लिए आवश्यक है उन्हें स्थाई रखा जाए परंतु परंपराओं और दंड विधान में समसामयिक और लोकतांत्रिक परिवर्तन किए जाएं। जब आजादी के पहले का भारत जिसमें पाकिस्तान, बंगलादेश और भारत शामिल था, अंग्रेजों के अधीन था तब हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्म के लोगों ने एक दंड विधान स्वीकार किया और अपने-अपने धार्मिक नियम या विधान छोड़ दिए। एक आईपीसी और एक सीआरपीसी स्वीकार की। परंतु अब अनेक लोग ऐसे हैं जो 1500 साल पीछे जाना चाहते हैं और मजहबी व्यवस्था को लागू करना चाहते हैं। देश दुनिया का एक बड़ा हिस्सा यह मानता है कि इस्लाम में हिंसा व प्रति हिंसा जैसे प्रावधान है जो कुरान में लिखे गए हैं। यानी इस्लाम जिन्हें अपरिवर्तनीय मानता है और अपने अनुयायियों में हिंसा का भाव पैदा करता है इसी आधार पर कुछ लोग यह प्रश्न उठाते हैं कि इस्लामी देशों में और इस्लाम के विभिन्न पंथों में भी आपस में इतनी हिंसा और मार काट है कि वह एक-दूसरे के अनुयायियों को लाखों की संख्या में मार देते हैं।

नाटो की नींव पर प्रहार: ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

आरके जैन

डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर अपनाई गई आक्रामक नीति अब न तो सनक भर रह गई है और न ही चुनावी बयानबाज़ी तक सीमित है। यह 2026 की वैश्विक राजनीति का एक गंभीर और निर्णायक संकट बन चुकी है। जनवरी 2026 में ट्रंप के ऐलान किया कि 1 फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स और फिनलैंड (आठ नाटो देशों) के आयात पर 10% टैरिफ लगेगा, जो 1 जून 2026 से 25% तक बढ़ जाएगा—जब तक ग्रीनलैंड की 'पूर्ण और संपूर्ण खरीद' पर डील नहीं हो जाती। यह बयान उस सोच को उजागर करता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय राजनीति को कूटनीति नहीं, बल्कि दबाव और सौदेबाज़ी का खेल माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह रवैया नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसे एक "रियल एस्टेट डील" बताया था, जिसे उस समय मज़ाक या कूटनीतिक अपरिपक्वता कहकर टाल दिया गया। लेकिन सात साल बाद वही विचार एक अलग, अधिक संगठित और खतरनाक रूप में सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण जैसे तर्कों से जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि यह मुद्दा अब केवल अमेरिका और डेनमार्क के बीच सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे नाटो और वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है।

यूरोप की प्रतिक्रिया इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। डेनमार्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है, जबकि ग्रीनलैंड के लोग भी सड़कों पर उतरकर अपनी स्वायत्तता और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। "कोई दबाव नहीं, कोई संकेत नहीं" जैसे बयान यह दर्शाते हैं कि स्थानीय नेतृत्व किसी भी सूरत में बाहरी दबाव स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने भी एकजुट होकर ट्रंप की धमकी को अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। यूरोप की सड़कों पर गूंजते "यांकी गो होम" जैसे नारे इस असंतोष की तीव्रता को उजागर करते हैं। ट्रंप के तर्क अपनी जगह साफ हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए अहम हैं। इसके अलावा, ग्रीनलैंड में लिथियम, कोबाल्ट और अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स की भरपूर उपलब्धता है, जो भविष्य की तकनीक-इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा-के लिए अनिवार्य मानी जाती है। ट्रंप का दावा है कि ग्रीनलैंड 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक है, हालांकि विशेषज्ञों का मत है कि वर्तमान पिटुफिक अंतरिक्ष आधार और डेनमार्क के साथ हुए समझौतों के कारण अमेरिका को पहले से ही पर्याप्त पहुंच है, तथा पूर्ण क्रय की जरूरत विवादित है। इन दलीलों के पीछे संसाधनों और प्रभुत्व की पुरानी लालसा ही काम कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से यह प्रस्ताव कई गहरे सवाल खड़े करता है। ट्रंप की टीम ने ग्रीनलैंड की संभावित खरीद कीमत 700 बिलियन डॉलर तक बताई है, जिसमें खरीद के अलावा माइंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी के लिए सैकड़ों बिलियन अतिरिक्त खर्च शामिल हैं, और लाभ 10-20 साल बाद दिख सकता है। जबकि विशेषज्ञों का आकलन है कि इससे किसी ठोस आर्थिक लाभ के संकेत कम से कम दो दशक बाद ही सामने आ सकते हैं। इसके बावजूद, टैरिफ जैसे आर्थिक हथियारों के जरिए सहयोगी देशों पर दबाव बनाना नाटो की मूल भावना और आपसी भरोसे के खिलाफ जाता है। यही कारण है कि इस कदम को केवल एक आक्रामक नीति नहीं, बल्कि गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा खतरा माना जा रहा है। इस टकराव का प्रभाव यूरोप की सीमाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है, और यदि ट्रंप की टैरिफ नीति से ट्रेड वॉर तेज होता है, तो इसके झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। इसी बीच रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं, और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक रणनीति अनजाने में उन्हें और रणनीतिक अवसर प्रदान कर सकती है। यह "पावर पॉलिटिक्स" का नया चरण है, जहां आर्थिक दबाव को भू-राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के औज़ार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

मणिकर्णिका में अफवाह का धुआं और राजनीति की आग

सुरेश गांधी

मणिकर्णिका घाट, जहां मृत्यु भी मोक्ष का उत्सव है, आज आस्था से नहीं, अफवाह और सियासत के धुएं से घिरा है। घाट के कायाकल्प को लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से गढ़ी गई तस्वीरें, डीपफेक वीडियो और आधे-अधूरे सच को हथियार बनाकर एक बार फिर वही पुराना खेल खेला गया, विकास को विनाश बताने का। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह इस बार भी भ्रम फैलाकर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मणिकर्णिका पर मौजूदगी ने इस पूरे नैरेटिव को पलट दिया। घाट पर खड़े होकर दिया गया उनका संदेश साफ था, आस्था से समझौता नहीं होगा, लेकिन अव्यवस्था अब परंपरा नहीं कहलाएगी। पुलिसिया सख्ती ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि एआई के सहारे धार्मिक भावनाएं भड़काना अब महज शरारत नहीं, अपराध है। यह विवाद घाट का नहीं, मानसिकता का है। कुछ राजनीतिक दल और तथाकथित विद्वान संस्कृति की दुहाई देकर उसी अव्यवस्था को बचाना चाहते हैं, जिससे काशी दशकों तक जूझती रही। सवाल सीधा है, क्या गंदगी, असुरक्षा और पीड़ा ही सनातन की पहचान हैं? मणिकर्णिका की चिता की आग ने एक बार फिर बता दिया है, काशी बदनाम नहीं, बदली जा रही है।

दरअसल, काशी में जब - जब विकास की बात होती है, कुछ चेहरे और कुछ राजनीतिक दल अचानक 'संस्कृति के ठेकेदार' बन जाते हैं। उन्हें न तो दशकों की अव्यवस्था दिखती है, न गंदगी से कराहती आस्था, न शोक में डूबे परिजनों की पीड़ा। उन्हें दिखता है तो केवल वही क्षण, जब व्यवस्था बनने लगती है। मणिकर्णिका घाट के पुनर्निर्माण को लेकर मचाया जा रहा शोर उसी मानसिकता का ताजा उदाहरण है। वही आशंकाएं, वही धमकियां, वही भ्रम, जो कभी काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, नमो घाट, अस्सी घाट, डालमंडी और शहर की सड़कों के सौंदर्यीकरण के समय सुनाई दिया था। मणिकर्णिका घाट कोई साधारण श्मशान नहीं, बल्कि सनातन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। यहां मृत्यु भय नहीं जगाती, बल्कि जीवन का अंतिम सत्य समझाती है। यहां चिता की लपटें डराती नहीं, बल्कि अहंकार जलाकर विवेक जगाती हैं। फिर भी, दशकों तक इस पवित्र स्थल पर अव्यवस्था, गंदगी और असुरक्षा को 'परंपरा' कहकर स्वीकार कर लिया गया। सवाल यह है, क्या अव्यवस्था ही संस्कृति है? क्या असुरक्षित दाह-संस्कार स्थल, फिसलन भरे प्लेटफॉर्म, गंदे मुंडन स्थल और शोकाकुल परिजनों की अनदेखी ही काशी की पहचान है?

काशी : समय के पार खड़ा सत्य

अब इन विरोधियों को कौन समझाए कि काशी कोई साधारण शहर नहीं, कोई सामान्य तीर्थ नहीं, कोई केवल धार्मिक स्थल नहीं। काशी समय के पार खड़ा वह सत्य है, जहां जीवन और मृत्यु आमने - सामने संवाद करते हैं। और इसी काशी की आत्मा का सबसे तीखा, सबसे निर्विवाद और सबसे शाश्वत प्रतीक है, मणिकर्णिका घाट। पुराणों में वर्णन है कि यहीं भगवान विष्णु के कान का कुंडल (मणि) गिरा, यहीं माता सती की मणि गिरी, यहीं स्वयं महादेव मृत्यु के क्षण में तारक मंत्र का उपदेश देते हैं। स्कंद पुराण, काशी खंड और पद्म पुराण, सभी मणिकर्णिका को मोक्ष का प्रथम सोपान बताते हैं। यह घाट केवल दाह-संस्कार स्थल नहीं, सभ्यता का दर्पण है। लेकिन विडंबना यह रही कि सदियों से पूजित इस घाट को दशकों तक प्रशासनिक उपेक्षा और राजनीतिक उदासीनता के हवाले छोड़ दिया गया। श्रद्धा कभी कम नहीं हुई, पर व्यवस्था हमेशा जर्जर रही।

अव्यवस्था का सच, जिसे नजरअंदाज किया गया

मणिकर्णिका की वास्तविक स्थिति से जिसने भी आंख मिलाई है, वह जानता है, शवदाह प्लेटफॉर्म असुरक्षित थे. लकड़ी खुले में बिखरी रहती थी. पूजा सामग्री और मुंडन स्थलों का कोई व्यवस्थित स्थान नहीं. बारिश में फिसलन और आग से दुर्घटनाओं का खतरा. गंगा में राख और अवशेषों का अनियंत्रित प्रवाह. शोक में डूबे परिजनों के लिए बैठने-ठहरने की न्यूनतम सुविधा तक नहीं. कोरोना काल ने इस अव्यवस्था को भयावह त्रासदी में बदल दिया था। तब भी यही राजनीतिक वर्ग मौन था। तब न संस्कृति याद आई, न परंपरा।

विकास की शुरुआत और विरोध का पुराना पैटर्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी को लेकर एक स्पष्ट दृष्टि रखी, विकास ऐसा हो, जो संस्कृति को चोट न पहुंचाए, बल्कि उसे और उजागर करे। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जिसे कभी 'तोड़फोड़' कहा गया, आज वही विश्वस्तरीय आध्यात्मिक धरोहर बन चुका है। नमो घाट, अस्सी घाट, शहर की सड़कें, लटकते बिजली के तार, हर बार वही आरोप लगे, हर बार वही विरोध हुआ, और हर बार वही विरोध आज मौन है। इतिहास गवाह है, "जब - जब काशी बदली, तब - तब हंगामा हुआ।"

मणिकर्णिका पुनर्निर्माणः उद्देश्य और सच्चाई

'विजन काशी' के तहत मणिकर्णिका घाट का कायाकल्प कोई आकस्मिक निर्णय नहीं था। पहले चरण में 35 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है, अंतिम संस्कार के लिए सुरक्षित और विस्तृत प्लेटफॉर्म, स्वच्छता और जल निकासी की आधुनिक व्यवस्था, डोम समाज, पुरोहितों और शोकाकुल परिजनों के लिए मानवीय सुविधाएं. सरकार बार - बार स्पष्ट कर चुकी है न कोई मंदिर तोड़ा जा रहा है, न कोई पौराणिक संरचना नष्ट हो रही है। अहिल्याबाई होलकर की कृतियां पूर्णतः सुरक्षित हैं। सभी कलाकृतियां संस्कृति विभाग के संरक्षण में हैं और पुनर्निर्माण के बाद यथास्थान पुनः स्थापित होंगी। फिर शोर क्यों? क्योंकि जहां व्यवस्था आती है, वहां उपद्रव की दुकान बंद होती है।

चिता की आग और सत्य

मणिकर्णिका की चिता की आग केवल शरीर नहीं, झूठ और भ्रम को भी भस्म करती है। यह घाट न किसी पार्टी की बपौती है, न किसी नेता की ढाल। यह सनातन सत्य है, और सत्य को व्यवस्थित होने से डर नहीं लगता। जो लोग आज शोर मचा रहे हैं, वे काशी से नहीं, व्यवस्था से डर रहे हैं। और काशी अब डरने के दौर से निकल चुकी है। इतिहास साक्षी है, काशी कभी टूटने से नहीं, ठहर जाने से कमजोर हुई है। और हर बार शोर मचाने वाले अंततः इतिहास के हाशिए पर चले गए हैं। इस विवाद के बीच यही सबसे बड़ा सत्य उभरकर आता है कि काशी को न तो अफवाह समझ सकती है, न सियासत। काशी को समझने के लिए उसकी आत्मा समझनी होगी, जहां मृत्यु भी सत्य बोलती है और जहां अंततः झूठ राख हो जाता है। मणिकर्णिका आज भी वहीं है, अडिग, शाश्वत। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चिता के चारों ओर खड़े लोग नहीं, बल्कि शब्द, तस्वीरें और नैरेटिव जल रहे हैं। और काशी साक्षी है कि अंत में बचेगा वही, जो सत्य है।

सियासत और खोई जमीन की तलाश

राजनीतिक दृष्टि से यह विवाद कुछ दलों के लिए अवसर बनता दिखा, संस्कृति बनाम सरकार का नैरेटिव गढ़कर खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश। लेकिन काशी भावनात्मक जरूर है, भोली नहीं। वह जानती है कि कौन उसकी आत्मा की चिंता कर रहा है और कौन उसकी चिता पर राजनीति की रोटी सेंकना चाहता है।

मेडिकल पीजी में प्रवेश प्रक्रिया से अध्ययन गुणवत्ता पर उठते सवाल

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इससे अधिक दुर्भाग्य की बात क्या होगी कि जिस संस्था की जिम्मेदारी ही मेडिकल शिक्षा में गुणवत्ता कायम रखने की हो वही शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता करने लग जाएं। जी हां, बात भारतीय चिकित्सा आयोग और मेडिकल स्नातकोत्तर अध्ययन की है। भारतीय चिकित्सा आयोग की सिफारिश पर केन्द्र सरकार ने मेडिकल के स्नातकोत्तर अध्ययन में प्रवेश के लिए अनिवार्य अहर्ता सामान्य के लिए 50 पर्सेंटाइल और आरक्षित वर्ग के लिए 40 पर्सेंटाइल को कम कर 50 से 7 पर्सेंटाइल और 40 से शून्य पर्सेंटाइल पर उच्च अध्ययन के लिए प्रवेश का निर्णय कर लिया है। सवाल सीधा सा यह है कि 18 हजार सीटें खाली रहना महत्वपूर्ण है या लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ का लाइसेंस देना महत्वपूर्ण। मेडिकल शिक्षा कोई सामान्य शिक्षा नहीं है और यह सीधे सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा विषय है। मेडिकल में उच्च अध्ययन के लिए पर्सेंटाइल की जो योग्यता निर्धारित की गई वह निश्चित रुप से उच्च अध्ययन के स्तर को बनाए रखने के लिए ही तय की गई होगी। अब केवल और केवल 18 हजार सीटे खाली रह जाने के कारण सात या शून्य पर्सेंटाइल वाले को भी प्रवेश देने का निर्णय किया जा रहा है तो फिर मेडिकल शिक्षा के माध्यम से हम किस तरह के नए विशेषज्ञ तैयार करने जा रहे हैं यह अपने आप में चिंता का कारण तो हो ही जाता है। इसके साथ ही उच्च स्तर पर मेडिकल शिक्षा के प्रति कितनी गंभीरता है यह साफ हो जाती है और तो और जब शून्य पर्सेंटाइल वालों को जो कि इसके लिए निर्धारित योग्यता से कोसों दूर हों उन्हें जीवन से खिलवाड़ करने का लाइसेंस देने का निर्णय किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में मेडिकल सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार ने योजनावद्ध तरीके से काम किया है। देश में एम्स सहित सरकारी व निजी क्षेत्रों में मेडिकल शिक्षा संस्थानों और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार किया गया है। देश में यदि मेडिकल क्षेत्र में पीजी की ही बात की जाए तो 80 हजार से अधिक सीटें हो गई है। अब इसे शिक्षा का गिरता स्तर माना जाएं या अन्य कारण कि पीजी की 80 हजार के लगभग में से 18 हजार के करीब सीटें खाली रह जाती है। इसका कारण अन्य कुछ नही होकर पीजी अध्ययन के इच्छुक युवा चिकित्सकों में से बड़ी संख्या में चिकित्सक सामान्य अहर्ता 50 व 40 पर्सेंटाइल की योग्यता ही पूरी नहीं कर पाते। मजे की बात यह है कि हालात यहां तक बिगड गए हैं या स्तर की गिरावट को इसी से समझा जा सकता है कि पीजी में प्रवेश के लिए जीरो पर्सेंटाइल तक पर एडमिशन का निर्णय करना पड रहा है। सरकार या संस्थानों ने इसके लिए शिक्षा के स्तर में सुधार की आवश्यकता के स्थान पर न्यूनतम योग्यता में कमी करने की बात करने लगे है। हद तो यह हो गई कि एक दो प्रतिशत की कमी होती तो फिर भी समझ में आता पर यहां तो 50 से सीधे 7 पर्सेंटाइल और 40 से सीधे शून्य पर्सेंटाइल पर प्रवेष का निर्णय किया गया है। कल्पनीय बात यह है कि यदि कोई आरक्षित वर्ग का है और उसने प्रवेश परीक्षा के समय केवल अपना नाम पता ही लिख कर आ गया होगा तो उसे प्रवेश मिल जाएगा। इसी तरह से सामान्य वर्ग का है और गलती से एक आध प्रश्न करके सात प्रतिशत पर्सेंटाइल ले आया होगा तो उसका प्रवेश हो जाएगा। अब इससे समझा जा सकता है कि मेडिकल जैसे अध्ययन में किस तरह से गुणवत्ता और योग्य विशेषज्ञ तैयार करने के लिए सारी गुणवत्ता को ताक पर रखा जा रहा है।

भारतीय चिकित्सा आयोग की सिफारिश के पीछे प्रमुख कारण 80 हजार में से 18 हजार सीटें खाली रह जाना है। अब सवाल यह है कि जिस आयोग की जिम्मेदारी ही गुणवत्तापूर्ण मेडिकल चिकित्सा सुनिश्चित करना हो वह गुणवत्ता से समझौता करने के लिए केवल इसलिए तैयार हो रहा है कि सरकार निजी मेडिकल कालेजों में 18 हजार सीटें खाली रहने से इन संस्थानों को आर्थिक हानि से गुजरना होगा। सवाल यह भी है कि 50 से सीधे 7 और 40 से सीधे 0 पर आने का मतलब साफ है कि सात और शून्य पर्सेंटाइल करने से ही यह सीटें भर सकेगी। सौ टके का सवाल यह है कि आयोग को चिकित्सा की गुणवत्ता की चिंता है या कालेजों की खाली रही सीटों को भरने की है। फिर तो प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का भी कोई मायना नहीं रह जाता। जब शून्य पर्सेंटाइल पर प्रवेश देना है तो पीजी के लिए परीक्षा के नाटक करने की आवश्यकता ही क्या है। प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के स्थान पर यूजी यानी कि स्नातक परीक्षा के पर्सेंटेज के आधार पर ही प्रवेश दे दिया जाना चाहिए। इससे कम से कम योग्यता से तो समझौता नहीं होगा। जब निर्धारित पर्सेंटाइल नहीं ला पाते हैं तो साफ तौर से योग्यता पर तो प्रश्न चिन्ह लग ही जाता है।सरकार और मेडिकल शिक्षण संस्थानों को कम से कम अपने स्तर का तो ध्यान रखना ही होगा। मेडिकल से जुड़े सरकारी गैरसरकारी संस्थानों को भी मेडिकल पीजी की गरिमा को बनाएं रखने के लिए खुलकर आवाज उठानी चाहिए।

मौन का महायज्ञ

डॉ. सुरेश कुमार

सरस्वती अम्मा जब अपने बड़े बेटे विकास के आ ली शा न पेंटहाउस में रहने आईं, तो अपने साथ बिस्तरों के बीच लपेटकर एक पुरानी, पीली पड़ चुकी पत्थर की सिल और बट्टा लाई थीं। विकास ने करोड़ों की लागत से 'मॉड्यूलर किचन' बनवाया था, जहाँ बटन दबाते ही मसाले खुद-ब-खुद पिस जाते थे। माँ, यह पत्थर क्यों लाईं? हाथ दुखने लगेंगे, मिक्सी है न! विकास ने मुस्कुराकर कहा।

सरस्वती अम्मा ने एक मार्मिक, अपराधी जैसी मुस्कान बिखेरी। बेटा, मिक्सी की आवाज़ से तेरी शांति भंग होगी। और वैसे भी, मुझे तो अब पत्थर की तरह ही घिसना है। तू बस अपनी तरक्की देख, मेरी हड्डियों की कटकटाहट पर ध्यान मत दे। अगले ही दिन से 'मौन युद्ध' शुरू हो गया।

विकास की पत्नी, ईशा, ने अम्मा के लिए एक महँगी 'मसाज चेयर' खरीदी थी ताकि उनके घुटनों का दर्द कम हो सके। पर अम्मा उस पर कभी नहीं बैठीं। वे घर की उस बालकनी के फर्श पर बैठतीं जहाँ सीधी धूप और धूल आती थी। जब ईशा उन्हें उठाने जाती, तो वे सजल आँखों से कहतीं, बहु, मुझे इस मखमल की आदत मत डाल। कल को जब यमराज आएँगे, तो मैं उन्हें ये नहीं कह पाऊँगी कि मैं मखमल छोड़कर नहीं चल सकती। मुझे ज़मीन की आदत रहने दे, ताकि तुझे मेरी कमी महसूस न हो। ईशा को लगा जैसे किसी ने उसके प्यार भरे उपहार को 'स्वार्थ' का ठप्पा लगा दिया हो। वह कुर्सी ड्राइंग रूम में एक लावारिस लाश की तरह पड़ी रही, जिसे देखकर मेहमान पूछते-अम्मा फर्श पर क्यों बैठी हैं? और विकास की सफलता उसी पल फर्श पर रेंगती नज़र आती। अम्मा की 'मार्मिक सेवा' का अगला पड़ाव था-खाना। घर में दो रसोइए थे, पर अम्मा ने कसम खा ली थी कि वे अपना खाना खुद बनाएँगी। वे भरी दोपहर में, जब एसी की ठंडी हवा कमरों में तैरती, रसोई के एक कोने में पसीने से तर-बतर होकर अपने लिए दो मोटी रोटियाँ सेंकतीं।विकास ने गिड़गिड़ाते हुए कहा, माँ, महाराज (रसोइया) खड़ा है, आप क्यों तप रही हैं? अम्मा ने पल्लू से माथे का पसीना पोंछा और एक ऐसी आह भरी जो सीधे विकास के कलेजे को चीर गई। बेटा, जब तू छोटा था, तो मैंने चूल्हे की आग में अपनी आँखें गलाई थीं। अब इन गैस के चूल्हों से क्या डरना? तू अपनी 'स्टेटस' वाली दावतें उड़ा, मुझे तो बस इस पसीने का स्वाद ही भाता है। वैसे भी, बड़े घरों में बूढ़ों का हाथ चलते रहना चाहिए, वरना लोग कहते हैं कि बोझ बन गई है। उस रात विकास को लगा कि उसने रोटी नहीं, अपनी माँ का पसीना खाया है। उसका डिनर टेबल एक 'प्रताड़ना केंद्र' बन गया था। पराकाष्ठा तब हुई, जब विकास ने अम्मा के कमरे में 'रिमोट वाला बेड' लगवाया। अम्मा ने उस बिस्तर को छुआ तक नहीं। वे रात को पतली सी दरी बिछाकर कमरे के दरवाज़े के ठीक पीछे सो जातीं। जब रात को विकास पानी पीने के लिए बाहर निकलता, तो दरवाज़ा अम्मा के शरीर से टकराता। माँ! यहाँ क्यों सो रही हैं? चोट लग जाएगी! विकास हड़बड़ाकर चिल्लाता। अम्मा अँधेरे में उठकर बैठतीं और अपनी आवाज़ में दुनिया भर की करुणा भरकर कहतीं, दरवाज़े के पीछे इसलिए सोती हूँ बेटा, ताकि अगर रात को तुझे मेरी ज़रूरत पड़े, तो तुझे आवाज़ न देनी पड़े।

जमुई में महादेव के पांच धाम

जमुई जिला आस्था, पौराणिक कथाओं और धार्मिक विरासत के लिए जाना जाता है. यहां कई प्राचीन शिव मंदिर हैं, जिनका इतिहास काफी पौराणिक है. सावन, महाशिवरात्रि और मकर संक्रांति जैसे पर्वों पर इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है. इनमें से एक मंदिर तो पहाड़ की चोटी पर स्थित है।

भगवान भोलेनाथ की पूजा के लिए जमुई जिले में कई प्रसिद्ध मंदिर हैं. आप यह परिवार के साथ पूजा अर्चना भी कर सकते हैं, साथ ही आप यहां घूमने भी जा सकते हैं. इन मंदिरों का इतिहास पुराना है।

खैरा प्रखंड के चर्चित गिद्धेश्वर मंदिर का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है. करीब 3 एकड़ 88 डिसमील क्षेत्र में फैले इस मंदिर परिसर का निर्माण वर्ष 1941 में महाराज गिद्धौर के तत्कालीन तहसीलदार लाला हरिनंदन प्रसाद ने कराया था. मान्यता है कि गिद्धेश्वर पर्वत के समीप उन्हें एक शिवलिंग प्राप्त हुआ था, जिसे वे अपने साथ ले जाना चाहते थे. लेकिन उसी रात उन्हें स्वप्न आया कि भगवान शिव का मंदिर उसी स्थान पर बनना चाहिए, जहां शिवलिंग की प्राप्ति हुई थी. इसके बाद मंदिर का निर्माण कराया गया. एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार रामायण काल में गिद्धेश्वर पर्वत पर गिद्धराज जटायु का निवास था और सीता हरण के समय रावण से उनका युद्ध यहीं हुआ था. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यहां सच्चे मन से मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं और सावन में विशेष पूजा होती है।

झाझा मुख्य मार्ग पर बरहट प्रखंड क्षेत्र में किउल नदी के तट पर स्थित पतनेश्वर पहाड़ धार्मिक और प्राकृतिक आस्था का अनोखा संगम है. करीब 90 फीट ऊंचे पहाड़ की चोटी पर बाबा पतनेश्वरनाथ महादेव विराजमान हैं. श्रद्धालु 104 सीढ़ियां

चढ़कर मंदिर परिसर तक पहुंचते हैं. यहां माता पार्वती का भी मंदिर स्थित है. सावन और मकर संक्रांति के अवसर पर यहां भव्य मेला लगता है. मान्यता है कि किउल नदी में स्नान के बाद यहां पूजा करने से सभी मुरादें पूरी होती हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार यहां कुष्ठ रोग तक ठीक हो जाते हैं. ओडिशा के एक कुष्ठ रोगी को स्वप्न में बाबा बैद्यनाथ ने पतनेश्वर धाम आने का आदेश दिया था और एक माह सेवा करने के बाद वह रोगमुक्त हो गया था।

जिला मुख्यालय के सिकंदरा जमुई मुख्य मार्ग पर स्थित बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर भी आस्था का बड़ा केंद्र है. इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग विराजमान है, जिन्हें बाबा बैद्यनाथ का उपलिंग भी कहा जाता है. जानकारों के अनुसार यह मंदिर 13वीं सदी से भी पुराना है. बिहार के साथ-साथ बंगाल और झारखंड से भी श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं. मान्यता है कि बाबा धनेश्वर नाथ सभी श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी करते हैं. हालांकि मंदिर और इसके समीप स्थित तालाब का रखरखाव संतोषजनक नहीं है. तालाब सूखने के कगार पर है और रखरखाव के नाम पर सिर्फ औपचारिकता देखी जाती है।

जमुई जिला मुख्यालय से महज चार किलोमीटर दूर सिंगारपुर में स्थित झिकुटिया महादेव मंदिर अपनी अनोखी परंपरा के लिए प्रसिद्ध है. करीब 300 साल पुराने इस मंदिर में आज भी गैर ब्राह्मण ही मुख्य पुजारी के रूप में पूजा-अर्चना करते हैं. मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ ने एक स्थानीय व्यक्ति को स्वप्न में आकाश की ओर जाते प्रकाश पुंज का दर्शन कराया था. उस समय यह क्षेत्र घने जंगलों से घिरा था. स्वप्न के संकेत पर जब लोग वहां पहुंचे तो शिवलिंग प्रकट अवस्था में मिला. तभी से यहां नियमित पूजा होती आ रही है और यह मंदिर जमुई के प्रमुख शिवालयों में गिना जाता है।

खैरा बाजार स्थित रावणेश्वर शिव मंदिर भी काफी प्रसिद्ध है. इस मंदिर का निर्माण चंदेल वंश के महाराज द्वारा कराया गया था और इसका इतिहास सौ साल से अधिक पुराना बताया जाता है. स्थानीय लोगों के अनुसार यह मंदिर वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है. सावन और महाशिवरात्रि के दौरान यहां विशेष भीड़ देखने को मिलती है. रावणेश्वर शिव मंदिर न सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि खैरा बाजार की सांस्कृतिक पहचान से भी जुड़ा हुआ है।

ब्रह्मा के मन से कैसे पैदा हुए नारद मुनि ?

भारतीय पौराणिक इतिहास में नारद मुनि एक ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व हैं, जिनकी उपस्थिति मात्र से कथाओं में नया मोड़ आ जाता है। उन्हें केवल देवताओं का संदेशवाहक कहना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि वे ज्ञान, भक्ति और संगीत के साक्षात स्वरूप हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हाथ में वीणा और मुख पर नारायण-नारायण का जाप करने वाले इस महान ऋषि का प्राकट्य कैसे हुआ। अक्सर हम शरीर से जन्म लेने वाली संतानों के बारे में जानते हैं, परंतु देवर्षि नारद का अस्तित्व किसी भौतिक देह से नहीं, बल्कि सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा के संकल्प और उनके मन से उत्पन्न हुआ है। यही कारण है कि उन्हें ब्रह्मा जी का मानस पुत्र होने का गौरव प्राप्त है। नारद मुनि का जन्म केवल एक दैवीय घटना नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय चेतना के विस्तार की एक अलौकिक प्रक्रिया थी। एक ऐसा पुत्र, जिसने जन्म लेते ही संसार के बंधनों को त्यागकर भक्ति के मार्ग को चुना। आखिर ब्रह्मा जी के मन में ऐसा क्या विचार आया कि नारद का जन्म हुआ और एक दासी-पुत्र से देवर्षि बनने तक का उनका वह रहस्यमयी सफर क्या था। तो आइए जानते हैं नारद मुनि के मानस पुत्र बनने की वह प्राचीन कथा के बारे में-

मानस पुत्र का अर्थ क्या है ?

मानस पुत्र का अर्थ है वह संतान जिसकी उत्पत्ति शरीर से नहीं, बल्कि केवल संकल्प और मन की शक्ति से हुई हो। जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना के दौरान अपने मन को एकाग्र किया, तब उनके मन के संकल्प से एक तेजस्वी बालक का प्राकट्य हुआ, जिन्हें हम नारद मुनि के नाम से जानते हैं।

नारद के जन्म की अलौकिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब ब्रह्मा जी सृष्टि का निर्माण कर रहे थे, तो उन्हें ऐसे सहायकों की आवश्यकता थी जो संसार के नियमों और ज्ञान का प्रसार कर सकें। ब्रह्मा जी के अलग-अलग अंगों से अलग-अलग ऋषियों का जन्म हुआ, लेकिन जब उन्होंने अपने मन का उपयोग किया, तब वीणा धारण किए हुए नारद प्रकट हुए। जन्म लेते ही नारद मुनि ने भगवान विष्णु की भक्ति में लीन होने का संकल्प लिया। हालांकि, प्रारंभ में ब्रह्मा जी चाहते थे कि नारद सृष्टि के विस्तार में मदद करें, लेकिन नारद का मन केवल हरि-भक्ति में रमा था।

महापुराण के अनुसार, मानस पुत्र बनने से पहले नारद अपने पूर्व जन्म में एक दासी पुत्र थे। अपनी माता के साथ रहते हुए उन्होंने संतों की सेवा की और उनके द्वारा छोड़े गए भोजन को ग्रहण किया। संतों की संगति से उन्हें ईश्वर के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान हुआ। माता की मृत्यु के बाद वे वन में चले गए और घोर तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें दर्शन दिए और आशीर्वाद दिया कि अगले कल्प में वे उनके पार्षद और ब्रह्मा के मानस पुत्र के रूप में जन्म लेंगे।

नारद मुनि का महत्व

नारद मुनि केवल एक संदेशवाहक नहीं हैं, बल्कि वे भक्ति सूत्र के रचयिता भी हैं। वे देवताओं और असुरों, दोनों के बीच समान रूप से पूजनीय हैं क्योंकि उनका हर कार्य अंततः धर्म की स्थापना और जगत के कल्याण के लिए होता है।

क्या भगवान के अनेक रूपों की पूजा करने पर अधिक फल मिलता है?

प्रेमानंद महाराज वृंदावन के प्रसिद्ध संत और अध्यात्मिक गुरु हैं. वो वृंदावन के केली कुंज आश्रम में रहते हैं और एकांतिक प्रवचन करते हैं. प्रेमानंद महाराज के आश्रम में उनका प्रवचन सुनने हर आम और खास व्यक्ति पहुंचता है. भक्त प्रेमानंद महाराज के सामने अपनी जीवन से जुड़ी दुविधाओं को सवाल के रूप में रखते हैं. फिर प्रेमानंद महाराज उन सवालों का उत्तर देकर भक्तों की दुविधा दूर करते हैं।

हर घर में रोजाना पूजा-पाठ किया जाता है. ये भगवान के करीब जाने और उनकी कृपा पाने का एक माध्यम है. घर के मंदिर में कई सारे देवी-देवताओं की प्रतिमा और तस्वीर होती है, जिनकी पूजा की जाती है. ऐसे में एक भक्त ने प्रेमानंद महाराज से पूछा कि हमारे घर के मंदिर भगवान की कई प्रतमाएं हैं. मेरी माता जी सबकी पूजा करती हैं. क्या भगवान की अनेक प्रतिमाओं या रूपों की पूजा करने पर अधिक फल मिलता है? आइए जानते हैं प्रेमानंद महाराज ने इस सवाल का क्या उत्तर दिया?

चाहे जितने रूपों की पूजा करो फल एक ही- प्रेमानंद महाराज

सबसे पहले प्रेमानंद महाराज सवाल सुनकर मुस्कुराए. फिर उन्होंने बताया कि भगवान एक ही हैं. हालांकि, भगवान के अनंत रूप हैं. आप जितने चाहो उतने रूपों को विराजमान करके उनकी पूजा कर लो, लेकिन फल एक ही मिलेगा. भगवान के हजार रूपों को विराजमान करके पूजा करने पर आपका भाव बटता है. हजार जगह पूजा करने पर भी आपको फल कम मिलेगा.

उन्होंने बताया कि वहीं जो भगवान के एक ही रूप की पूजा कर रहा है, उसको भगवान अधिक फल देंगे. भगवान एक ही हैं तो उनके एक ही रूप की पूजा करनी चाहिए।

रामकृष्ण परमहंस जी ने मां काली की पूजा की. उन्होंने मां काली में ही सब भगवान के रूप देखे. तुलसीदास जी ने भगवान राम की पूजा की. उन्होंने सब में सियाराम को देखा. इसी तरह गोपियों ने श्रीकृष्ण को माना तो उन्होंने सब में श्याम को ही देखा.

प्रेमानंद महाराज ने बताया कि प्रेम एक ही जगह होता है, इसलिए अगर भगवान से प्रेम करना है, तो उनके किसी एक रूप को स्वीकार लेना चाहिए. फिर उनका ही नाम जप और पूजा करनी चाहिए।

माता सीता के लिए एक नहीं 7 लक्ष्मण रेखा खींची गई थी

त्रेता युग में भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतार लिया था. भगवान राम ने रावण का अंत करके धरती पर दोबारा धर्म को स्थापित किया. रावण के अंत की कहानी वनवास के दौरान माता सीता के हरण से शुरू हुई थी. जब लक्ष्मण जी ने शूर्पणखा की नाक काट दी तो रावण ने अपनी बहन के अपमान का बदला लेने के लिए माता सीता का हरण एक साधु के रूप में किया था।

सबसे पहले उसने अपने मामा मारीच को सोने का मृग बनने को कहा, जिसको सीता जी की खातिर लेने के लिए भगवान राम गए. बाद में सीता जी के कहने पर लक्ष्मण जी भगवान राम को खोजते हुए गए. इस दौरान उन्होंने माता जानकी की रक्षा के लिए रेखा खींच दी. हालांकि, लक्ष्मण रेखा के बावजूद भी रावण माता सीता का हरण करके उनको लंका ले गया और अशोक वाटिका में रखा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि माता सीता की रक्षा के लिए लक्ष्मण जी ने एक नहीं, बल्कि सात लक्ष्मण रेखा खींची थी? आइए इस कहानी को विस्तार से जानते हैं।

इस रामयाण में सात लक्ष्मण रेखा का है जिक्र

वाल्मीकि रामायण और तुलसीदास जी के रामचरित मानस में कहीं भी लक्ष्मण रेखा का जिक्र नहीं किया गया है. हालांकि, लंका कांड में मंदोदरी अवश्य रावण से इस बारे में कह रही हैं. वहीं सबसे पहले इसका जिक्र एक तेलगू रामायण रंगनाथ में किया गया. ये रामायण एक राजा द्वारा लिखी गई. इस रामायण में पहली बार लक्ष्मण रेखा का जिक्र किया गया. रंगनाथ रामायण में एक नहीं, बल्कि सात लक्ष्मण रेखा का जिक्र किया गया है।

कथा के अनुसार...

वहीं एक कथा के अनुसार, सीता माता ने लक्ष्मण रेखा को पार नहीं किया, बल्कि जब रावण उनके पास भिक्षा मांगने आया तो उन्होंने उससे कई सारे प्रश्न किए. माता सीता ने रावण से पूछा कि ब्रह्म कौन हैं, जीव कौन हैं? ब्रह्म जीव की कैसी संज्ञा है? इसके अलावा अन्य कई प्रश्न भी उन्होंने रावण से किए, लेकिन रावण असुर होने के साथ महाज्ञानी था. वो माता सीता के एक-एक प्रश्न के उत्तर देता गया और माता सीता लक्ष्मण रेखा लांघती गईं. फिर अंत में रावण उनका हरण करके ले गया।

वेदों और शास्त्रों के जानकारों के अनुसार, रंगनाथ रामायण 250 से 300 साल पहले आई थी. इसके एक बंगाली रामायण कृतिवास आई. ये रामायण करीब 100 साल पहले आई. इसमें भी लक्ष्मण रेखा का वर्णन आया. इसके बाद आनंद रामायण में लक्ष्मण रेखा का जिक्र आया।

योग को आदत बना लें तो वह स्वभाव में बदल जाएगा

अच्छी आदतों के परिणाम वर्तमान में मिलते हैं और बुरी आदतों के नतीजे भविष्य में छुपे रहते हैं। मनुष्य के जीवन में कुछ तो नियम होते हैं और कुछ आदतें होती हैं। अगर आदतें अच्छी हों तो नियम पालना आसान होता है। बुरी आदत वाले को नियम तोड़ने में ही मजा आता है। भ्रष्ट आचरण न किया जाए, यह एक राजकीय नियम है। लेकिन कितने ही अच्छे लोग सत्ता में बैठ जाएं, लगता है देश से भ्रष्टाचार जा नहीं रहा। एक अधिकारी ने भ्रष्टाचार की व्याख्या करते हुए मुझे बताया था कि चार पशुओं का उदाहरण लेकर नौकरशाहों के भ्रष्टाचार को देखा जा सकता है। पहला, पैसा अपने आप आता है- जैसे मछली पानी में रहकर पानी पी लेती है, पता नहीं लगता। दूसरी श्रेणी के लोग गाय जैसे होते हैं, मांगकर लेते हैं। तीसरे छीनकर लेते हैं, यानी बंदर की श्रेणी। और चौथे शेर जैसे लूट ही लेते हैं। लेकिन योग को आदत बना लें तो धीरे-धीरे वह अपने आप स्वभाव में बदल जाएगा। नतीजे में अच्छी आदत अपने आप उतरेगी।

क्या धन सच में सुख देता है ? ये कहानी पढ़कर बदल जाएगी सोच

यूनान में 'ओर सोलोन' नाम के महान दार्शनिक और कवि हुए हैं। एक बार की बात है कि उनकी मुलाकात उस समय के लीबिया के राजा क्रीसस से हुई। राजा ने सोलोन के सामने अपनी संपत्ति का प्रदर्शन किया।

उसने सब प्रकार के आभूषणों को सोलोन के सामने रखकर पूछा, ''क्या इतनी बड़ी संपत्ति का स्वामी संसार का सबसे सुखी व्यक्ति नहीं है।''

सोलोन ने जवाब दिया, ''नहीं, इससे भी सुखी एक व्यक्ति है और मैं उसे जानता हूं। वह यूनान का एक गरीब किसान है। अमीरी और गरीबी दोनों अवस्थाओं में उसकी बहुत कम जरूरतें होती हैं और उसने उन जरूरतों को अपनी मेहनत से पूरा करना सीख लिया है।''

सोलोन के इस उत्तर से उस राजा को प्रसन्नता नहीं हुई। वह तो एक ऐसे उत्तर की प्रतीक्षा में था, जिससे उसके अभिमान की संतुष्टि हो। इसलिए उसने फिर पूछा, ''क्या सोलोन उसे सुखी नहीं समझते।''

सोलोन ने उत्तर दिया,''मृत्यृ से पहले किसको सुखी कहा जाए।'' सोलोन का यह उत्तर बाद में सच साबित हुआ। कुछ समय बाद एक अन्य राजा ने लीबिया के साम्राज्य पर आक्रमण कर दिया, साम्राज्य ध्वस्त हो गया और क्रीसस बंदी बना लिया गया।

जब वह मृत्युदंड के लिए ले जाया जा रहा था, तब उसे सोलोन की वह बात याद आई। फांसी के तख्ते पर वह सोलोन का नाम लेकर रोने लगा। विजेता राजा ने जब यह सुना तो वह भी उसका रहस्य जानने के लिए उत्सुक हुआ। जब क्रीसस ने उसे सोलोन का वह वाक्य सुनाया, तब राजा खुद अपने भविष्य के लिए चिंतित होने लगा। उसने क्रीसस को क्षमादान दे दिया और उसे अपना मित्र बना लिया।

इस तरह से सोलोन की बात ने एक राजा की जान बचाई, और दूसरे को सुधार दिया।

एआर रहमान ने 'कम्युनल' विवाद पर सफाई के बाद रिलीज किया नया गाना 'मयिले', फिर निशाने पर आए सिंगर

विवाद के बीच एआर रहमान ने नया ट्रैक रिलीज किया है। ये मूनवॉक फिल्म का है, जिसका टाइटल 'मयिले' है। रहमान ने जैसे ही सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी, कई लोग उनके खिलाफ हो गए। कइयों ने पोस्ट की टाइमिंग को लेकर उन्हें निशाना बनाया है। पढ़ें रिपोर्ट।

एआर रहमान ने हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर जो कम्युनिल बयान दिया, उसके बाद लोग दो ग्रुप में बंट गए। किसी ने उनका साथ दिया तो ज्यादातर उनके खिलाफ खड़े नजर आए। मामला बढ़ता देख उन्होंने माफी भी मांग ली। अब ऑस्कर विनर कंपोजर ने मनोज निरमाला श्रीधरन की अपकमिंग तमिल म्यूजिकल फैंटेसी मूवी 'मूनवॉक' का अपना नया ट्रैक 'मयिले' रिलीज कर दिया है।

एआर रहमान ने सोशल मीडिया पर गाने का ऑडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मयिले - मूनवॉक का ऑडियो सॉन्ग।

आनंद लें। और बताएं कि आपको यह कैसा लगा।' उन्होंने सिंगर जोएल जो और गीतकार विष्णु एडवन की भी तारीफ की। उन्होंने आगे लिखा, 'मूनवॉक, एक कॉमेडी फिल्म, सिनेमाघरों में - मई 2026।'

जानबूझकर किया सबकुछ!

हालांकि, इंटरनेट पर कुछ लोगों को गाने की रिलीज का समय पसंद नहीं आया। एक यूजर ने कहा, 'वीडियो, जो पहले जारी किया गया था और काफी विवाद पैदा कर रहा है, जानबूझकर लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाया गया था। आपको पता था कि लोग कहां रिएक्शन देंगे और इसे जारी करने का यही सही समय था।' वहीं, कुछ उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। एक ने कहा, 'मुझे एआर रहमान का म्यूजिक पर फोकस करना पसंद है। जहां हम बाकी लोग अपने टैलेंट का बचाव करने में घंटों बिताते हैं, वो हमेशा इस पर फोकस करते हैं। रहमान के युग में जन्म लेना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।'

एआर रहमान के बयान पर विवाद

एआर रहमान कहा कि उन्हें पिछले 8 साल से बॉलीवुड में कम काम मिला है। इसके पीछे बदलाव है। सांप्रदायिक कारण भी हो सकते हैं। उन्होंने जैसे ही ये बयान दिया, बहस होने लगी। मामला बढ़ता देख उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि उनके शब्दों का मकसद किसी को दुख पहुंचाना नहीं था। उनका इरादा सांप्रदायिकता पर आरोप लगाना भी नहीं था, बल्कि इंडस्ट्री में बदलाव के बारे में बात करना था। उन्होंने भारत को अपना गुरु और घर भी कहा है।

एआर रहमान की हुई आलोचना

कंगना रनौत ने रहमान को 'नफरत' से भरा बताया। जावेद अख्तर भी उनकी इस बात से सहमत नहीं हैं। सिंगर शान ने भी कहा कि अच्छे काम पर ध्यान दो। शोभा डे ने उनके बयान को खतरे वाला बताया। परेश रावल ने एआर रहमान के लिए कहा कि उनका बयान किसी को चोट पहुंचाने के लिए नहीं था।

नोरा फतेही का शादीशुदा भूषण कुमार के साथ है अफेयर? एक्ट्रेस की छूटी हंसी तो लोग हुए हैरान

एक्ट्रेस नोरा फतेही का नाम भूषण कुमार से जोड़ा गया और पुरानी पोस्ट वायरल हुई तो एक्ट्रेस ने उस पर प्रतिक्रिया दी। जिस पर अब लोग चर्चा कर रहे हैं और ऐसी अफवाह उड़ाने वाले को फटकार रहे हैं।

एक्ट्रेस नोरा फतेही का नाम टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार के साथ एक बार फिर से जोड़ा गया। जिस पर अदाकारा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। सबसे पहले ये अफवाह साल 2022 में उड़ी थी, जब फिल्म क्रिटिक उमैर संधू ने एक पोस्ट में दावा किया था कि दोनों को बीते दो साल से अफेयर चल रहा था। अब एक टिकटॉकर ने फिर से इस तरह की अफवाह उड़ाई है।

रेडिट पर एक थ्रेड वायरल हुआ, जिसमें नोरा फतेही ने भूषण कुमार के साथ कथित अफेयर की अफवाह पर रिएक्ट किया था। एक इंफ्लुएंसर ने एक्ट्रेस के उस कमेंट का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जो उन्होंने टिकटॉक वीडियो पर

किया था। उसमें हंसने वाले इमोजी के साथ उन्होंने लिखा था, 'वाओ।' इसके बाद अटकलें लगाई गईं कि उनका अफेयर चल रहा है। जबकि भूषण कुमार की शादी दिव्या खोसला से हो रखी है और उनके दो बच्चे भी हैं।

नोरा फतेही का पोस्ट पर कमेंट

इस पर लोगो ने हैरान जताई और पूछा कि उन्होंने अब क्यों कमेंट किया? एक ने लिखा, 'इन्होंने अब क्यों जवाब दिया? इससे तो और ज्यादा व्यूज आएंगे। वो खुद ही मुसीबत मोल ले रही हैं।' एक ने लिखा, 'लोग सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लेते हैं। कुछ व्यूज और लाइक्स के लिए लोगों को बेइज्जत कर देते हैं।' एक ने लिखा, 'झूठ मत बोलो यार।'

नोरा फतेही का फुटबालर के साथ अफेयर?

बता दें कि एक्ट्रेस का नाम मोरक्को के फुटबॉलर अशरफ हकीमी के साथ जुड़ा है। बताया जाता है कि वह उन्हें डेट कर रही हैं। हालांकि दोनों ने इसे कंफर्म नहीं किया है। फुटबॉलर ने बस एक्ट्रेस का एक पोस्ट लाइक किया था, जिसके बाद से ही ये अटकलें लगाई जा रही हैं।

एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' में नजर आई थीं। इसके अलावा वह ' थम्मा' के गाने 'दिलबर की आंखों का' मे भी फीचर हुई थीं।

अल्लू अर्जुन ने जापान में सेनसोजी मंदिर में किए दर्शन

बीवी स्नेहा रेड्डी और बच्चों संग फोटो आई सामने

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज के लिए जापान में थे। वहां पर उनके साथ उनकी बीवी स्नेहा रेड्डी और बच्चे अल्लू अरहा और अल्लू अयान भी थे। तेलुगू एक्टर ने अब सोशल मीडिया पर एक फैमिली फोटो शेयर की है, जो इंटरनेट पर छाई हुई है।

'पुष्पा 2' एक्टर अल्लू अर्जुन अपने परिवार के साथ जापान में हैं, जहां से उन्होंने प्यारी सी फैमिली फोटो शेयर की है। उनके साथ उनकी बीवी स्नेहा रेड्डी और बेटे अल्लू अयान और बेटी अल्लू अरहा भी हैं। तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के लिए जापान में थे।

अल्लू अर्जुन और उनकी फैमिली जापान के टोक्यो में पुराने बौद्ध मंदिर सेनसोजी मंदिर के सामने खड़े हैं। बताया जाता है कि ये मंदिर 7वीं सदी में बना है। अल्लू ने बीवी स्नेहा और बच्चों के साथ फोटो शेयर कर कैप्शन में काला दिल बनाया है और हैशटैग में मंदिर का नाम लिखा।

'पुष्पा 2' के लिए जापान में एक्टर

बता दें कि अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की ये फिल्म जापान में रिलीज हुई थी। इसी सिलसिले में एक्टर वहां पर थे। उन्होंने अपने फेमस डायलॉग को जापानी भाषा में बोलकर सभी का दिल जीत लिया था। फिल्म की स्क्रीनिंग में रश्मिका भी उनके साथ मौजूद थीं।

अल्लू अर्जुन और लोकेश कनगराज की फिल्म

अल्लू अर्जुन की नई फिल्म का ऐलान हो चुका है। उन्होंने लोकेश कनगराज के साथ हाथ मिलाया है। हाल ही में इसका टीजर वीडियो रिलीज किया गया था। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। इसकी शूटिंग साल 2026 में शुरू होगी।

एटली के साथ भी अल्लू अर्जुन की फिल्म

इसके अलावा अल्लू अर्जुन डायरेक्टर एटली के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं। अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

2016 के ट्रेंड में शामिल हुईं भूमि पेडनेकर शेयर की अक्षय कुमार के साथ पहली तस्वीर

भूमि पेडनेकर भी बॉलीवुड की बाकी सेलेब्स की तरह सोशल मीडिया पर '2016' ट्रेंड में शामिल हो गई हैं। अपनी तस्वीरों की एक पोस्ट में भूमि ने उस साल के कई पलों को साझा किया है, जिनमें अक्षय कुमार के साथ उनकी पहली तस्वीर, बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए पिलाटेस सेशन शामिल हैं। भूमि की ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

भूमि का पोस्ट

भूमि ने 2015 में फिल्म दम लगा के हईशा से अपनी एक्टिंग की शुरुआत की थी। आयुष्मान खुराना के साथ इस फिल्म में भूमि ने एक मोटी टीचर का रोल निभाया था। उस समय उन्होंने पुरानी सोच को तोड़कर अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 2016 में उन्होंने अपना वजन कम किया और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' में काम किया। अपनी नई पोस्ट में, भूमि ने 2016 के कुछ यादगार पलों को शेयर किया, जैसे उनका पहला फोटोशूट और बॉडी चेंज की तस्वीरें।

पहली स्लाइड में भूमि ने 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' के सेट से अक्षय के साथ एक मजेदार सेल्फी शेयर की है। दूसरी स्लाइड में उनके पहले फोटोशूट की तस्वीर है, जिसमें वो काली ड्रेस में पोज दे रही हैं। फिल्मफेयर मैगजीन में भूमि का पहला फीचर 2016 में आया था। उन्होंने अपने शरीर को बदलने के लिए पिलाटेस किए थे। भूमि की तस्वीरों में एक मजेदार तस्वीर अक्षय कुमार के साथ है। दोनों सेल्फी में साथ हैं, और पीछे एक भारतीय टॉयलेट दिख रहा है। आखिरी तस्वीर उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर के साथ है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसकी बहुत तारीफ कर रहे हैं।

भूमि पेडनेकर का वर्कफ्रंट

भूमि पेडनेकर अगली बार वेब सीरीज 'दलदल' और 'द रॉयल्स' सीजन 2 में नजर आएंगी। उन्हें आखिरी बार 'द रॉयल्स' और 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था।

जुबीन गर्ग की मौत के मामले में नया मोड़

आरोपी श्यामकानू की अर्जी के बाद पत्नी गरिमा गर्ग ने असम सरकार से की अपील

असम के कल्चरल आइकन सिंगर जुबीन गर्ग की मौत का मामला अब भी कोर्ट में है। इस केस में कई मोड़ आ चुके हैं। कई लोग जांच के दायरे में हैं। इस मामले में मुख्य आरोपियों में से एक श्यामकानू महंत ने जमानत के लिए अर्जी दी। साथ ही सिंगर के बॉडीगार्ड नंदेश्वर बोरा ने जमानत की अर्जी कोर्ट में डाली है। इस बात की जानकारी दिवंगत जुबीन गर्ग की पत्नी ने साझा की है।

जुबीन गर्ग की पत्नी ने असम सरकार से की यह अपील

जुबीन गर्ग के केस की सुनवाई के बाद कामरूप मेट्रोपॉलिटन डिस्ट्रिक्ट और सेशंस कोर्ट के बाहर गरिमा सैकिया गर्ग (जुबीन की पत्नी) मीडिया से बातचीत की। गरिमा ने कहा उनके पति की मौत के समय यॉट पर मौजूद सभी लोगों को असम सरकार की जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए।

जुबीन गर्ग की पत्नी ने आरोपी की जमानत याचिका पर दी प्रतिक्रिया

जुबीन गर्ग की पत्नी ने कोर्ट की कार्यवाही देखने के बाद कहा, 'आज दो और आरोपियों ने जमानत याचिकाएं दायर की हैं। इस बार श्यामकानू महंत और नंदेश्वर बोरा ने जमानत के लिए प्रार्थना की।' इससे पहले संदीपान गर्ग, अमृत प्रभा महंत और प्रबीन बैश्य ने जमानत के लिए अर्जी दी थी। गरिमा गर्ग को सरकार द्वारा नियुक्त स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर टीम पर भरोसा है। लेकिन वह कहती हैं, 'अब मैं दोषियों के लिए सबसे कड़ी सजा चाहती हूं। इन शैतानों को मार देना चाहिए।'

सिंगापुर पुलिस की जांच पर क्या बोलीं गरिमा गर्ग

जब गरिमा गर्ग से सिंगापुर पुलिस की जांच के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'वे कहते थे कि यह एक इंडिपेंडेंट जांच है, इसका भारतीय जांच से कोई लेना-देना नहीं है।' हालांकि जुबीन गर्ग की पत्नी ने जोर देकर कहा कि सिंगर की मौत के समय यॉट पर मौजूद सभी असमिया प्रवासियों को भारत में चल रहे केस में आरोपी बनाया जाना चाहिए। वह कहती हैं, 'हमारा मानना है कि यॉट पर मौजूद सभी लोग जुबीन की मौत के लिए बराबर जिम्मेदार हैं। उन सभी ने घटना के बाद जुबीन को नजरअंदाज किया। 75 मिनट तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन सबको ट्रायल का सामना करना ही होगा।'

क्या है जुबीन गर्ग की मौत से जुड़ा मामला?

सिंगर जुबीन गर्ग की पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में समंदर में तैरते समय रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के चौथे एडिशन में शामिल होने सिंगापुर गए थे। इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक श्यामकानू महंत थे। असम सरकार द्वारा बनाई गई एक एसआईटी ने जुबीन गर्ग की मौत के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जुबीन की मौत को हत्या बताया था। हालांकि, सिंगापुर पुलिस ने इस मामले में किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया।

पिता की पुण्यतिथि पर एनटीआर घाट पहुंचे नंदमूरि बालकृष्ण, दी श्रद्धांजलि

साउथ जगत के दिग्गज अभिनेता, निर्माता-निर्देशक और स्क्रीनराइटर रहे नंदमुरी तारक रामा राव यानी एनटीआर की रविवार 18 जनवरी को 30वीं पुण्यतिथि है। एनटी रामा राव ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में भी सेवाएं दी थीं। आज उनकी डेथ एनिवर्सरी पर उनके बेटे और एक्टर नंदमूरि बालकृष्ण उन्हें श्रद्धांजलि देने एनटीआर घाट पहुंचे। उनके अलावा परिवार के अन्य सदस्य भी पहुंचे।

नंदमूरि बालकृष्ण ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

एक्टर और एमएलए नंदामूरी बालकृष्ण अपने पिता की 30वीं पुण्यतिथि पर एनटीआर घाट पहुंचे। उन्होंने पुष्प अर्पित कर पिता को श्रद्धांजलि दी और नमन किया।

नंदमुरी कल्याण राम भी पहुंचे

नंदमूरि बालकृष्ण के अलावा परिवार के अन्य सदस्य भी एनटीआर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। एक्टर नंदमुरी कल्याण राम भी अपने दादा की पुण्यतिथि पर एनटीआर घाट पहुंचे। उन्होंने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बता दें कि नंदमुरी कल्याण राम, लोकप्रिय एक्टर जूनियर एनटीआर के भाई हैं। वे खुद भी तेलुगु इंडस्ट्री में एक्टिव हैं।

नारा लोकेश ने दी श्रद्धांजलि

इसके अलावा नारा लोकेश भी एनटीआर घाट पहुंचे और एनटी रामा राव को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि एनटीआर, नारा लोकेश के नाना थे।

सिनेमा और राजनीति दोनों में स्टार थे एनटीआर

एन.टी. रामा राव का जन्म 28 मई 1923 को आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव निम्माकारू में हुआ था। उन्होंने अपने करियर में एक कलाकार, निर्देशक और निर्माता के तौर पर काम किया था। उन्होंने खूब शोहरत बटोरी। फिल्मी दुनिया में नाम कमाने के बाद एन.टी रामा राव ने राजनीति में हाथ आजमाया। कुछ समय बाद वे राजनीतिक के भी स्टार नेता बन गए और काफी लोकप्रियता बटोरी। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में ज्यादातर धार्मिक फिल्में की। अधिकांश फिल्मों में वह हिंदू देवताओं का किरदार निभाते थे।

एन.टी रामा राव ने साल 1982 में राजनीतिक पार्टी तेलुगु देशम पार्टी की स्थापना की। इसके बाद

1983 में पहली बार, 1985 में दूसरी बार और 1994 में तीसरी बार आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 18 जनवरी, 1996 को हैदराबाद में 72 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली।

जन्मदिन पर मिनिषा लांबा ने लिखा मां के लिए इमोशनल नोट; कहा- 'हर जन्म में आप ही मां बनना'

कई चर्चित बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस मिनिषा लांबा अब इंडस्ट्री से दूर हैं। हालांकि, वे सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहती हैं। आज 18 जनवरी को वे अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस अवसर पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने खुद को बधाई दी है। साथ ही अपनी मां के नाम नोट लिखा है।

जन्मदिन पर मिनिषा ने शेयर किया पोस्ट

मिनिषा लांबा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'मुझे जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई! आज जिसे सेलिब्रेट करना चाहिए, असली हीरो मेरी मां हैं। दुनियाभर की सभी मां हीरो हैं। मेरी मां जब लेबर पेन में सारे मुश्किल काम कर रही थीं, मैंने तो तब भी बस मौ महीने आराम कर रही थी। फिर मां ने अपने पहले बच्चे के साथ सबकुछ संभाला'।

'आप हर जन्म में मेरी मां बनना'

अपनी मां को पोस्ट में टैग करते हुए मिनिषा ने लिखा है, 'मैं आपसे बेहद प्यार करती हूं मां। उम्मीद करती हूं कि आपकी (और दुनिया की हर मां की) सारी मेहनत और कुर्बानियां रंग लाई होंगी। मुझे उम्मीद है कि मैं आपकी बेटी होने के नाते आपके तकलीफ के दिनों में थोड़ी बहुत ही सही, खुशियां दे पाई हूं। जैसे-जैसे मैं बड़ी हो रही हूं, हर साल मुझे एहसास होता है कि इस दुनिया में जिंदगी लाने और हर दिन अपनी पूरी क्षमता से काम करने में कितनी मेहनत लगती है। लोग अपने जीवनसाथी के लिए सात जन्मों तक का साथ चाहते हैं। मगर, आपके लिए मैं चाहूंगी कि आप हर जन्म में मेरी मां बनें।

मॉडलिंग से शुरू किया था करियर

मिनिषा के करियर की बात करें तो उन्होंने मॉडलिंग से शुरुआत की। एक्ट्रेस ने दिल्ली के मिरांडा हाउस कॉलेज से पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान वे मॉडलिंग करने लगीं। मिनिषा ने कई बड़ी कंपनियों के एड फिल्म में काम किया। इनमें 'एलजी', 'सोनी', 'कैडबरी', 'हाजमोला', 'एयरटेल' और 'सनसिल्क' जैसे ब्रांड हैं। 'कैडबरी' के एड के दौरान निर्देशक शूजित सरकार ने उन्हें अप्रोच किया। मिनिषा ने साल 2005 में शूजित सरकार की फिल्म 'यहां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। मिनिषा 'बिग बॉस' सीजन 8 की कंटेस्टेंट रह चुकी हैं।

नए स्टार्टअप से आत्मनिर्भर बन रहीं महिलाएं झांसी की प्रवेश कुमारी की कहानी है मिसाल

बुंदेलखंड की धरती अब न केवल शौर्य के लिए, बल्कि महिला उद्यमिता के रूप में भी पहचानी जा रही है। झांसी की प्रवेश कुमारी ने चारा बनाने की यूनिट के जरिये वह मुकाम हासिल किया है, जो आज प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए उदाहरण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के सपने को धरातल पर उतारते हुए प्रवेश ने सौर ऊर्जा की मदद से उच्च गुणवत्ता वाले पशु चारे की यूनिट स्थापित कर न केवल खुद को आर्थिक रूप से सशक्त किया, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ा है।

बिजली खर्चा शून्य, मिल रहा सस्ता और पोषक चारा

इस उद्यम की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईको-फ्रेंडली होना है। योगी सरकार और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स (DA) के सहयोग से स्थापित यह यूनिट पूरी तरह 18 kW सौर ऊर्जा प्रणाली पर संचालित होती है। इससे बिजली का खर्च शून्य के बराबर है, जिससे चारे की उत्पादन लागत कम आती है। सस्ता और पोषक चारा मिलने से स्थानीय डेयरी किसानों के पशुओं का स्वास्थ्य सुधरा है और दूध उत्पादन क्षमता में भी इजाफा हुआ है।

रोजगार और सामूहिक भागीदारी की नई प्रथा

प्रवेश कुमारी आज करीब 25,000 रुपये प्रति माह कमा रही हैं। उनके इस स्टार्टअप ने गांव की सामाजिक संरचना को भी बदला है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ा है। गांव की अन्य महिलाओं को स्थायी आय और आर्थिक स्वतंत्रता मिली रही है। जिससे वे भी अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

खरीद से लेकर गुणवत्ता नियंत्रण तक की जिम्मेदारी खुद संभालती हैं

यहां आधुनिक मशीनरी और मानकीकृत तकनीकों से पौष्टिक चारा तैयार किया जाता है। साथ ही स्थानीय बाजार की मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। प्रवेश केवल उद्यमी नहीं, बल्कि एक कुशल मैनेजर भी हैं। वे कच्चे माल की खरीद से लेकर वित्तीय खातों, उत्पादन योजना और गुणवत्ता नियंत्रण तक की जिम्मेदारी खुद संभालती हैं। उनकी इस सक्रिय शैली और वित्तीय अनुशासन के कारण उनके 'गोमाता कैटल फीड' को पुरस्कृत और सम्मानित किया जा चुका है।

छोटे प्रयास से बड़ी शुरुआत

शुरुआत एक छोटे प्रयास से हुई थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के मार्गदर्शन ने इसे व्यवसाय बना दिया। आज गांव की महिलाएं साथ मिलकर काम कर रही हैं।

दफ्तर में है कार्यक्रम तो गणतंत्र दिवस पर पहनकर जाएं ऐसे आउटफिट

गणतंत्र दिवस का अवसर एक ऐतिहासिक दिन है, जो देश की स्वतंत्रता और गणराज्य बनने के महत्व को दर्शाता है। इस दिन के लिए खास तैयारियां जरूरी होती हैं, ताकि हम अपनी संस्कृति और परंपराओं का सम्मान कर सकें। इस मौके पर स्कूलों के साथ-साथ दफ्तरों में भी कार्यक्रम आयोजित होते हैं। ऑफिस में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए पुरुषों और महिलाओं को एक खास पहनावे की आवश्यकता होती है।

महिलाओं को तो पता होता है कि उन्हें क्या और कैसे पहनना है लेकिन पुरुषों को कई बार ये समझ नहीं आता। ऐसे में हम यहां पुरुषों के लिए आपको आउटफिट्स के बारे में बताएंगे। ताकि पुरुष भी गणतंत्र दिवस के मौके पर स्टाइलिश दिख सकें।

केसरिया कुर्ता

केसरिया रंग भारतीय संस्कृति का प्रतीक है और ये रंग शांति और समृद्धि का संकेत माना जाता है।

गणतंत्र दिवस पर केसरिया कुर्ता पहनना एक परफेक्ट विकल्प हो सकता है। ये न केवल आपको शाही और रॉयल लुक देता है, बल्कि यह भारतीय तिरंगे के रंगों से भी मेल खाता है। इस कुर्ते के साथ आप शर्ट स्टाइल पैंट या चूड़ीदार पहन सकते हैं।

सफेद कुर्ता

सफेद कुर्ता सबसे पारंपरिक और क्लासी लुक देता है। गणतंत्र दिवस के दिन सफेद कुर्ता एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है, जो सादगी और गरिमा का प्रतीक है। सफेद कुर्ता एक तरह से ताजगी और नए सवेरे की शुरुआत का प्रतीक होता है। आप इसे चूड़ीदार, पठानी या धोती के साथ पहन सकते हैं, जिससे आपकी लुक और भी सुंदर लगेगी।

हरा कुर्ता

हरा रंग शांति, समृद्धि और हरियाली का प्रतीक है। ये रंग भारतीय तिरंगे में भी मौजूद है और गणतंत्र दिवस के मौके पर इसे पहनना आपको एक राष्ट्रवादी लुक देता है। हरे कुर्ते को आप नेहरू जैकेट या एक स्टाइलिश शॉल के साथ पहन सकते हैं, जो आपको एक परफेक्ट लुक देगा।

लाल कुर्ता

लाल रंग ऊर्जा और साहस का प्रतीक होता है। गणतंत्र दिवस पर इस रंग का कुर्ता पहनकर आप अपने जोश और उत्साह को प्रदर्शित कर सकते हैं। लाल कुर्ता ऐतिहासिक और परंपरागत दोनों ही दृष्टियों से बहुत खास होता है। इसको आप सिल्क या कॉटन मटीरियल में बनवाकर एक स्टाइलिश लुक पा सकते हैं।

सफेद कुर्ता विद जैकेट

सफेद कुर्ता विद जैकेट एक ट्रेंडी और एथनिक स्टाइल है, जो इस खास दिन पर काफी पॉपुलर है। आप सफेद कुर्ते के साथ किसी हाफ जैकेट को पेयर कर सकते हैं। ये लुक ऑफिस में बहुत अच्छा लगेगा और आपको एक अलग रूप देगा।

सोशल साइंस की पढ़ाई के बाद इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर, ये हैं ऑप्शन

सिविल सर्वेंट

सोशल साइंस ग्रेजुएट छात्रों के लिए सबसे कॉमन करियर ऑप्शन है सिविल सेवा। आप किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करने के बाद सिविल सेवा की परीक्षा में भाग ले कर ब्यूरोक्रेट का हिस्सा बन सकते हैं।

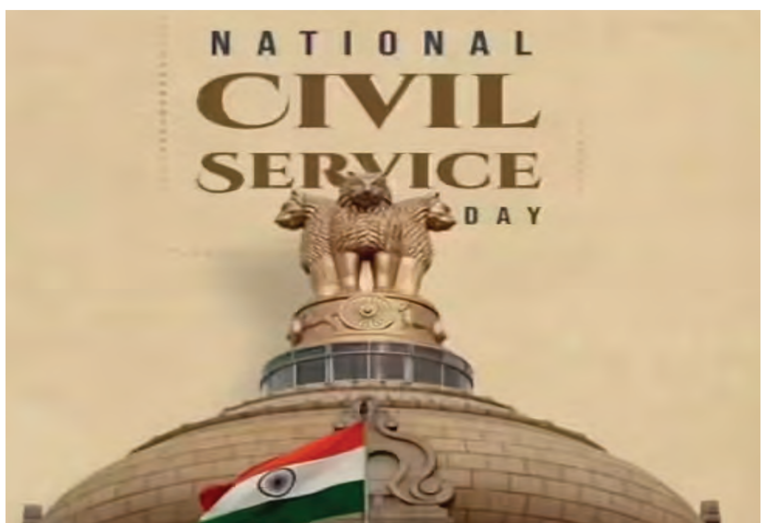

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आमतौर पर उत्पादों और सेवाओं की डिमांड और सप्लाई के आंकड़ों की जांच करता है। वे टैक्स रेट, बिजनेस साइकल, इकोनॉमिक डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में मात्रात्मक और गुणात्मक रिसर्च करते हैं। अगर आप अर्थशास्त्र में गहन ज्ञान और रुचि रखते हैं तो सोशल साइंस ग्रेजुएट्स के लिए यह एक बेहतर करियर विकल्प है।

पॉलिटिकल साइंटिस्ट

जैसा कि नाम से ही पता चलता है पॉलिटिकल साइंटिस्ट पॉलिटिकल ट्रेंड, पॉलिसी, आइडिया पॉलिसी को समझने के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक रिसर्च की मदद लेता है। अधिकतर, राजनीतिक वैज्ञानिक सरकारी विभागों, थिंक टैंक, शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ गैर-लाभकारी संगठनों के भीतर काम करते हैं।

ऑर्गनाइजेशनल साइकोलॉजिस्ट

ऑर्गनाइजेशनल साइकोलॉजिस्ट सोशल साइंस ग्रेजुएट के लिए एक उभरता हुआ करियर ऑप्शन है। यह एक ऑर्गनाइजेशन में वर्कप्लेस में ह्यूमन बिहेवियर को स्टडी करने का कार्य करते हैं। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट अक्सर मैनेजमेंट के साथ सहयोग कर कंपनी में स्टाफ की हायरिंग और ट्रेनिंग का कार्य भी करते हैं।

रिसर्चर

ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र पोस्ट ग्रेजुएशन और रिसर्च कोर्स के लिए साइन अप करके अपनी एकेडमिक पढ़ाई जारी रख सकते हैं। इसके अलावा सोशल साइंस ग्रेजुएट भी सर्वे रिसर्चर के रूप में अपना करियर शुरू कर सकते हैं। वे क्वालिटी सर्वे बनाने और परिणामों से जानकारी का विश्लेषण करने के विशेषज्ञ हैं।

अर्बन एंड रीजनल प्लानर

सोशल साइंस ग्रेजुएट अर्बन एंड रीजनल प्लानर के रूप में भी अपना करियर बना सकते हैं। शहरों में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के शहरीकरण ने इन प्लानर की मांग में वृद्धि की है। वे सुनिश्चित करते हैं कि योजनाएं और प्रस्ताव सभी पर्यावरणीय नियमों, ज़ोनिंग और बिल्डिंग कोड को पूरा करते हों।

बिना तैयारी के बोलने का डर? ऐसे बोलकर सबका ध्यान खींचें; जानें आसान और असरदार तरीके

किसी भी मंच पर बोलते समय श्रोताओं का ध्यान आकर्षित करना और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखना बेहद जरूरी होता है, लेकिन हर अवसर पर पहले से तैयारी करना संभव नहीं होता। ऐसे में बिना तैयारी के बोलने का कौशल सीखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में शांत रहकर विषय का मूल समझना, स्पष्ट संदेश देना और आत्मविश्वास के साथ बोलना आपको कम समय में भी श्रोताओं पर प्रभावशाली छाप छोड़ने में मदद करता है।

बिना तैयारी के बोलना डरावना लग सकता है, लेकिन सही दृष्टिकोण अपनाकर इसे प्रभावी बनाया जा सकता है। इस दौरान आपको सर्वश्रेष्ठ होना नहीं, बल्कि शांत रहकर, साफ सोच के साथ और आत्मविश्वास से अपनी बात रखना है।

मुद्दे का मुख्य बिंदु समझें

अचानक बोलने का अवसर मिलने पर सबसे पहले खुद को शांत रखें। इस दौरान घबराने के बजाय गहरी सांस लेकर दो से तीन सेकंड का विराम लें, ताकि आप अपने विचारों को व्यवस्थित कर सकें। इसके बाद पूरे विषय में उलझने के बजाय सवाल या मुद्दे के मुख्य बिंदु को जल्दी समझें और उसी पर ध्यान केंद्रित करें, क्योंकि स्पष्ट और केंद्रित बात ही आपके संदेश को प्रभावी बनाती है।

बात को हिस्सों में बांटें

अपने विचारों को स्पष्ट रखने के लिए एक सरल ढांचा अपनाना बहुत मददगार होता है। इसके लिए अपनी बात को तीन हिस्सों में बांटें। शुरुआत में, विषय से जुड़ी कोई सामान्य या परिचयात्मक बात रखें, जिससे श्रोता आपसे जुड़ सकें। मध्य भाग में एक या दो मुख्य विचार या छोटे उदाहरण प्रस्तुत करें, ताकि आपकी बात ठोस और समझने योग्य बने। और अंत में एक संक्षिप्त निष्कर्ष या सीख के साथ अपनी बात समाप्त करें, जिससे श्रोताओं को स्पष्ट संदेश का एहसास हो।

आम शब्दों का उपयोग करें

किसी भी बातचीत में सरल और स्पष्ट भाषा सबसे प्रभावी होती है। भारी शब्दों, कठिन वाक्यों या दिखावटी भाषा से बचना चाहिए, क्योंकि ऐसी भाषा न केवल बोलने वाले को उलझा सकती है, बल्कि श्रोताओं के लिए भी समझना कठिन हो जाता है। रोजमर्रा के शब्दों का उपयोग करें ताकि आपके विचार सहज और आत्मविश्वासी ढंग से सामने आएं और श्रोता आसानी से समझ सकें।

स्वीकार करें

बिना तैयारी के बोलते समय ईमानदारी और आत्मविश्वास दिखाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। यदि आपको किसी विषय की पूरी जानकारी नहीं है, तो उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करना चाहिए, क्योंकि श्रोता दिखावे से ज्यादा सच्चाई को पसंद करते हैं। साथ ही, सकारात्मक प्रभाव छोड़ने के लिए केवल शब्द ही नहीं, बल्कि आपका व्यवहार भी अहम भूमिका निभाता है। आंखों से संपर्क बनाए रखना, आवाज को शांत तथा स्वाभाविक हाव-भाव अपनाना आपकी बात को अधिक प्रभावी बनाता है और श्रोताओं के मन में आपके प्रति विश्वास पैदा करता है।

आरबीआई में 10वीं पास के लिए ऑफिस अटेंडेंट की 572 नौकरियां

भारतीय रिजर्व बैंक ने ऑफिस अटेंडेंट पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। पैनल ईयर 2025 के तहत ऑफिस अटेंडेंट के कुल 572 रिक्त पद भरे जाएंगे। अधिसूचना जारी होने के साथ ही पंजीकरण प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 4 फरवरी 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट rbi.org.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आज, 15 जनवरी, 2026 से शुरू हो चुकी है और 4 फरवरी, 2026 को समाप्त होगी। फीस भुगतान की अंतिम तिथि भी 4 फरवरी, 2026 निर्धारित की गई है।

वर्तमान में, ऑफिस अटेंडेंट के लिए शुरुआती मासिक सकल वेतन (HRA के बिना) लगभग 46,029/- रुपये प्रति माह होगा। अगर वे बैंक के आवास में नहीं रह रहे हैं, तो उन्हें वेतन का 15% हाउस रेंट अलाउंस अतिरिक्त रूप से दिया जाएगा।

शैक्षणिक योग्यताः उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं (मैट्रिक) पास होना अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी ग्रेजुएट या उससे अधिक योग्यता रखते हैं, वे इस भर्ती के लिए पात्र नहीं होंगे।

आयु सीमाः आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 25 वर्ष निर्धारित की गई है। आयु की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी। आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

भाषा योग्यताः उम्मीदवार को उस राज्य या क्षेत्र की स्थानीय भाषा पढ़ने, लिखने, बोलने और समझने का ज्ञान होना चाहिए, जहां से वह आवेदन कर रहा है।

चयन प्रक्रिया

नोटिफिकेशन के अनुसार, उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन परीक्षा और इसके बाद भाषा दक्षता परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।

आवेदन कैसे करें

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट rbi.org.in पर जाएं।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पूरा करें।

जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

फॉर्म सबमिट कर उसकी प्रति सुरक्षित रखें।

नौसेना में 260 पदों पर शॉर्ट सर्विस कमीशन भर्ती

भारतीय नौसेना ने शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) के तहत 260 अधिकारी पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह भर्ती इंजीनियरिंग, विज्ञान, वाणिज्य और प्रबंधन पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के लिए एक सुनहरा अवसर है। चयनित उम्मीदवारों को सब लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त किया जाएगा।

अधिकांश पदों पर पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, सबमरीन टेक्निकल शाखा केवल पुरुष उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रखी गई है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 24 जनवरी 2026 से शुरू होकर 24 फरवरी 2026 तक चलेगी। आवेदन केवल भारतीय नौसेना की आधिकारिक वेबसाइट joinindiannavy.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे।

इस भर्ती अभियान के तहत कुल 260 पद विभिन्न शाखाओं और कैडर में भरे जाएंगे। एसएससी ऑफिसर भर्ती 2026 के लिए शैक्षणिक योग्यता शाखा के अनुसार अलग-अलग निर्धारित की गई है। सामान्य तौर पर उम्मीदवार के पास बीई/बीटेक (BE/B.Tech) में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। इसके अलावा कुछ विशेष शाखाओं के लिए बीएससी (B.Sc), बीकॉम (B.Com), एमएससी (M.Sc), एमए (M.A), एमबीए (MBA) और एमसीए (MCA) जैसी योग्यताएं भी मान्य की गई हैं। कई पदों पर आवेदन करने के लिए कक्षा 10वीं और 12वीं में भी कम से कम 60 प्रतिशत अंक और अंग्रेजी विषय में पास होना जरूरी है।

भारतीय नौसेना में एसएससी अधिकारी को आकर्षक वेतन और कई सुविधाएं दी जाती हैं। चयन के बाद सब लेफ्टिनेंट पद पर कुल वेतन लगभग 1,25,000 रुपये प्रति माह तक होता है।

एसएससी ऑफिसर भर्ती की चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। पहले चरण में उम्मीदवारों को शैक्षणिक अंकों के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इसके बाद चयनित उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

आवेदन करने की प्रक्रिया

उम्मीदवारों को भारतीय नौसेना की आधिकारिक वेबसाइट joinindiannavy.gov.in पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। आवेदन के दौरान शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो और अन्य जरूरी दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है। एक बार आवेदन जमा हो जाने के बाद उसमें किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकेगा।

नाबार्ड में विकास सहायक की भर्ती, भरी जाएंगी 162 रिक्तियां; शुरू हो गया पंजीकरण

कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े प्रतिष्ठित बैंक नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD) ने डेवलपमेंट असिस्टेंट भर्ती 2026 का शॉर्ट नोटिस जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 162 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें 159 पद ग्रुप-B डेवलपमेंट असिस्टेंट के लिए और 3 पद ग्रुप-B डेवलपमेंट असिस्टेंट (हिंदी) के लिए निर्धारित हैं।

ऑनलाइन आवेदन की तारीखें

शॉर्ट नोटिस के मुताबिक, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 17 जनवरी 2026 से शुरू होकर 3 फरवरी 2026 तक चलेगी। आवेदन केवल ऑनलाइन मोड में ही स्वीकार किए जाएंगे। किसी अन्य माध्यम से भेजे गए आवेदन मान्य नहीं होंगे।

नाबार्ड की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इस भर्ती का विस्तृत नोटिफिकेशन 17 जनवरी 2026 को आधिकारिक वेबसाइट nabard.org पर जारी किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे नोटिफिकेशन जारी होते ही पात्रता, आयु सीमा और चयन प्रक्रिया से जुड़ी पूरी जानकारी ध्यान से पढ़ लें।

नाबार्ड भर्ती के लिए आवेदन कैसे करें?

उम्मीदवारों को आवेदन करने के लिए NABARD की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। आवेदन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी-

सभी चरण पूरे करने के बाद आवेदन फॉर्म सबमिट करना होगा और भविष्य के लिए उसका प्रिंट सुरक्षित रखना होगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे 17 जनवरी 2026 को जारी होने वाले विस्तृत नोटिफिकेशन का इंतजार करें और समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। भर्ती से जुड़ी किसी भी नई जानकारी के लिए नियमित रूप से नाबार्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें।

ट्रंप ने दी जेपी मॉर्गन पर केस करने की धमकी

भारत में कारोबार फैला रहा है यह बैंक

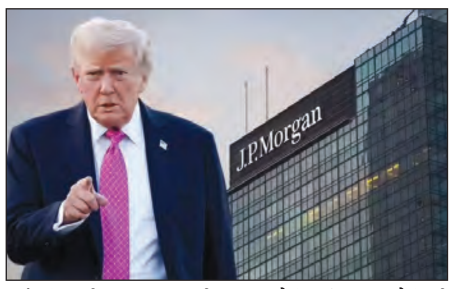

नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के सबसे बड़े और दुनिया के प्रमुख बैंक जेपी मॉर्गन चेज को धमकी दी है। ट्रंप ने कहा है कि वे अगले कुछ हफ्तों में जेपी मॉर्गन चेज बैंक पर मुकदमा करने वाले हैं।

ट्रंप का आरोप है कि 6 जनवरी 2021 को कैपिटल में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद बैंक ने उन्हें गलत तरीके से और अनुचित रूप से अपना ग्राहक नहीं बनाया। जेपी मॉर्गन बैंक भारत में अपना कारोबार फैला रहा है। बैंक ने हाल ही में मुंबई में एक जगह किराये पर ली है। इसका किराया 9 करोड़ रुपये महीने से ज्यादा है। ट्रंप ने जेपी मॉर्गन पर केस करने की बात वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट का खंडन करते हुए कही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि ट्रंप ने जेपी मॉर्गन के सीईओ जेमी डिमन को फेडरल रिजर्व का चेयरमैन बनने का प्रस्ताव दिया था। ट्रंप ने इस दावे को पूरी तरह से झूठ बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव कभी नहीं दिया गया था। उन्होंने अखबार पर भी आरोप लगाया कि उसने छपने से पहले उनसे इस बारे में बात नहीं की।

सोशल मीडिया पर कही केस की बात

ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट 'ट्रुथ सोशल' पर एक लंबा लेख लिखा। उन्होंने कहा, 'फेक न्यूज वॉल स्ट्रीट जर्नल के फ्रंट पेज पर छपी एक खबर में बिना किसी जांच-पड़ताल के कहा गया है कि मैंने जेपी मॉर्गन चेज के जेमी डिमन को फेड चेयरमैन की नौकरी का प्रस्ताव दिया था। यह बात पूरी तरह से झूठ है। ऐसा कोई प्रस्ताव कभी नहीं दिया गया था और असल में मैं अगले दो हफ्तों में जेपी मॉर्गन चेज पर मुकदमा करने वाला हूं क्योंकि उन्होंने 6 जनवरी के विरोध प्रदर्शन के बाद मुझे गलत तरीके से और अनुचित रूप से डीबैंक किया।'

क्यों बिलबिला जाते हैं ट्रंप?

यह घटना उन कानूनी लड़ाइयों की बढ़ती सूची में एक और कड़ी है जो डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले जनवरी में पद छोड़ने के बाद से शुरू की हैं। पिछले एक साल में ट्रंप ने प्रमुख संगठनों, खासकर मीडिया कंपनियों जैसे द न्यूयॉर्क टाइम्स, सीबीएस न्यूज और बीबीसी पर मानहानिकारक या भ्रामक कवरेज के लिए मुकदमा किया है या कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। ट्रंप का यह कदम दिखाता है कि वे अपने खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। चाहे वह मीडिया की खबरें हों या बैंकों के फैसले, वे हर मोर्चे पर लड़ने को तैयार दिख रहे हैं।

भारत में कारोबार फैला रहा जेपी मॉर्गन

जेपी मॉर्गन बैंक भारत में अपना कारोबार फैला रहा है। जेपी मॉर्गन ने कुछ दिनों पहले ही मुंबई के पवई में करीब 2.7 लाख वर्ग फुट ऑफिस स्पेस किराए पर लिया है। यह डील पांच साल के लिए 612 करोड़ रुपये से ज्यादा के किराए की है। जेपी मॉर्गन ने यह ऑफिस स्पेस 'वन डाउनटाउन सेंट्रल' में लिया है, जिसे पहले 'सीआरआईएसआईएल हाउस' के नाम से जाना जाता था। जेपी मॉर्गन सर्विसेज इंडिया इस बिल्डिंग की ग्राउंड फ्लोर और तीसरी से नौवीं मंजिल पर काम करेगी। इसके लिए वे हर महीने 9.23 करोड़ रुपये किराया देंगे। यह लीज 1 अप्रैल से शुरू होगी और पांच साल तक चलेगी। किराए में हर साल 5% की बढ़ोतरी होगी।

अमेरिकी बैन भी नहीं तोड़ पाएगा भारत की रूस से दोस्ती, तेल का आयात जारी रहेगा

नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उन देशों पर टैरिफ के जरिए लगाम कसने की कोशिश कर रहे हैं जो रूस से खरीद रहे हैं। इनमें भारत भी शामिल है। उन्होंने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें 25 फीसदी सिर्फ इस कारण है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता है। वहीं ट्रंप ने हाल ही में फिर से 500 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही है। इसके बाद भी भारत रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखेगा।ग्लोबल रियल टाइम डेटा और एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के मुताबिक ट्रंप की 500 फीसदी टैरिफ की धमकी के बाद भी भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात जनवरी में भी मजबूत बना रहने की उम्मीद है। केप्लर के अनुसार, भारत जनवरी में रूस से हर दिन करीब 1.3 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात कर सकता है। सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और रोसनेफ्ट से जुड़ी नायरा एनर्जी ने इस महीने यानी जनवरी में रूस से कच्चा तेल खरीदना बढ़ा दिया है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस बार रूस से कोई तेल नहीं खरीदा है।

...तो खरीद के तरीके बदल देगा टैरिफ

मनी कंट्रोल के मुताबिक केप्लर के लीड रिसर्च एनालिस्ट (रिफाइनिंग एंड मॉडलिंग) सुमित रितोलिया ने कहा कि अगर रूसी तेल खरीदने पर लगने वाले 500% अमेरिकी टैरिफ का प्रस्ताव वाकई में लागू होता है, तो यह खरीद के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा। उन्होंने कहा कि इससे रातों-रात तेल की कमी नहीं होगी, लेकिन जोखिम को लेकर सोच बदल जाएगी। रितोलिया के मुताबिक जनवरी 2026 तक भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात लगभग 1.1 से 1.3 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है।

रूसी तेल आयात में तेजी का कारण

दिसंबर 2025 में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात काफी कम हो गया था। नवंबर में यह 1.84 एमबीडी था, जो दिसंबर में घटकर करीब 1.2 एमबीडी रह गया। यह गिरावट अमेरिका द्वारा रूस की प्रमुख तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नए प्रतिबंध लगाने के बाद आई है। केप्लर का कहना है कि यह गिरावट 2022 के अंत के बाद सबसे कम आयात है, लेकिन यह एक अस्थायी खरीद समायोजन है, न कि कोई बड़ा बदलाव। रितोलिया ने बताया कि रूसी तेल अभी भी आर्थिक रूप से सस्ता और भारत की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त है। जनवरी से आयात फिर से बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि व्यापार गैर-निर्दिष्ट बिचौलियों के माध्यम से होगा। जब तक बड़े पैमाने पर सेकेंडरी बैन नहीं लगते, तब तक रूसी कच्चा तेल भारत की तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। रूसी कच्चा तेल बिचौलियों, व्यापारियों और अन्य तरीकों से भारत पहुंच रहा है। अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण रोसनेफ्ट और लुकोइल जैसी कंपनियों से सीधी खरीद कम हो गई है, लेकिन ततनेफ्ट, रेडवुड ग्लोबल सप्लाई, रुसेक्सपोर्ट, मोरेक्सपोर्ट और अल्फाफ मरीन जैसी अन्य कंपनियां इस कमी को पूरा कर रही हैं।

भारत के पास और क्या हैं विकल्प?

अगर रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद होती भी है तो भारत के पास दूसरे विकल्प भी मौजूद हैं। मध्य पूर्व के देशों से तेल आसानी से मिल सकता है, जो रूसी तेल की कमी को पूरा कर सकता है। इसके अलावा, अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका से भी तेल मंगाया जा सकता है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि असली नुकसान रियायती दरों पर मिलने वाले तेल को खोने का होगा। इससे तेल की औसत कीमत बढ़ जाएगी और भारत को लंबी अवधि के अनुबंधों, तेल स्रोतों में विविधता लाने और अपनी रिफाइनरियों को बेहतर बनाने पर ज्यादा ध्यान देना होगा।केप्लर के मुताबिक अगर रूस से तेल मिलना बंद हो जाता है या उस पर भारी जुर्माना लगता है, तो भारत का सालाना कच्चा तेल आयात बिल 3 से 4 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच 2026-27 में भारत की ग्रोथ 7% रहने का अनुमान

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है. केयरएज रेटिंग्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक विकास दर करीब 7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है. एजेंसी का मानना है कि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत घरेलू आधार, कम महंगाई और अनुकूल नीतियों के चलते ग्रोथ की रफ्तार बनी रहेगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई फिलहाल काबू में है, ब्याज दरों में नरमी देखने को मिल रही है और टैक्स बोझ में कमी जैसे कदमों से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ी है. इसका सीधा असर मांग और निवेश पर पड़ता है, जो आर्थिक विकास को गति देता है. केयरएज के मुताबिक, भले ही टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण भारत के मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट पर दबाव बना हुआ है, लेकिन सेवा क्षेत्र का निर्यात मजबूत बना हुआ है और यही देश की बाहरी आर्थिक स्थिति को संतुलित रखे हुए है.सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रह सकती है. वहीं आरबीआई ने इसे 7.3 प्रतिशत आंका है. केयरएज का कहना है कि इनकम टैक्स में राहत, जीएसटी दरों के युक्तिकरण, महंगाई में कमी और आरबीआई की ओर से ब्याज दरों में कटौती जैसे कदमों ने विकास को मजबूती दी है. केयरएज के चीफ रेटिंग ऑफिसर सचिन गुप्ता ने कहा कि भारत की मौजूदा मैक्रो इकोनॉमिक तस्वीर काफी उत्साहजनक नजर आती है. बैंकिंग सेक्टर पिछले एक दशक में सबसे मजबूत स्थिति में है, क्योंकि एनपीए कम हुए हैं और कॉरपोरेट क्रेडिट क्वालिटी बेहतर हुई है. इसके साथ ही राजकोषीय घाटा घट रहा है और सरकार संरचनात्मक सुधारों पर जोर दे रही है. हालांकि, रिपोर्ट में कुछ चुनौतियों की ओर भी इशारा किया गया है. रुपये की कमजोरी चिंता का विषय है. पिछले एक साल में पाउंड और यूरो के मुकाबले रुपया 15 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुका है. विदेशी निवेश में भी गिरावट आई है.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर	मकर	06-34 बजे
चंद्र	मकर	कुंभ	08-25 बजे
मंगल	मकर	मीन	10-03 बजे
बुध	मकर	मेष	11-39 बजे
गुरु	मिथुन	वृष	13-23 बजे
शुक्र	मकर	मिथुन	15-26 बजे
शनि	मीन	कर्क	17-37 बजे
राहु	कुंभ	सिंह	19-48 बजे
केतु	सिंह	कन्या	21-56 बजे
		तुला	00-01 बजे
		वृश्चिक	02-10 बजे
		धनु	04-24 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082 शक संवत्-1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- शिशिर

महावीर निर्वाण संवत्-2551

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष - 426874

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126

सूर्योदय 06-53 सूर्यास्त 18-00

दिशाशूल - पूर्व - कांच में मुंह देखकर घर से निकले

मास - माघ शुक्ल पक्ष सोमवार 19 January 2026

तिथि - प्रतिपदा 02-14 रात तक उपरान्त द्वितीया

नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 11-52 तक उपरान्त श्रवण

योग - वज्र 20-45 तक उप. सिद्धि

करण - किंस्तुघ्न 13-51 तक उप. बव

गुप्त नवरात्रि विधान पूजा

सर्वार्थसिद्ध योग 11-52 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 08-15 09-39

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-53 - 08-15	शुभ	चंचल	18-00 - 19-39	शुभ
काल	08-15 - 09-39	अशुभ	रोग	19-38 - 21-15	अशुभ
शुभ	09-39 - 11-03	शुभ	काल	21-15 - 22-51	अशुभ
रोग	11-03 - 12-27	अशुभ	लाभ	22-51 - 00-27	शुभ
उत्पात	12-27 - 13-51	अशुभ	उत्पात	00-27 - 02-03	अशुभ
चंचल	13-51 - 15-15	शुभ	शुभ	02-03 - 03-39	शुभ
लाभ	15-15 - 16-39	शुभ	अमृत	03-39 - 05-15	शुभ
अमृत	16-39 - 18-00	शुभ	चंचल	05-15 - 06-53	शुभ

विदेशी मुद्रा भंडार में उछाल, 687 अरब डॉलर हुआ, 11 महीनों के लिए है पर्याप्त

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में उछाल आया है। 9 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 39 करोड़ डॉलर बढ़कर करीब 687 अरब डॉलर हो गया है। सोने के भंडार में उछाल और विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में गिरावट देखी गई है। इससे पहले के हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखी जा रही थी।

सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार

ताजा बढ़ोतरी के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के सर्वकालिक उच्च स्तर 704 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) हैं, जो 550 अरब डॉलर हैं। हालांकि इसमें 1.12 अरब डॉलर की गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोने का भंडार वर्तमान में 112.83 अरब है, जो पिछले सप्ताह की तुलना में 1.5 अरब डॉलर ज्यादा है।

11 महीने तक आयात के लिए पर्याप्त

दिसंबर में मौद्रिक नीति की समीक्षा बैठक के बाद रिजर्व बैंक ने कहा था कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने तक विदेश से आयात के लिए पर्याप्त है। रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर संतोष जाहिर किया था और कहा कि भारत का बाहरी क्षेत्र लचीला बना हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 56 अरब डॉलर बढ़ा। वहीं 2024 में ये वृद्धि 20 अरब डॉलर से थोड़ी अधिक रही। 2023 में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 58 अरब डॉलर की तेजी आई थी। हालांकि 2022 में इसमें 71 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई थी। विदेशी मुद्रा भंडार, किसी देश के केंद्रीय बैंक या मौद्रिक प्राधिकरण की परिसंपत्तियां होती हैं, जो मुख्य तौर पर अमेरिकी डॉलर हैं। इसमें कुछ हिस्सा यूरो, जापानी येन और पाउंड स्टर्लिंग का भी होता है। आरबीआई रणनीतिक रूप से रुपये के मजबूत होने पर डॉलर खरीदता है और रुपये के कमजोर होने पर डॉलर बेचता है।

सोने ने बदल दी किस्मत: बेतहाशा तेजी से अमीर हुए भारतीय परिवार, संपत्ति 117 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में पिछले साल से जारी बेतहाशा तेजी से भारतीय परिवारों की दौलत में जबरदस्त इजाफा किया है। इस वजह से पिछले साल के दौरान भारतीय परिवारों की संपत्ति में 117 लाख करोड़ रुपये (1.3 लाख करोड़ डॉलर) की वृद्धि हुई है। इससे परिवारों के लिए एक मजबूत खर्च करने की क्षमता बनी है। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की जारी रिपोर्ट सोने की अटूट चमक को रेखांकित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, देशभर के करोड़ों परिवारों के गहने, सिक्के और बार इस उछाल के प्रमुख लाभार्थी बने हैं। वैश्विक अस्थिरता, मुद्रा उतार-चढ़ाव और देशों के बीच तनावों ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया, जिसका फायदा भारत को मिला। यह वृद्धि इतनी विशाल है कि यह कई देशों के जीडीपी से भी अधिक है। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक हर वर्ग के परिवारों की बचत का मूल्य अचानक बढ़ गया। खासकर महिलाओं, जो परिवार का अधिकांश सोना संभालती हैं, इस लाभ से मजबूत हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कागजी मुनाफा है, जो बाजार सुधार पर निर्भर करता है। फिर भी, यह संपत्ति उपभोग बढ़ाने, ऋण चुकाने या नए निवेश में सहायक सिद्ध हो सकती है। आर्थिक मोर्चे पर यह वृद्धि बैंकिंग क्षेत्र को गति देगी और नीति-निर्माताओं के लिए नई चुनौतियां पैदा करेगी। आरबीआई इस पर नजर रखे हुए है। कुल मिलाकर सोना भारतीय परिवारों का विश्वसनीय साथी साबित हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, यह पिछले 25 वर्षों में सोने की कीमतों में वृद्धि से होने वाला सबसे बड़ा संपत्ति लाभ है। कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान सोने की कीमत में 58,310 रुपये प्रति 10 ग्राम या 73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस तेज वृद्धि से सोने के एवज में लिए जाने वाले खुदरा कर्ज में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। भारतीय शेयर बाजारों के लिए 2025 एक समेकन का वर्ष साबित हुआ। लेकिन सोने जैसे वैकल्पिक संपत्तियों ने असाधारण ताकत दिखाई।2025 के दौरान वैश्विक बाजारों में भी भारत का प्रदर्शन खराब रहा। लेकिन सोने जैसे वैकल्पिक संपत्तियों ने असाधारण ताकत दिखाई। पिछले वर्ष सोना स्पष्ट रूप से एक सुरक्षित संपत्ति के रूप में उभरा।

अगले हफ्ते शेयर मार्केट में आएंगे 2080 करोड़ रुपये, 4 कंपनियां ला रही हैं आईपीओ

नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)। अगले हफ्ते शेयर बाजार में हलचल बढ़ने वाली है। अगले हफ्ते चार कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इन आईपीओ से करीब 2080 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। इनमें सबसे बड़ी कंपनी लॉजिस्टिक्स फर्म शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज है। इसके अलावा निवेशक भारत कोकिंग कोल और अमागी मीडिया लैब्स जैसी कंपनियों के आईपीओ पर भी नजरें गड़ाए हुए हैं। अगले हफ्ते कुल सात कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली हैं। इनमें से दो कंपनियां भारत कोकिंग कोल और अमागी मीडिया लैब्स मेनबोर्ड पर डेब्यू करेंगी। भारत कोकिंग कोल का आईपीओ पहले ही काफी चर्चा में है। इसे 147 गुना ज्यादा सब्सक्राइब किया गया है। ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से इसके शेयर लिस्टिंग के दिन 50% से ज्यादा बढ़ सकते हैं। अगले हफ्ते आने वाले आईपीओ में शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज का आईपीओ सबसे बड़ा है। मेन बोर्ड का यह आईपीओ 20 जनवरी को खुलेगा और 22 जनवरी को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 118 रुपये से 124 रुपये के बीच है। 28 जनवरी को इसके शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस आईपीओ से कंपनी 1,907 करोड़ रुपये जुटाएगी। इसमें 1,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 907 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे। साल 2016 में शुरू हुई शैडोफैक्स भारत की तेजी से बढ़ती ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स इंडस्ट्री के लिए एक बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनी बन गई है। शैडोफैक्स 14,758 पिन कोड्स में 4,299 जगहों से अपनी सेवाएं देती है। यह कंपनी मीशो, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, स्विगी, ब्लिंकिट, ज़ेप्टो और ज़ोमैटो जैसे बड़े ग्राहकों को अपनी सेवाएं देती है।

शैडोफैक्स के अलावा एसएमई सेगमेंट में भी आईपीओ आ रहे हैं। इनमें से एक डिजिलॉजिक सिस्टम्स है। यह कंपनी करीब 81 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। वहीं केआरएम आयुर्वेद का आईपीओ साइज लगभग 77 करोड़ रुपये का है।

ईरान संकट से बासमती चावल के निर्यातकों की जान सांसत में, चावल की कीमतें घटीं

नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान संकट से भारत बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। एक तरफ वहां रहने वाले भारतीयों को आनन-फानन में निकालना पड़ा, दूसरी तरफ भारत से ईरान को निर्यात हो रहे बासमती चावल के निर्यात पर भी बुरा असर दिखने लगा है। इन दिनों वहां से निर्यात के नए ऑर्डर नहीं आ रहे हैं। साथ ही, पहले जो चावल का कंसाइनमेंट भेजा गया था, उसका पेमेंट नहीं हो पा रहा है। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर के बीच हमने ईरान को करीब 5,98,000 टन बासमती चावल भेजा था। लेकिन ईरान संकट की वजह से अब वहां के खरीदार पेमेंट करने में असमर्थता जता रहे हैं। आईआरईएफ के अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने बताया कि ईरान के खरीदारों से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। गर्ग ने बताया कि तेहरान में जब से विरोध प्रदर्शन शुरू हुए हैं, ईरान में दुकानें बंद हैं। इंटरनेट कनेक्शन भी बहाल नहीं हो पा रहा है। ऐसे में खरीदारों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। यही नहीं, भारत से चावल के जो कंसाइनमेंट भेजा गया, वह ईरानी बंदरगाहों पर ही फंसा हुआ है।नए ऑर्डर खत्म होने से भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। वे पहले से ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस कृत्य से परेशान हैं, जिसमें उन्होंने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगा दी है।

रिकॉर्ड कीमतों के कारण संकट में जूट उद्योग, उत्पादन ठप्प, 75,000 से ज्यादा मजदूर बेरोजगार

कोलकाता, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जूट की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी ने देश के जूट उद्योग को गंभीर संकट में डाल दिया है। कच्चे जूट की भारी कमी और दामों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के कारण कई जूट मिलों में उत्पादन ठप्प हो गया है। इसका सीधा असर मजदूरों पर पड़ा और हजारों श्रमिक बेरोजगार हो गए। उद्योग संगठनों का कहना है कि यदि समय रहते सरकार ने हस्तक्षेप नहीं किया तो यह संकट और गहराएगा, जिससे पारंपरिक जूट उद्योग तथा इससे जुड़े लाखों लोगों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है।

75,000 से ज्यादा मजदूर बेरोजगार

इंडियन जूट मिल एसोसिएशन (आई.जे.एम.ए.) ने केंद्र सरकार से मांग की है कि 1 अप्रैल से निजी व्यापारियों द्वारा कच्चे जूट की खरीद-बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा दी जाए, ताकि मिलों को राहत मिल सके और हजारों श्रमिकों की नौकरियां बचाई जा सकें। आई.जे.एम.ए. का दावा है कि इस वजह से 75,000 से ज्यादा मजदूरों को काम से हाथ धोना पड़ा है। जूट उद्योग, जो पहले से ही चुनौतियों से जूझ रहा था, अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ता नजर आ रहा है।

तेजी से घट रहा जूट का स्टॉक

आई.जे.एम.ए. के अनुसार बीते कुछ महीनों में जूट मिलों के पास कच्चे जूट की उपलब्धता तेजी से घट गई है। सिर्फ दिसंबर 2025 में ही मिलों का स्टॉक करीब 1.25 लाख गांठ कम हो गया। दूसरी ओर कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। दक्षिण बंगाल की टीडीएन-3 ग्रेड जूट की कीमतें बढ़कर करीब 13,000 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। इस हालात ने जूट उद्योग के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे। आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है, क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है, लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है।

वृष (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी रचनात्मकता निखरती है, और आपका अंतर्ज्ञान कार्यस्थल की गतिशीलता के प्रति आपकी समझ को निखारता है। तार्किक सोच आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति करने में मदद मिलती है। जैसे-जैसे परिस्थितियाँ बदलती हैं, आपका लचीलापन आपको सहज रूप से अनुकूलन करने में मदद करता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप अपने पेशेवर व्यवहार में आत्मविश्वास और संतुलन लाते हैं, अपनी उपस्थिति से सम्मान अर्जित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको पंक्तियों के बीच की बात समझने और सहकर्मियों के सूक्ष्म संकेतों पर प्रतिक्रिया देने में मदद करता है। आपके कलात्मक कौशल रचनात्मक कार्यों में एक अनूठा स्पर्श जोड़ते हैं।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आपका आत्मविश्वास और आकर्षण कार्यस्थल की गतिशीलता को बढ़ावा है, जबकि अनुशासन आपको उत्पादक बनाए रखता है। भावनात्मक तीव्रता उत्पन्न हो सकती है, इसलिए बातचीत में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करें। व्यवहारिक संचार सहकर्मियों के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देता है।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आप ऊर्जावान हैं और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जो आपको प्रगति को बढ़ावा देते हैं। ईमानदारी से चिंतन करने से आपकी रणनीतियाँ और भी बेहतर होती हैं। दृढ़ता की भावना से आप जल्दी निर्णय ले सकते हैं, इसलिए बातचीत में विचारशील रहें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए महसूस करेंगे, जिससे आपके काम में गहराई और संवेदनशीलता आएगी। नए, रचनात्मक विचार आसानी से आ सकते हैं, जिससे आपको चीजों को व्यापक दृष्टिकोण से देखने में मदद मिलेगी। आपका तेज दिमाग और बढ़ी हुई जागरूकता आपको जल्दी सीखने वाला बनाती है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आपकी रचनात्मक ऊर्जा मजबूत है, जो आपको काम और पढ़ाई में चमकने में मदद करती है। कलात्मक प्रतिभाएँ उजागर होती हैं, जिससे यह दृश्यात्मक रूप से आकर्षक कार्यों के लिए एक अच्छा समय है। दूसरों के साथ आत्मविश्वास तनाव के लिए तैयार रहें, लेकिन शांत रहें - जल्दी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नु, नो, या, यी, यु,)
आपका स्वाभाविक करिश्मा आपके विचारों की ओर ध्यान आकर्षित करता है, जिससे आपको नेतृत्व करने का आत्मविश्वास मिलता है। अंतर्ज्ञान आपको पंक्तियों के बीच की बात समझने में मदद करता है, जिससे साथियों और मार्गदर्शकों के साथ सहज सहयोग संभव होता है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज आपको अपने पेशेवर संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि भावनात्मक अंतर्दृष्टि मजबूत टीमवर्क का समर्थन करती है। नए विचार आसानी से आते हैं, और सीधा, ऊर्जावान संचार उत्पादकता को बढ़ाता है। जब आप जुनून चरम पर होता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
जब आप ध्यान और अनुशासन लागू करते हैं तो आपका काम और अध्ययन लगातार आगे बढ़ता है। आत्मविश्वास आपके नेतृत्व गुणों का समर्थन करता है, जबकि एक व्यावहारिक मानसिकता आपको जमीन पर रखती है। आपकी कल्पना तेज है, जो आपको सूक्ष्म विवरणों को समझने और गहराई से संवाद करने में मदद करती है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
भावनात्मक अंतर्दृष्टि और जिज्ञासा के मिश्रण से आपके करियर और पढ़ाई को फ़ायदा हो सकता है। आप पहल करने और अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे। हालाँकि, तीव्र भावनाएँ मूड स्विंग या रिश्तों में बदलाव ला सकती हैं। पूरे दिन अपनी ऊर्जा को उत्पादक रूप से प्रवाहित करने के लिए संतुलित रहें और केंद्रित रहें।

श्री पंचांगुली ज्योतिष केन्द्र

क्या थलापति तमिलनाडु में बीजेपी को जिताएंगे 24 सीटें

कांग्रेस ने स्टालिन से मांगी 40 सीटें ; गठबंधन टूटा, तो बीजेपी को फायदा होगा

चेन्नई, 18 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 27 अक्टूबर, 2024, तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के विक्रवंडी की सड़कें लोगों से भरी थीं। इतनी गाड़ियां आईं कि ट्रैफिक जाम होने के डर से प्रशासन को टोल प्लाजा फ्री करने पड़े। पॉलिटिकल पार्टी बनाने के बाद साउथ फिल्मों के सुपरस्टार थलापति विजय इस दिन पहली रैली करने वाले थे। रैली में लाखों लोग पहुंचे। तेज धूप में कुर्सी सिर पर रखकर बैठ गए। थलापति विजय की जैसे फिल्मों में एंट्री होती हैं, इस रैली से वैसी ही एंट्री पॉलिटिक्स में हो गई।

तमिलनाडु में अप्रैल-मई में चुनाव होने हैं। उससे पहले विजय की वजह से सीएम एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन खतरे में आ गया है। कांग्रेस ने डीएमके से 40 सीटें मांगी हैं, जिन पर पार्टी राजी नहीं है। कांग्रेस का एक धड़ा विजय के साथ जाने की वकालत कर रहा है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि ऐसा हुआ तो डीएमके को नुकसान होगा। बीजेपी नेता अन्नामलाई ने भी विजय को साथ मिलकर चुनाव लड़ने का ऑफर दिया है। दोनों स्थितियों में फायदा बीजेपी को होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ 4 सीटें जीतने वाली बीजेपी 24 सीटों पर बढ़त बना सकती है।

विजय की एक फिल्म आ रही है जन नायगन, यानी जन नेता। सेंसर बोर्ड ने इसके कुछ डॉयलाग की वजह से सर्टिफिकेट नहीं दिया। आरोप है कि डॉयलाग में पॉलिटिकल कमेंट हैं, जिनसे विवाद पैदा हो सकता है। ये मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। जन नायगन विजय की आखिरी फिल्म है, इसके बाद वे पूरी तरह पॉलिटिक्स पर फोकस करेंगे।

13 जनवरी 2026 को कांग्रेस नेता राहुल गांधी तमिलनाडु में थे। इसी दौरान उन्होंने X पर लिखा- 'फिल्म 'जन नायगन' को रोकने की केंद्र सरकार की कोशिश तमिल संस्कृति पर हमला है। मिस्टर मोदी आप तमिल लोगों की आवाज दबाने में कभी कामयाब नहीं होंगे।'

राहुल गांधी का कमेंट उस वक्त आया है, जब डीएमके और कांग्रेस के बीच विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग पर खींचतान चल रही है। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटें हैं। कांग्रेस डीएमके से 40 सीटें मांग रही है। डीएमके उसे 25 से 30 सीटें देने पर ही राजी है। इससे नाराज तमिलनाडु कांग्रेस के नेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम यानी टीवीके के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। राहुल गांधी का विजय की फिल्म को सपोर्ट करना, तमिलनाडु में कांग्रेस-डीएमके गठबंधन में पहली दरार माना जा रहा है।

तमिलनाडु के पॉलिटिकल एक्सपर्ट जॉन जे केनेडी कहते हैं, 'पिछले 50 साल में तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति ने नेशनल पार्टियों को बहुत पीछे धकेल दिया है। बीजेपी हो या कांग्रेस, दोनों को यहां कि सियासत में पैर जमाने के लिए एआईएडीएमके और डीएमके से हाथ मिलाना पड़ा।'

'2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की कामयाबी डीएमके के साथ गठबंधन की वजह से थी। चुनाव में डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को 18 सीटें मिलीं। कांग्रेस को डीएमके के कोर वोटर्स का साथ मिला। तमिलनाडु में कांग्रेस के पास न

कैडर है, न ऐसी विचारधारा, जो तमिल वोटर्स को जोड़ सके। इसीलिए डीएमके उसे ज्यादा सीटें नहीं देना चाहती। ऐसे में राहुल गांधी का विजय की फिल्म को सपोर्ट करने के पीछे 3 मकसद हो सकते हैं।'

तमिलनाडु में कांग्रेस अब भी डीएमके के साथ गठबंधन में है, लेकिन मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं है। 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सहयोगियों की मदद के बिना ही सरकार बनाई थी। 'विधानसभा चुनाव में थलापति विजय की एंट्री और कांग्रेस-डीएमके का गठजोड़ टूटने पर डीएमके को फायदा हो सकता है। खासकर उन 18 विधानसभा सीटों पर, जहां कांग्रेस पिछला चुनाव जीती थी। इनमें से ज्यादातर सीटों पर डीएमके का पारंपरिक वोट बैंक यानी द्रविड़, ओबीसी, अल्पसंख्यक, शहरी मिडिल क्लास कांग्रेस के पक्ष में ट्रांसफर हुआ। ऐसे में डीएमके के बिना कांग्रेस के लिए दोबारा 18 सीटें जीतना नामुमकिन है।' 6 सीटें ऐसी हैं, जहां विजय का प्रभाव है। यहां भी बीजेपी फायदा ले सकती है। हालांकि, सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए कांग्रेस का TVK के साथ जाना जोखिम भरा कदम भी हो सकता है। 10 सांसदों और 18 विधायकों को बनाए रखने के लिए उसे डीएमके के साथ रहना ही होगा।'

बीजेपी तमिलनाडु चुनाव में अपना पुराने रिकॉर्ड बेहतर करने के लिए हर दांव लगा रही है। 23 दिसंबर को प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और एनडीए के नेताओं ने डीएमके के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल और अर्जुन राम मेघवाल के साथ बैठक की थी। पार्टी सोर्स बताते हैं कि बंद कमरे में हुई इस मीटिंग में सीट शेयरिंग और गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के साथ चुनाव जीतने की रणनीति पर बात हुई।

तमिलनाडु बीजेपी के एक सीनियर लीडर बताते हैं कि पार्टी एआईएडीएमके से सीटों के बंटवारे पर मोलभाव कर रही है। 2021 में बीजेपी 20 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इस बार हमने तय किया है कि इससे दोगुनी सीटों पर लड़ेंगे।

BJP नेता आगे कहते हैं, 'पूर्व सीएम और एआईएडीएमके के जनरल सेक्रेटरी पलानीस्वामी चाहते हैं कि उनकी पार्टी 170 सीटों पर चुनाव लड़े। वे बीजेपी को 23 सीटें देने को तैयार हैं, लेकिन बीजेी इस बार 60 सीटें मांग रही है। इस पर गृहमंत्री अमित शाह और पलानीस्वामी की दिल्ली में बातचीत हुई है। अब पलानीस्वामी एनडीए के सहयोगी दलों से बात करेंगे।'

'हम थलापति विजय और कांग्रेस पर भी नजर बनाए हुए है। विजय की पार्टी कांग्रेस के साथ जाए या फिर डीएमके, विजय हमारे लिए बड़ी चुनौती नहीं हैं। हमारा ध्यान इन अटकलों पर जाने के बजाय डीएमके को हराने पर है।'

सीनियर जर्नलिस्ट एन गोवर्धन इस सवाल का जवाब एक पुराने किस्से से देते हैं। वे कहते हैं, '2021 में मुझे कोलाचेल में नारियल का व्यापारी मिला। उसने बताया कि डीएमके कांग्रेस के साथ है। इसलिए चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार जीतेगा।'

'मैंने उस व्यापारी से पूछा कि तुम ये बात इतने भरोसे से कैसे बोल सकते हो? व्यापारी ने कहा- वोट कांग्रेस को दे रहे हैं, लेकिन हमारा भरोसा तो स्टालिन पर है। वे कांग्रेस के साथ हैं, इसलिए बैलेंस बनाना पड़ेगा।'

गोवर्धन कहते हैं, 'कोलाचेल सीट पर कांग्रेस केंडिडेट प्रिंस ने बीजेपी के पी. रमेश को 24 हजार वोट से हराया था। अगर इस बार कांग्रेस स्टालिन का साथ छोड़ देती है, तो बीजेपी यहां बढ़त बना सकती है। आप खुद समझ लीजिए कि कांग्रेस-डीएमके का गठबंधन टूटता है, तो सबसे ज्यादा नुकसान किसका होगा।'

पांच दिनों से लापता उद्योगपति कैरव गांधी का नहीं मिला सुराग

एसआईटी गठित, कई राज्यों में छापेमारी

रांची, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र से रहस्यमय ढंग से लापता हुए युवा उद्योगपति कैरव गांधी का पांच दिन बीत जाने के बावजूद अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस हाईप्रोफाइल अपहरण कांड ने न केवल जमशेदपुर बल्कि पूरे झारखंड में सनसनी फैला दी है। पुलिस की तमाम कोशिशों के बाद भी कैरव गांधी का पता नहीं चल सका है, जिससे परिजनों के साथ-साथ आम लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है।

कोल्हान डीआईजी अनुरंजन किसटोप्पा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कुल छह विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। इन टीमों में चार डीएसपी, कई

थाना प्रभारी और सरायकेला-खरसावां जिले के वरिष्ठ अधिकारी शामिल किए गए हैं। सभी टीमों को अलग-अलग दिशाओं में जांच और छापेमारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, परिजनों को अज्ञात नंबरों से लगातार कॉल आ रहे हैं, जिनमें मोटी फिरौती की मांग की जा रही है। इन कॉल्स के विदेशों से आने की भी जानकारी सामने आई है, जिनमें इंडोनेशिया का नंबर शामिल बताया जा रहा है। फिरौती की रकम नहीं देने पर कैरव गांधी की हत्या की धमकी भी दी जा रही है, जिससे मामला और अधिक गंभीर हो गया है।

पुलिस तकनीकी और मानवीय दोनों पहलुओं पर समानांतर जांच कर रही है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड, लोकेशन ट्रैकिंग, सीसीटीवी फुटेज, टोल प्लाजा डेटा और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है। झारखंड के साथ-साथ बिहार और अन्य राज्यों में भी लगातार दबिश दी जा रही है। इस पूरे मामले को लेकर राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। भाजपा ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कानून-व्यवस्था को पूरी तरह विफल करार दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राज्य में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। कैरव गांधी के अपहरण के बाद से भाजपा कार्यकर्ता जिला प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

गौरतलब है कि कैरव गांधी, जमशेदपुर के प्रसिद्ध उद्योगपति और 'एम्पायर ऑटो' के संचालक देवांग चंद्र गांधी के पुत्र हैं। घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल पाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि पुलिस ने जल्द सफलता मिलने का दावा किया है, लेकिन परिजन और आमजन अब भी किसी ठोस जानकारी और सुरक्षित वापसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

बीजापुर में नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़, दिलीप बेदजा समेत चार ढेर

बीजापुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली नेता दिलीप बेदजा समेत चार माओवादियों को मार गिराया। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से चारों शवों के साथ दो एके-47 राइफलें व अन्य हथियार व गोला-बारूद बरामद किए हैं। राज्य में जनवरी में अब तक 18 नक्सली मारे जा चुके हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके में नक्सल कमांडर पापा राव और डिविजनल कमेटी सदस्य दिलीप बेदजा के होने की सूचना पर नक्सली विरोधी अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान शनिवार सुबह जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र की

जंगली पहाड़ियों में मुठभेड़ हुई।

अभियान में पुलिस की विशेष टास्क फोर्स, जिला रिजर्व गार्ड व सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे। मारे गए अन्य नक्सलियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। बेदजा नेशनल पार्क एरिया समिति में सक्रिय था और कई हमलों में शामिल था। इससे पहले तीन जनवरी को बीजापुर सहित सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ों में 14 नक्सलियों को मार गिराया गया था। पिछले साल छत्तीसगढ़ में कुल 285 नक्सली मारे गए थे।

तालाब में गिरी तेज रफ्तार अनियंत्रित स्कॉर्पियो

तीन युवकों की मौत और चार घायल

जगदलपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर शहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह हादसा शहर के कालीपुर क्षेत्र में तब हुआ जब तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर पास के एक तालाब में जा गिरी। मृतकों की पहचान भावेश नागे, शेखर नागे और मनीष नेवर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, सभी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कालीपुर निवासी सात युवक, जो क्रिकेट खिलाड़ी बताए जा रहे हैं, स्कॉर्पियो में सवार होकर घूमने निकले थे। देर रात जब वे वापस घर लौट रहे थे, तभी कालीपुर के पास वाहन चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी सीधे तालाब में समा गई। इस हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जशपुर में करोड़ों की चोरी मामले में पुलिस का बड़ा एक्शन

फरार 4 आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम घोषित

जशपुरनगर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जिला परिवहन अधिकारी विजय निकुंज के पैतृक आवास से हुई साढ़े करोड़ रुपये से अधिक के सोने और नकदी की चोरी के मामले में पुलिस ने चार फरार आरोपितों पर इनाम घोषित किया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि आरोपितों की सूचना देने वाले को 10 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा और सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक पांच आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि चार आरोपी फरार हैं। फरार आरोपितों में आरा चौकी क्षेत्र के अंबाटोली निवासी घनश्याम प्रधान (29), कोतवाली थाना क्षेत्र के रानीबगीचा निवासी अविनाश राम (27), आरा निवासी अनमोल भगत (25) और ओडिशा के सुंदरगढ़ निवासी विजय बसंत बड़ाइक शामिल हैं। पुलिस आरोपितों के साथ उस अटैची की भी तलाश कर रही है, जिसमें चोरी का सोना रखा होने की बात कही जा रही है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कोतवाली और नारायणपुर थाना की संयुक्त टीम लगातार छापेमारी कर रही है। बुधवार को पुलिस ने बांकीटोली, रानीबगीचा और आरा क्षेत्र में संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने तलाशी के साथ पूछताछ भी की। इस बहुचर्चित मामले में पुलिस फरार आरोपितों के साथ मुख्य आरोपित मिनल निकुंज के घर से चोरी हुए सोने से भरे सूटकेस की भी तलाश कर रही है। अब तक पांच आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह कोतवाली और नारायणपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपित अविनाश राम और घनश्याम प्रधान के ठिकानों पर दबिश दी थी। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

करोड़ों की चोरी का यह मामला जिला परिवहन अधिकारी विजय निकुंज से जुड़ा है। उनकी पत्नी सुषमा निकुंज ने 25 दिसंबर को नारायणपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें केराडीह के रैनीडांड़ स्थित पैतृक निवास से 35 लाख रुपये नकद और सोने के गहने चोरी होने की शिकायत की गई थी। शिकायत में भतीजी मिनल निकुंज को संदेही बताया गया था। जांच के दौरान मामला करोड़ों रुपये का निकला। पुलिस ने झारखंड के रांची स्थित एक होटल से मिनल निकुंज और उसके बॉयफ्रेंड अनिल प्रधान को गिरफ्तार किया। पूछताछ में चोरी की रकम 5 करोड़ रुपये से अधिक होने की बात सामने आई। मिनल निकुंज ने बताया कि अटैची में करीब 15 लाख रुपये नकद और लगभग 4 किलो सोना था। आरोपितों ने चोरी का सोना ओडिशा के राउरकेला में बेचकर 8 लाख रुपये प्राप्त किए थे। चोरी के इस मामले में सोने से भरी अटैची अब भी रहस्य बनी हुई है। मिनल निकुंज ने बयान में बताया कि पिकनिक के दौरान कुछ आरोपी काम का बहाना बनाकर लौट आए थे और बाद में अटैची गायब हो गई। संदेह है कि अटैची फरार आरोपितों के पास हो सकती है।

शशि मोहन सिंह, एसएसपी, जशपुर का कहना है कि "फरार आरोपितों के हर संभावित ठिकाने पर लगातार दबिश दी जा रही है। सूचना देने वाले को 10 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा और पहचान गोपनीय रखी जाएगी।"

जमीन विवाद को लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग

तीन लोगों को लगी गोली

रांची, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में शनिवार की देर रात जमीन विवाद को लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई. इस फायरिंग में तीन लोगों को गोली लगी है. सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

क्या है पूरा मामला

रांची के पिस्का मोड़ तेलमिल गली में शनिवार की रात दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना हुई. गोलीबारी की घटना में तीन लोग घायल हो गए. घायलों में एक जमीन कारोबारी विकास सिंह, उसके भाई आकाश सिंह उर्फ मोगली के अलावा दूसरे गुट के रवि नमक युवक शामिल हैं.

घायल विकास सिंह को छाती और हाथ में कुल तीन गोली लगी है. जबकि उसके भाई को हाथ में गोली लगी है. घायलों को आनन- फानन में सदर अस्पताल ले जाया गया. जहां प्रारंभिक इलाज के बाद निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है.

चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायल खतरे से बाहर हैं.

कई थानों की पुलिस हुई रेस

घटना की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, सुखदेव नगर थाना प्रभारी और पंडरा ओपी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस को घटनास्थल से कुछ खोखा भी मिला है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद और पैसे के लेनदेन को लेकर अपराधियों ने घटना को अंजाम देने की बात सामने आई है. पुलिस मामले में अपराधी संजय पांडेय समेत कई लोगों को गिरफ्तार भी किया है.

बातचीत के लिए बुलाया और मार दी गोली

बताया जा रहा है कि जमीन कारोबारी विकास सिंह और उसके भाई आकाश और मोगली को शनिवार की शाम बातचीत करने के लिए संजय पांडे नामक अपराधी ने पिस्का मोड़ तेल गली में बुलाया था. दोनों भाई रात करीब 9.45 बजे तेल मिल गली पहुंचे. जहां पर पहले से अपराधी संजय पांडे अपने गुर्गो के साथ मौजूद था.

बातचीत के दौरान संजय पांडे और उसके गुर्गो ने जमीन कारोबारी विकास पर गोली चलाना शुरू कर दिया. बताया जा रहा है कि अपराधियों ने विकास पर 5 से 6 राउंड फायरिंग की, जिसमें विकास को तीन और उसके भाई को एक गोली लगी. घटना के बाद संजय पांडे अपने गुर्गो के साथ मौके से फरार हो गया.

55 लाख रुपए के लेनदेन में हुई घटना

बताया जा रहा है कि सुकुरहुटू में एक चार एकड़ की जमीन है. जिस पर संजय पांडे और विकास काम कर रहे थे. काम में

विकास का संजय पांडे पर करीब 55 लाख रुपए बकाया हो गया. विकास लगातार संजय पांडे पर पैसा वापस करने का दबाव दे रहा था. इस बात को लेकर दोनों के बीच कुछ दिनों से विवाद चल रहा था.

पुलिस को आशंका है कि अपराधियों ने इसी की वजह से विकास की हत्या की नीयत से उस पर गोली चलाई है. रांची के कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि गोलीबारी मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है. घटना के पीछे जमीन विवाद है या फिर कुछ और इसकी जांच की जा रही है.

बॉलीवुड का सपना, जेब में हजार रुपये

नाबालिग छात्र पहुंच गया मुंबई

पुलिस ने खोज निकाला

सीकर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। सीकर जिले में रहकर पढ़ाई करने वाला 15 साल का स्टूडेंट एक्टर बनने की चाहत में घर छोड़कर मुंबई चला गया। केवल 1 हजार रुपए लेकर वह मुंबई गया। अब पुलिस ने उसे मुंबई के जुहू इलाके से ढूंढकर परिजनों के हवाले कर दिया है। दरअसल, नाबालिग छात्र 9 जनवरी की रात को करीब 3 बजे घर से निकला था। इसके बाद जब वह घर पर नहीं लौटा तो उसके पिता ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस एक्टिव हुई और उसकी तलाश करना शुरू कर दिया। छात्र के पास एक मोबाइल फोन भी था जो लगातार स्विच ऑफ आ रहा था। बताया जा रहा है कि छात्र ने अपने दोस्त को पैसों के लिए कॉल किया तो दोस्त ने यह बात उसके पिता को बताई। फिर पिता ने इस पूरे मामले से पुलिस को अवगत करवाया। जिसके बाद पुलिस की एक टीम सीधे मुंबई पहुंची और वहां पर जुहू इलाके में स्टूडेंट को ढूंढ लिया। तब छात्र ने पुलिस को बताया कि वह एक्टर बनना चाहता था। इसलिए ट्रेन में बैठकर मुंबई आ गया। यहां पर उसने वड़ा पाव खाकर गुजारा किया और पब्लिक प्लेस पर रुककर रात गुजारी।

छत्तीसगढ़ से आ रही बस लातेहार में दुर्घटनाग्रस्त

पांच की मौत! 25 से ज्यादा लोग घायल

लातेहार, 18 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में छत्तीसगढ़ से आ रही एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई. जिसमें 5 लोगों की मौत बताई जा रही है. वहीं 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. घटना जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरसा घाटी में रविवार को हुई. ग्रामीणों के अनुसार, पांच लोगों की मौत हुई है. हालांकि, अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. वहीं सभी घायलों का महुआडांड़ अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, इनमें कई की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है.

दरअसल, लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरसा घाटी में छत्तीसगढ़ से आ रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. जानकारी के अनुसार, बस को रिजर्व कर लोग मेहमानी में जा रहे थे. इसी दौरान घाटी में बस का नियंत्रण बिगड़ गया और बस घाटी में पलट गई. दुर्घटना में बस पर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जिनमें पांच लोगों की मौत की बात भी बताई जा रही है.

इधर, घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों को दी. सूचना मिलते ही एसडीएम विपिन कुमार दुबे ने प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट किया. एसडीएम के आदेश पर महुआडांड़, गारू और नेतरहाट की पूरी स्वास्थ्य टीम एंबुलेंस के साथ घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है. इस मामले में स्थानीय लोगों ने भी मानवता का परिचय देते हुए अपने निजी वाहनों से भी घायलों को अस्पताल पहुंचाया.

सभी को पहुंचाया गया अस्पताल-एसडीएम

महुआडांड़ एसडीएम विपिन कुमार दुबे ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद तत्काल स्वास्थ्य विभाग की टीम को एंबुलेंस के साथ घटनास्थल पर भेजा गया. घायलों को तत्काल अस्पताल लाया गया. लगभग 25 से अधिक घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चिकित्सकों के द्वारा सभी का इलाज किया जा रहा है. चिकित्सकों की जांच के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है.

हवा में लापता हुआ विमान! इंडोनेशिया में जहाज का टूटा संपर्क तलाश जारी

जकार्ता, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में एक विमान लापता होने का मामला सामने आया है। यहां जावा और सुलावेसी द्वीप के बीच स्थित एक पहाड़ी क्षेत्र के पास पहुंचते ही विमान अचानक से लापता हो गई। इलाके में आने के बाद विमान का ग्राउंट कंट्रोल संपर्क टूट गया। बताया जा रहा है कि इस विमान में कुल 11 यात्री सवार थे। फिलहाल विमान की तलाश की जा रही है। माना जा रहा है कि यह विमान सुल्तान हसनुद्दीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने से पहले अपने मार्ग से भटक हगया और इसके बाद उसका संपर्क ग्राउंड कंट्रोल से टूट गया। वहीं परिवहन मंत्रालय के प्रवक्ता एंडाह पूर्णमा सारी ने बताया कि इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट द्वारा संचालित टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 विमान योग्याकार्ता से दक्षिण सुलावेसी की राजधानी जा रहा था, तभी वह रडार से गायब हो गया। विमान का आखिरी बार दोपहर 1:17 बजे दक्षिण सुलावेसी प्रांत के एक पहाड़ी जिले मारोस के लेआंग-लेआंग क्षेत्र में पता चला था। सारी ने एक बयान में कहा कि वायुसेना के हेलीकॉप्टर, ड्रोन और जमीनी इकाइयों के सहयोग से कई खोज और बचाव दल लगाये गए हैं।

सुप्रीम लीडर खामेनेई बोले- ट्रम्प के हाथ खून से रंगे

ट्रम्प का जवाब- ईरान सरकार कुछ दिनों की मेहमान; ईरान हिंसा में 3 हजार+ मौतें हुईं

तेहरान/वॉशिंगटन, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में हुई हिंसा के बाद 16 और 17 जनवरी को किसी तरह का विरोध प्रदर्शन दर्ज नहीं किया गया। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार ये तो माना कि पिछले 28 दिसंबर से जारी प्रदर्शनों के दौरान हजारों लोग मारे गए। पर इन मौतों के लिए उन्होंने अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। खामेनई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथ खून से रंगे हैं। खामेनेई के आरोपों का जवाब देते हुए ट्रम्प ने भी तुरंत इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ईरान सरकार अब चंद दिनों की मेहमान है। वहां नए नेतृत्व की तलाश करने का समय आ गया है। ट्रम्प ने कहा कि तेहरान के शासक दमन और हिंसा के सहारे शासन चला रहे हैं। ईरान में वहां की करेंसी 'रियाल' के ऐतिहासिक रूप से नीचे गिरने और महंगाई के विरोध में 28 दिसंबर 2025 में प्रदर्शन शुरू हुए थे। देश के सभी 31 प्रांतों में हिंसा फैल गई थी। इसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

व्हाइट हाउस बोला- ट्रम्प के दबाव में 800 लोगों की फांसी रुकी

ट्रम्प ने इससे पहले कहा था कि अगर ईरानी सरकार प्रदर्शनकारियों को फांसी देती है, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। अमेरिका बहुत कड़ी कार्रवाई करेगा, जिसमें सैन्य विकल्प भी शामिल हो सकता है। 15 जनवरी को ट्रम्प ने बताया कि हत्याएं अब कम हो रही हैं। व्हाइट हाउस ने भी पुष्टि की कि ट्रम्प के दबाव के बाद ईरान ने 800 लोगों की फांसी की योजना रोक दी है। संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव मार्था पोबी ने परिषद को बताया कि ये प्रदर्शन तेजी से फैले। इसमें काफी जान-माल का नुकसान हुआ है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, अब तक 3,428 प्रदर्शनकारियों को मार डाला गया, जबकि 18,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर सका है।

मौलवी खातमी बोले- प्रदर्शनकारियों को फांसी हो

ईरान सरकार ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें कुछ हथियारबंद लोग आम प्रदर्शनकारियों के साथ नजर आ रहे हैं। ईरान के वरिष्ठ धर्मगुरु और गार्जियन काउंसिल के सदस्य आयतुल्ला अहमद खातमी ने उन्हें अमेरिका और इजराइल का एजेंट बताया। चेतावनी भी दी कि दोनों देशों को शांति की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को तुरंत फांसी की मांग की है।

पहलवी ने सरकार गिराने की अपील की

ईरान के स्वनिर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी इन प्रदर्शनों के दौरान एक प्रमुख विपक्षी आवाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने फिर सरकार को गिराने की अपील की। उन्होंने ट्रम्प से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा, 'मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति अपने वादे पर कायम रहेंगे। चाहे कोई कार्रवाई हो या नहीं, हम ईरानी लोगों के पास संघर्ष जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।'

ईरान में फंसे हैं 16 भारतीय नाविक, 1 महीने से लगा रहे मदद की गुहार; वापस लाने के लिए सरकार कर रही उपाय

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में पिछले महीने जब्त किए गए एक कमर्शियल जहाज पर सवार 16 भारतीय क्रू मेंबर्स की मदद के लिए भारत सरकार लगातार कोशिश कर रही है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने साफ किया कि वह ईरानी अधिकारियों पर दबाव बनाए रखेगा ताकि भारतियों को जल्द से जल्द कॉन्सुलर एक्सेस मिल सके। दूतावास के अनुसार, एमटी वैलेंट रोर नाम के इस जहाज को 14 दिसंबर को हिरासत में लिया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही, बंदर अब्बास में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने फौरन कदम उठाया।

दूतावास ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'बंदर अब्बास में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने तुरंत ईरान सरकार को पत्र लिखकर क्रू को कॉन्सुलर एक्सेस देने की मांग की।' इसके बाद, यह अनुरोध कई बार दोहराया गया। राजनयिक पत्रों के अलावा, बंदर अब्बास और तेहरान में व्यक्तिगत बैठके की गई, जिसमें राजदूत स्तर की चर्चाएं भी शामिल रहीं।

जिनपिंग की मदद कर रहा था ताइवानी पत्रकार

चीन को लीक की बहुत सारी गुप्त सूचनाएं

ताइपे, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

ताइवान का एक पत्रकार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मंसूबों की मदद कर रहा था। वह लगातार ताइवान की गुप्त सूचनाएं चीनी अधिकारियों को शेयर कर रहा था। ताइवान की सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उन्होंने ताइवावनी सेना के अधिकारियों को रिश्वत देकर मुख्य भूमि चीन के लोगों को सैन्य जानकारी साझा की। इस स्वशासित द्वीप पर चीन से संभावित घुसपैठ को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है। ताइवान के चियाओटू जिला अभियोजन कार्यालय ने एक बयान में कहा कि जिला अदालत ने लिन उपनाम वाले एक टेलीविजन रिपोर्टर और पांच वर्तमान तथा सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों की हिरासत का आदेश दिया है। बयान में पत्रकार का नाम नहीं बताया गया, लेकिन सीटीआई टीवी ने अपने रिपोर्टर लिन चेन-यू की गिरफ्तारी के बारे में बयान जारी किया। कंपनी ने कहा कि उसे मामले की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया की मांग की और कहा, "भगवान ताइवान का भला करे।"

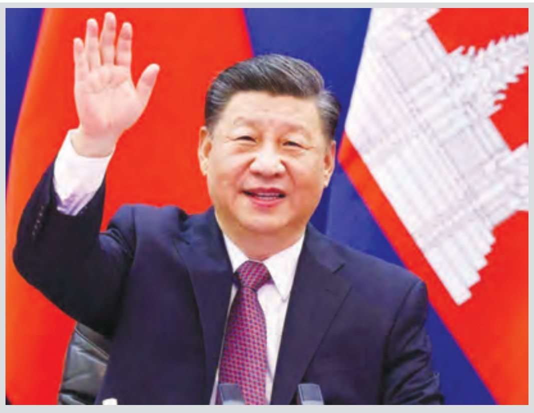

बीजिंग ताइवान पर करता है अपना दावा

ताइवान में सरकार और सेना के भीतर जासूसी के मामलों की नियमित जांच होती रहती है, लेकिन पत्रकारों के खिलाफ ऐसे आरोप असामान्य हैं। बीजिंग ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है। वह जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक उसे नियंत्रण लेने की धमकी देता है। अब इस घटना ने द्वीप के खिलाफ सैन्य दबाव बढ़ा दिया है। पिछले महीने अमेरिका ने ताइवान को बड़े पैमाने पर हथियार बिक्री की घोषणा की थी। इसके खिलाफ चीन की सेना ने दो दिनों तक द्वीप के आसपास बड़े पैमाने पर अभ्यास किए थे।

चीन को दी गुप्त जानकारियां

अभियोजकों का आरोप है कि लिन ने वर्तमान सैन्य अधिकारियों को कुछ हजार से लेकर दसियों हजार ताइवान डॉलर (कुछ दस से सैकड़ों अमेरिकी डॉलर) की राशि दी, बदले में उन्होंने "चीनी व्यक्तियों" को जानकारी प्रदान की। कार्यालय ने यह नहीं बताया कि ये चीनी व्यक्ति कौन थे या क्या वे चीनी सरकार से जुड़े थे। शुक्रवार को अधिकारियों ने रिपोर्टर और नौ वर्तमान तथा सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों के परिसरों पर छापेमारी की, जो ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, भ्रष्टाचार कानूनों के उल्लंघन और गोपनीय जानकारी के खुलासे की जांच का हिस्सा थी।

इस बीट का रिपोर्टर था आरोपी

सीटीआई ने कहा कि उसके कार्यालयों पर छापेमारी नहीं हुई। लिन के फेसबुक पेज के अनुसार, वे राजनीतिक रिपोर्टर और एंकर थे जो द्वीप की विधायिका की कवरेज करते थे। चीन और ताइवान 1949 से अलग-अलग शासित हैं, जब गृहयुद्ध के बाद कम्युनिस्ट पार्टी बीजिंग में सत्ता में आई। पराजित राष्ट्रवादी पार्टी की सेनाएं ताइवान भाग गईं, जहां बाद में मार्शल लॉ से बहुदलीय लोकतंत्र में बदलाव हुआ।

बिना तलाक पत्नी को रिकॉर्ड से हटा परिवार रजिस्टर में दर्ज कराया दूसरी महिला का नाम

बिलासपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में घुमारवीं क्षेत्र में धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। एक महिला ने थाना घुमारवीं में शिकायत दर्ज करवाई है कि उसके पति ने बिना तलाक अथवा किसी वैधानिक प्रक्रिया के उनका नाम धोखे से परिवार रजिस्टर से कटवा दिया और किसी अन्य महिला को अपनी पत्नी के रूप में दर्ज करवा दिया। इतना ही नहीं, परिवार रजिस्टर में फर्जी संतानों की प्रविष्टियां भी करवाई गईं।

शिकायतकर्ता के अनुसार वह उक्त व्यक्ति की पत्नी है और उनके बीच किसी भी प्रकार का तलाक या कानूनी अलगाव नहीं हुआ है। इसके बावजूद आरोपी ने अपने निजी स्वार्थ के चलते सरकारी रिकॉर्ड में गलत जानकारी दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच के दौरान नगर परिषद घुमारवीं से संबंधित परिवार रजिस्टर का रिकॉर्ड मंगवाया गया।

जेल के अंदर कैदियों ने जमकर मचाया उत्पात, 46 सुरक्षाकर्मियों को बंधक बनाया

ग्वाटेमाला सिटी, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला की जेल में कैदियों के द्वारा विद्रोह का मामला सामने आया है। यहां ग्वाटेमाला की तीन जेल में कैदियों ने शनिवार को जेल के कई सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया। जानकारी के मुताबिक कैदियों ने करीब 46 सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया है। वहीं कैदियों ने जेल के अंदर जमकर उत्पात भी मताया है। ऐसा प्रतीत होता है कि कैदियों ने उपद्रव करने के बाद सुरक्षाकर्मियों को बंधक बनाया। मामले को बिगड़ता हुआ देख प्रभावित जेलों के बाहर राष्ट्रीय पुलिस को तैनात कर दिया गया है। वहीं अभी तक इस मामले में किसी के भी मारे जाने की सूचना नहीं मिली है।

46 सुरक्षाकर्मियों को बनाया बंधक

वहीं इस पूरे मामले पर ग्वाटेमाला के गृह मंत्री मार्को एंतोनियो विलेदा ने कहा कि वह कैदियों से बातचीत करने के लिए तैयार हैं, लेकिन 46 बंदी बनाए गए सुरक्षाकर्मियों की रिहाई के बदले उनकी मांगों को स्वीकार नहीं करेंगे। बता दें कि इससे पहले शनिवार को गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कैदियों का यह विद्रोह जेल प्रशासन द्वारा गिरोहों के कुछ नेताओं से सुविधाएं छीने जाने के फैसले का सीधा नतीजा है। फिलहाल सरकार पर लगातार बंधक बनाए गए सुरक्षाकर्मियों को छुड़ाने का दबाव बन रहा है।

शर्तें मानने के लिए राजी नहीं सरकार

गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया कि, ''ग्वाटेमाला में हम न तो आतंकवादियों से और न ही संगठित अपराधियों से बातचीत करते हैं। हम उन समूहों को भी अपनी शर्तें थोपने की अनुमति नहीं देते, जिन्होंने भय का माहौल बनाया है।'' वहीं अब कैदियों के विद्रोह को देखते हुए प्रभावित जेलों के आसपास राष्ट्रीय पुलिस तैनात कर दी गई है। अभी की प्राप्त जानकारी के मुताबिक किसी के घायल होने या मारे जाने की कोई सूचना नहीं है। वहीं सोशल मीडिया मंचों पर वायरल वीडियो में कुछ कैदियों को जेल से स्थानांतरित किए जाने की मांग करते हुए भी देखा गया।

कैसे सुलझेगा ग्रीनलैंड का विवाद? मेलोनी ने ट्रंप और नाटो के देशों को यूं समझाई पूरी बात

टोक्यो, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को साफ-साफ समझा दिया है। मेलोनी ने कहा कि ग्रीनलैंड में सिक्योरिटी से जुड़ी चिंताओं को नाटो के फ्रेमवर्क के भीतर ही सुलझाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने ये भी साफ किया कि ग्रीनलैंड में किसी भी प्रकार के जमीनी सैन्य दखल की संभावना काफी कम है। रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्जिया मेलोनी ने अपनी जापाना यात्रा के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि आर्कटिक के क्षेत्र को लेकर अमेरिका की तरफ से उठाए गए सुरक्षा मुद्दे 'जायज' और 'गंभीर' हैं, लेकिन इसको लेकर चर्चा नाटो के भीतर सहयोगी देशों के बीच ही होनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा नाटो के सदस्य देशों की सामूहिक जिम्मेदारी है। आर्कटिक के इलाके में सहयोगी देशों की मौजूदगी को बढ़ाने पर विचार किया जाना जरूरी है। नाटो के सहयोगियों के बीच होने वाले वाद-विवाद को विभाजन के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। यह साझा रणनीतिक चिंताओं के लिए आवश्यक है। मेलोनी के मुताबिक, नाटो पहले ही आर्कटिक को एक स्ट्रैटेजिक एरिया के तौर पर मान्यता दे चुका है।

नाटो के भीतर समन्वय बहुत जरूरी है, ताकि बिखरे या एकतरफा फैसलों से बचा जा सके। उन्होंने ये भी कहा कि इटली ने ग्रीनलैंड के मुद्दे के लिए नाटो के मंच पर औपचारिक चर्चा का प्रपोजल रखा है। इस दौरान, उन्होंने नाटो महासचिव मार्क रुटे की तरफ से डेनमार्क और ग्रीनलैंड की लीडर्स के साथ आयोजित मीटिंग का भी जिक्र किया। गौरतलब है कि मेलोनी का ये बयान ऐसे समय में आया है, जब डोनाल्ड ट्रंप, ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने के लिए आतुर दिख रहे हैं।

भारत चाबहार पोर्ट को छोड़ नहीं सकता, अमेरिका पहले भी कर चुका है कोशिश

तेहरान/नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप ने ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इससे यह सवाल उठने लगा कि क्या भारत अमेरिका के दबाव में ईरान के चाबहार बंदरगाह से पीछे हट सकता है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने इसे खारिज कर दिया। चाबहार सिर्फ एक बंदरगाह नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक जरूरत है। अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत इससे पीछे हटना नहीं चाहता, क्योंकि यह भारत को वेस्टर्न और सेंट्रल एशिया में मजबूत स्थिति देता है।

क्यों खास है बंदरगाह?

चाबहार ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर, ओमान की खाड़ी के मुहाने पर स्थित है। यह ईरान का पहला गहरे पानी वाला बंदरगाह है। यह रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। पाकिस्तान को बाइपास कर भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया से जोड़ता है। चीन-पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट के मुकाबले भारत का संतुलन बनाता है।

भारत की चाबहार में क्या भूमिका?

2002-03 में भारत की भागीदारी से शुरू हुई। 2016 में भारत-ईरान-अफगानिस्तान के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ। 12 करोड़ डॉलर के उपकरण की भारत ने प्रतिबद्धता जताई 25 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन देने का भी करार हुआ। 2024 में भारत ने पोर्ट के संचालन के लिए 10 साल का करार किया।

अमेरिका ने पहले भी रुकावट डाली है?

हां, अमेरिका इस पोर्ट को लेकर पहले भी ऐसी कोशिश कर चुका है। 2003 और 2018 में ईरान पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए। हालाकि, चाबहार को अफगानिस्तान के लिए जरूरी मानते हुए अमेरिका ने भारत को छूट दी थी। यह अप्रैल 2026 तक वैध है। भारत के लिए चाबहार बहुत अहम है। पोर्ट से अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी पहुंच मिलती है। रूस और यूरोप तक माल भेजने में समय और लागत भी कम लगती है। इंटर नैशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का अहम हिस्सा भी है।

क्या होती है 'विक्टोरियन बीमारी'? जिससे संक्रमित हुए अमेजन के कई कर्मचारी; सांसदों ने उठाई ये मांग

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। यूनाइटेड किंगडम के कोवेंट्री शहर में स्थित अमेजन के फुलफिलमेंट सेंटर में ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) के मामलों की पुष्टि हुई है। यह बैक्टीरियल संक्रमण, जिसे अक्सर 'विक्टोरियन बीमारी' के नाम से जाना जाता है, ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जीएमबी यूनियन ने अमेजन के इस वेयरहाउस में टीबी के कई मामलों की पुष्टि की है, जहां करीब 3,000 कर्मचारी काम करते हैं। यूनियन ने साइट को फौरन बंद करने की मांग की है ताकि संक्रमण को रोका जा सके।

अमेजन ने क्या कहा?

अमेजन ने माना है कि सितंबर में टीबी के 10 मामले सामने आए थे। कंपनी का कहना है कि ये मामले 2025 में पहचाने गए थे। अमेजन के वेयरहाउस के एक प्रवक्ता ने बताया कि तब से कोई नया मामला नहीं मिला है। उन्होंने कहा, 'पूरी सावधानी बरतते हुए स्क्रीनिंग प्रोग्राम के दौरान साइट सामान्य रूप से चलाई जा रही है। बेस्ट प्रैक्टिस सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार, हमने तुरंत एन एच एस और यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी (यूकेएचएसए) के दिशानिर्देशों का पालन किया है, साथ ही सभी संभावित प्रभावित कर्मचारियों को स्थिति के बारे में बताया है।' अमेजन फिलहाल एनएचएस और यूकेएचएसए के साथ मिलकर एक व्यापक स्क्रीनिंग प्रोग्राम चला रही है, जिसमें संभावित प्रभावित कर्मचारियों की जांच शामिल है। कंपनी ने इन मामलों को नॉन-कॉन्टैजियस करार दिया है। कंपनी ने जोर दिया है कि वे स्वास्थ्य अधिकारियों के मार्गदर्शन का सख्ती से पालन कर रही है।

वेयरहाउस बंद करने की उठी मांग

यूकेएचएसए वेस्ट मिडलैंड्स के डॉ। रोजर गजराज ने अनुसार वेयरहाउस में प्रभावित कर्मचारियों के संपर्क में आए लोगों को जांच की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुल जोखिम कम है और टीबी का एंटीबायोटिक्स से पूरा इलाज संभव है। एनएचएस की दिशानिर्देशों के अनुसार, टीबी के लक्षणों में निरंतर खांसी, थकान, तेज बुखार, भूख की कमी और वजन घटना शामिल हैं।

ईरान में खामेनेई सरकार को हिलाने वाली 63 साल की नाजनींन बरादरन कौन हैं?

तेहरान, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में चले विरोध प्रदर्शन के बाद देश में कई लोगों पर एक्शन लिया गया है। अब सामने आया है कि एक महिला को प्रदर्शनकारियों का लीडर बताया गया है। इस महिला का नाम नाजनींन बरादरन है। 63 साल की नाजनींन पर आरोप है कि उन्होंने प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व किया। आईआरजीसी ने इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर नाजनींन बरादरन को पकड़ा है। नाजनींन बरादरन पर विरोध प्रदर्शनों को हिंसक बनाने की मास्टरमाइंड होने के आरोप लगे हैं। इसी के साथ ईरानी मीडिया ने आरोप लगाए हैं कि इस महिला का कनेक्शन अमेरिका और इजराइल से था। ईरानी मीडिया ने बताया कि अशांति के कई मुख्य साजिशकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। इनमें नाजनींन बरादरन नाम की एक महिला भी शामिल है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह गिरफ्तारियां जटिल खुफिया अभियानों के बाद की गईं।

रजा पहलवी से कनेक्शन

रिपोर्ट में महिला के देश के निर्वासित प्रिंस रजा पहलवी से कनेक्शन बताए गए हैं। रजा पहलवी ने भी ईरान में विरोध प्रदर्शन की बगावत की आग को सुलगाने में अहम रोल निभाया। उनके एक पोस्ट से देश में लोगों का गुस्सा बढ़ गया था। कई लोग उनकी अपील के बाद बढ़ी तादाद में सड़कों पर उतरे। इसी के बाद सरकार ने इंटरनेट तक बंद कर दिया था। इसी के बाद हाल ही में शुक्रवार को भी उन्होंने लोगों से विकेंड पर बड़ी तादाद में सड़कों पर उतरने की अपील की है। रिपोर्टों में कहा गया है कि बरादरन का राहा परहम कोड नेम था। इसी कोडनेम के साथ वो काम कर रही थी। वो ईरान के आखिरी शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी की ओर से काम कर रही थी। इन रिपोर्टों के अनुसार, अशांति और विरोध प्रदर्शनों को संगठित करने में उसकी भूमिका काफी अहम बताई गई है।

रजा पहलवी के जरिए ही बरादरन अमेरिका की खुफिया एजेंसी के टच में थी। साथ ही ईरानी मीडिया का दावा है कि इस महिला की गिरफ्तारी के बाद देश में विरोध प्रदर्शन शांत हो गया। हालांकि, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने साफ किया है कि वो न तो इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि कर सकी है और न ही बरादरन की पहचान को वेरिफाई कर पाई है।

डोनाल्ड ट्रंप की चापलूसी का मजा मिल गया

अमेरिकी वीजा बैन पर पाक पत्रकार हामिद मीर ने शरीफ-मुनीर को लताड़ा

इस्लामाबाद, 18 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने 75 देशों के लिए वीजा जारी करने की प्रोसेस रोकने का फैसला किया है। इन देशों में पाकिस्तान का भी नाम शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस फैसले ने पाकिस्तान में हलचल मचा दी है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और आर्मी चीफ असीम मुनीर ने हालिया महीनों में अमेरिका से रिश्ते सुधारने पर जोर दिया है। ऐसे में पाकिस्तानी आर्मी और सरकार के लिए यह बड़ा झटका है। इस मुद्दे पर शहबाज और मुनीर से पाकिस्तान में सवाल पूछे जा रहे हैं। पाकिस्तान के सीनियर पत्रकार हामिद मीर ने शरीफ सरकार को घेरा है। हामिद मीर ने ट्रंप प्रशासन के पाकिस्तान को वीजा फ्रीज लिस्ट में डालने पर ना सिर्फ शहबाज शरीफ बल्कि मुनीर की मिलिट्री लीडरशिप पर भी सवाल उठाया है। मीर ने कहा कि मुनीर और शरीफ ने डोनाल्ड ट्रंप की चापलूसी में कोई कमी नहीं छोड़ी। दुनियाभर में जाकर उनकी तारीफ की लेकिन अमेरिका ने पाकिस्तान को उसकी हकीकत बता दी है।

मीर ने कहा कि शहबाज शरीफ और असीम मुनीर ने 2025 में डोनाल्ड ट्रंप को दो बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने की बात कही। पाकिस्तान और भारत के सीजफायर का श्रेय उनको दिया। इसका मजा हमें यह मिला है कि अमेरिका ने पाकिस्तान के लिए इमिग्रेंट वीजा प्रोसेसिंग पर अनिश्चित काल के लिए रोक लगा दी है। हामिद मीर ने अपने बयान में आगे कहा, 'भारत ने कभी डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट नहीं किया। सीजफायर पर भी उनके दावे का समर्थन नहीं किया। नई दिल्ली की कई अमेरिकी नीतियों पर सैद्धांतिक दूरी के बावजूद भारत को बैन से बाहर रखा गया है,

सीएम भजनलाल का अफसरों को सख्त संदेश
परियोजना में ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला कलक्टर को विकास कार्यों में आवश्यक भू-आवंटन पर त्वरित कार्रवाई और निविदा जारी कर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर न्यूनतम मापदंडों के अनुरूप भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां चरणबद्ध रूप से क्रियान्वयन की जाए।

कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

आयोजित राज उन्नति की प्रथम बैठक में सीएम भजनलाल ने लगभग 2 हजार करोड़ रुपए की 7 परियोजनाओं और 2 अन्य योजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम भजनलाल ने कहाकि जो भी अधिकारी इन योजनाओं में देरी करता है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कैशलेस वैकल्पिक मॉडल पर शीघ्र कार्य करने के निर्देश

सीएम भजनलाल ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन के चयनित परिवादियों से उनके परिवाद निस्तारण पर फीडबैक लिया। उन्होंने पीएम सूर्यघर 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने के उद्देश्य से कैशलेस वैकल्पिक मॉडल पर शीघ्र कार्य करने के लिए निर्देश दिए।

हीरापुरा बस टर्मिनल : कार्यों में तेजी लाने को कहा

सीएम भजनलाल ने राजधानी जयपुर के हीरापुरा बस टर्मिनल में बस रूटों के निर्धारण और यात्रियों के लिए शेड, पेयजल, पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों में तेजी लाने को कहा है।

एसपीजी में एआईजी बताकर ले रहा था सरकारी सुविधाएं
भिवाड़ी पुलिस ने फर्जी आईपीएस का किया भंडाफोड़

कोटपुतली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। वर्दी का खौफ, पद का रौब और सरकारी सिस्टम की कमजोरी का फायदा उठाकर खुद को आईपीएस और एसपीजी का एआईजी बताने वाला एक शातिर ठग आखिरकार भिवाड़ी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी फर्जी पहचान पत्र, डमी वायरलेस और 'पुलिस' लिखी ब्लैक स्कॉर्पियो से देश की सुरक्षा एजेंसियों की साख से खुलेआम खिलवाड़ कर रहा था। पुलिस अधीक्षक प्रशांत किरण के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू एवं वृत्ताधिकारी कैलाश चौधरी की निगरानी में थानाधिकारी सचिन शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने इस हाई-प्रोफाइल फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया।

16 जनवरी को थाने पहुंचा था आरोपी

पुलिस ने बताया कि फर्जी आईपीएस अफसर 16 जनवरी 2026 की रात करीब 9:30 बजे थाने पहुंचा। कमर में वायरलेस हैंडसेट लटकाए, रौबदार अंदाज में उसने खुद को राजस्थान कैडर का आईपीएस बताते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री सुरक्षा समूह में एआईजी पद पर तैनात है। सरकारी काम से भिवाड़ी आने और रात होने का हवाला देकर उसने फाइव स्टार होटल में ठहरने की व्यवस्था कराने की मांग की।

कार में फैली अव्यवस्था ने खोली पोल

ड्यूटी पर मौजूद हेड कांस्टेबल ने जब उसकी ब्लैक स्कॉर्पियो से सामान उतारा तो अंदर फैली अव्यवस्था और संदिग्ध दस्तावेजों ने पोल खोल दी। अलग-अलग पतों वाले आधार कार्ड, पासपोर्ट, बैंक चेकबुक और प्राइवेट कंपनी का विजिटिंग कार्ड देख पुलिस सतर्क हो गई। सिविल लिस्ट खंगाली गई तो नाम कहीं दर्ज नहीं मिला और उसकी कहानी ज्यादा देर नहीं चली।

कभी खुद को सीआईएसएफ कमांडेंट तो कभी बताता रहा एआईजी

पूछताछ में आरोपी बार-बार बयान बदलता रहा। पहले आईपीएस, फिर सीआईएसएफ कमांडेंट और अंत में एसपीजी में एआईजी की कहानी गढ़ता रहा। सख्ती के बाद उसने कबूल कर लिया कि वह कोई अधिकारी नहीं, बल्कि सिर्फ रौब और फायदे के लिए वर्दी और सिस्टम का नकाब ओढ़े हुए था।

बागपत का रहने वाला है आरोपी

पुलिस ने आरोपी सौरभ तौमर (34) निवासी बागपत (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से फर्जी एआईजी आईडी कार्ड, डमी वायरलेस, 'पुलिस' लिखी ब्लैक स्कॉर्पियो, पासपोर्ट, चेकबुक, मोबाइल और लैपटॉप जब्त किए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में मिले संदिग्ध डेटा की गहन जांच जारी है। पुलिस अब यह भी खंगाल रही है कि आरोपी ने इससे पहले किन राज्यों में फर्जी अफसर बनकर टोल टैक्स, होटल और अन्य सुविधाओं का फायदा उठाया और इस खेल में उसके पीछे कोई गिरोह तो नहीं।

बीजेपी के दिग्गज नेता राज के पुरोहित का निधन

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के दिग्गज नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राज के पुरोहित का रविवार तड़के निधन हो गया। 71 वर्षीय राज के पुरोहित पिछले कई दिनों से मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। वे मूल रूप से राजस्थान के सिरोही जिले के निवासी थे। राज के पुरोहित के निधन से राजनीतिक और सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

जानकारी के अनुसार राज के पुरोहित कई दिनों से बीमार थे और 15 जनवरी से मुंबई के बॉम्बे अस्पताल में भर्ती थे। जहां उपचार के दौरान रविवार सुबह उनका निधन हो गया।राज के पुरोहित भाजपा मुंबई के अध्यक्ष रहे।

इसके अलावा वे मुंबादेवी से चार बार और कोलाबा से एक बार विधायक रहे। वे महाराष्ट्र सरकार में गृह निर्माण मंत्री सहित कई विभागों में मंत्री रह चुके थे। उनके बेटे आकाश पुरोहित ने हाल ही बीएमसी के चुनाव में जीत दर्ज की थी।

मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले थे राज के पुरोहित

राज के पुरोहित मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले थे। राज के पुरोहित का जन्म 31 अगस्त 1955 को सिरोही के फूंगनी में हुआ था। उनके निधन पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने दुख जताया।

हिस्ट्रीशीटर के आलीशान मकान पर चला बुलडोजर
कई थानों की पुलिस रही मौजूद

कोटा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में प्रशासन ने अपराधी तत्वों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत रविवार को बड़ी कार्रवाई की। सांगोद क्षेत्र में नगर पालिका प्रशासन ने हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के अवैध मकान पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त किया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

प्रशासन के अनुसार आदिल मिर्जा ने सांगोद नगरपालिका क्षेत्र के अमृतखेड़ी गांव में करीब 225 गज जमीन पर अतिक्रमण कर आलीशान मकान बना रखा था। अतिक्रमण हटाने को लेकर पहले ही नोटिस चस्पा किया जा चुका था, लेकिन तय समय में निर्माण नहीं हटाने पर नगर पालिका ने सख्त कदम उठाते हुए तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की। आदिल के साथ ही उसके रिश्तेदार के घर भी बुलडोजर से तोड़ा गया।

कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए कई थानों के थानाधिकारी और

भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध अतिक्रमण और अपराध से जुड़े लोगों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

कोटा जिले में फायरिंग की कई वारदातों में शामिल रहे हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा संपत्तियों को पुलिस ने चिह्नित किया था। सांगोद तहसील के अमृतखेड़ी गांव में अतिक्रमण कर बनाए गए मकान पर नोटिस चस्पा कर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देश दिए थे। इसके लिए तीन दिन की मोहलत दी गई थी। लेकिन, तय समय में अतिक्रमण नहीं हटने के बाद पुलिस की मौजूदगी में प्रशासन ने बुलडोजर की मदद से मकान को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की।

कौन है हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा?

हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा मोडक क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस पर फायरिंग कर फरार हुए हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा को 11 जनवरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

आरोपी के खिलाफ फायरिंग, जानलेवा हमला, एससी-एसटी एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित कुल 34 मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। 45 वर्षीय आदिल मिर्जा के खिलाफ पहला मुकदमा साल 1996 में दर्ज हुआ था, जब वह नाबालिग था। साल 2020 तक ही उसके खिलाफ 30 मामले दर्ज हो चुके थे। वहीं, बीते एक महीने में उसके खिलाफ चार नए केस दर्ज हुए हैं।

ऊकाली घाटी में पैंथरों की दस्तक, ग्रामीण रातभर कर रहे मवेशियों की रखवाली; लोगों में डर का माहौल

दौसा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के दौसा–लालासर सड़क मार्ग स्थित लांका गांव की ऊकाली घाटी में एक साथ तीन पैंथर सड़क पर घूमते नजर आए। तीनों पैंथर करीब एक घंटे तक सड़क पर विचरण करते रहे। इस दौरान वहां से गुजर रहे वाहन चालकों में दहशत फैल गई। कार चालकों ने तुरंत इसकी सूचना वनपाल नाका पर तैनात वनकर्मियों को दी। साथ ही, कई वाहन चालकों ने पैंथरों के वीडियो भी बनाए।

बताया जा रहा है कि ऊकाली घाटी में रात के समय तीन जंगली पैंथरों ने सड़क पर गौवंश का शिकार किया। शिकार के बाद पैंथर सड़क पर ही काफी देर तक घूमते रहे, जिससे वाहन चालक आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा सके। सूचना मिलने पर जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर-शराबा किया, तो पैंथर पहाड़ी के जंगलों की ओर चले गए।

पैंथरों की लगातार आवाजाही से क्षेत्र के ग्रामीण भयभीत हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे रातभर पहरा देकर अपने मवेशियों की सुरक्षा कर रहे हैं। वन विभाग की टीम ने पहाड़ी जंगलों में सर्च अभियान चलाया, लेकिन पैंथर नजर नहीं आए। ग्रामीणों और वाहन चालकों द्वारा बनाए गए वीडियो वनकर्मियों को सौंपे गए हैं।

फॉरेस्टर दिनेश कुमार मीणा ने बताया कि वीडियो उच्च अधिकारियों को भेज दिए गए हैं। वहीं, रेंजर राकेश कुमार मीणा ने कहा कि वीडियो देखने पर जानवर लैपर्ड प्रतीत हो रहे हैं। पगमार्क मिलने की स्थिति में पिंजरा लगाकर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया जाएगा।

पुलिस ने एचडी ड्रग्स फैक्ट्री का किया भंडाफोड, मौके से दो किलो एमडी जब्त

झालावाड़, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मिश्रोली थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए (एक्स्टसी) के निर्माण की फैक्ट्री का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में केमिकल और निर्माण में प्रयुक्त सामग्री जब्त की है।

बाड़े की आड़ में चलाई जा रही थी फैक्ट्री

पुलिस के अनुसार, खेतों के एक बाड़े की आड़ में यह अवैध फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। संयुक्त कार्रवाई में मिश्रोली और भवानीमंडी थाना पुलिस की टीम शामिल रही। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 130 लीटर केमिकल, एमडीएमए निर्माण में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल, उपकरण और अन्य सामग्री जब्त की है।

25 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

जब्त किए गए मादक पदार्थ और केमिकल की अनुमानित बाजार कीमत करीब 25 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा पुलिस ने मौके से एक कार और एक बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिनका उपयोग मादक पदार्थों के परिवहन में किया जा रहा था।

तीन आरोपी फरार, इनाम घोषित

पुलिस कार्रवाई के दौरान गोपाल सिंह, दिनेश सिंह और नरेंद्र सिंह मौके से फरार हो गए। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रत्येक आरोपी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

पुलिस के लिए बड़ी सफलता: एसपी

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के निर्माण और तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

सेना की वर्दी पहन ठगी की साजिश
फर्जी 'आर्मी ऑफिसर' चढ़ा पुलिस के हत्थे

कोटा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सेना की वर्दी पहनकर घूम रहे एक फर्जी अधिकारी को गिरफ्तार किया है। नयापुरा थाना क्षेत्र में नेहरू गार्डन के पास सेना की ड्रेस में रौब झाड़ रहे इस संदिग्ध पर जब इंटेलिजेंस टीम की नजर पड़ी, तो उसकी सिपाही जैसी हरकतें देख शक गहरा गया।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ज्वाइंट इंटेलिजेंस कमेटी (जेआईसी) ने आरोपी से घंटों गहन पूछताछ की। जांच में सामने आया कि पकड़ा गया युवक 22 वर्षीय महेश गिरी है, जो मध्य प्रदेश के रतलाम का रहने वाला है। वह बेरोजगार युवाओं को सेना में स्थाई और संविदा पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर मोटी रकम वसूलने की फिराक में था। थानाधिकारी विनोद कुमार नागर के अनुसार, पूछताछ में जासूसी या देशविरोधी गतिविधियों के प्रमाण नहीं मिले हैं, लेकिन आरोपी केवल फ्रॉड के इरादे से फर्जी ऑफिसर बना था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से फर्जी दस्तावेज और वर्दी जब्त कर ली है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि वह अब तक कितने युवाओं को अपना शिकार बना चुका है।

युवती की लाज बचाने की मिली ऐसी सजा
मध्यप्रदेश के युवक को चलती ट्रेन से फेंका

टोंक, 18 जनवरी (एजेंसियां)। यह घटना सिर्फ एक युवक पर हमला नहीं है, यह समाज की संवेदनहीनता, व्यवस्था की कमजोरी और ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा पर एक करारा तमाचा है। खाटू श्याम जी के दर्शन से लौट रहे एक युवक ने जब ट्रेन में एक युवती के सम्मान की रक्षा के लिए आवाज उठाई तो दरिंदों ने उसकी इंसानियत की कीमत उसके टूटे शरीर से वसूल ली। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के मदनमहल थाना क्षेत्र के शुक्ला नगर केवट मोहल्ला निवासी अरविंद केवट (33) अपनी बहन के साथ श्रद्धा और विश्वास के साथ 14 जनवरी को खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए निकला था। लेकिन यह धार्मिक यात्रा उसके जीवन की सबसे भयावह याद बन जाएगी, यह उसने कभी नहीं सोचा था।

दर्शन के बाद अरविंद दयोदय एक्सप्रेस से जबलपुर लौट रहा था। शाम को यात्रा के दौरान उसकी बहन किसी अन्य डिब्बे में बैठ गई। टोंक जिले के निवाई के पास बहन को तलाशते समय उसने देखा कि एक युवती शौचालय के पास सहमी खड़ी है और तीन युवक उसके साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। उसके विरोध से आरोपी कुछ पल के लिए पीछे हटे, लेकिन उनकी हिंसक मानसिकता चुप नहीं हुई।

बदले की भावना से भरे उन्हीं युवकों ने मौका पाकर अरविंद को चलती ट्रेन से नीचे धक्का दे दिया। तेज रफ्तार ट्रेन से गिरते ही उसका शरीर पटरी किनारे जा गिरा। अरविंद पूरी रात घायलावस्था में रेलवे ट्रैक के पास पड़ा रहा। घटना निवाई और सिरस स्टेशन के बीच की बताई जा रही है। ॅसुबह ट्रैकमैन की नजर पड़ी तो सिरस स्टेशन मास्टर को सूचना दी गई। इसके बाद सवाई माधोपुर जीआरपी मौके पर पहुंची और अरविंद को राजकीय सआदत अस्पताल, टोंक पहुंचाया गया। चिकित्सकीय जांच में सामने आया कि अरविंद के दोनों हाथों और उंगलियों में फ्रैक्चर है, पसलियां टूटी हैं, सिर और कंधे में गंभीर चोटें हैं।

मुंबई की लड़की से गैंगरेप के बाद ऑस्ट्रेलियाई युवती से छेड़छाड़
राजस्थान का उदयपुर फिर शर्मसार!

उदयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। आईटी कंपनी के सीईओ गैंगरेप केस और मुंबई से इवेंट के बहाने युवती को बुलाकर सामूहिक बलात्कार करने की घटना के जख्म झेल रहे उदयपुर शहर को एक और घटनाक्रम ने शर्मसार कर दिया है। अब यहां उदयपुर में भारत घूमने आई ऑस्ट्रेलिया की एक युवती से छेड़छाड़ का मामला खुला है। जानकारी मिली है कि युवती एक ऑटो में सवार होकर शहर के सुखाड़िया सर्कल इलाके स्थित एक बार में गई थी। बताया जा रहा है कि यहां ऑटो चालक ने उसके साथ बदसलूकी की। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी ऑटो ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। अंबामाता थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान खांजीपीर निवासी 38 वर्षीय तौसिफ अली के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने शराब के नशे में घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। ऑस्ट्रेलियाई युवती जनवरी के पहले सप्ताह में टूरिस्ट वीजा लेकर भारत आई थी। वह देश के अलग-अलग हिस्सों में करीब एक सप्ताह तक घूमने के बाद 15 जनवरी को उदयपुर पहुंची। शहर भ्रमण के लिए उसने एक ऑटो किराए पर लिया था। शाम के समय वह ऑटो से सुखाड़िया सर्कल क्षेत्र के एक बार में पहुंची, जहां नशे की हालत में ऑटो ड्राइवर ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया।

युवक ने महाराष्ट्र जेल में डॉक्टर से सीखा फॉर्मूला
31 साल की उम्र में बन गया कुख्यात ड्रग माफिया

बाड़मेर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की बड़ी कार्रवाई के बाद एक लाख रुपए के इनामी कुख्यात ड्रग माफिया रमेश विश्नोई को गिरफ्तार कर धोरीमन्ना लाया गया, जहां भारी पुलिस जाब्ते के बीच कस्बे के प्रमुख बाजारों में उसकी पैदल परेड करवाई गई। इस कार्रवाई के जरिए पुलिस ने नशा तस्करों और संगठित अपराधियों को साफ संदेश दिया कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल किसी भी अपराधी को कानून के शिकंजे से बचने नहीं दिया जाएगा।

गिरफ्तार आरोपी रमेश विश्नोई महाराष्ट्र और राजस्थान में सक्रिय एमडी ड्रग तस्करी गिरोह का मुख्य सरगना बताया जा रहा है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के दौरान अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क, केमिकल सप्लायर,

फाइनेंसर और फैक्ट्री संचालन से जुड़े कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

पुलिस के अनुसार रमेश विश्नोई पिछले वर्ष बाड़मेर जिले के सेड़वा थाना क्षेत्र में दर्ज अवैध एमडी ड्रग प्रकरण में फरार चल रहा था। लंबे समय से फरारी काट रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके बावजूद वह लगातार ठिकाने बदलकर कानून को चुनौती देता रहा।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एएनटीएफ आइजी विकास कुमार के निर्देशन में विशेष अभियान ऑपरेशन विषाणुबहु चलाया गया। इसी अभियान के तहत एएनटीएफ की विशेष टीम ने आरोपी को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी नाम बदलकर वहां केमिकल का बड़ा व्यापारी बनकर रह रहा था और दोबारा एमडी ड्रग फैक्ट्री स्थापित करने की तैयारी में जुटा हुआ था।

12वीं पास करने के बाद शौक पूरे करने के लिए शुरू की गई वाहन चोरी आगे चलकर रमेश का पेशा बन गई। सैकड़ों वाहन चोरी कर तस्करों को बेचे, फिर शराब तस्करी और अंततः एमडी ड्रग्स के अवैध कारोबार का बड़ा खिलाड़ी बन गया।

महज 31 साल के रमेश बिश्नोई ने महाराष्ट्र जेल में कुख्यात सरगना डॉ. बिरजू से खतरनाक ड्रग्स एमडी बनाने का फॉर्मूला सीखा था। जेल से बाहर आते ही उसने एमडी ड्रग्स का अवैध कारोबार शुरू किया।

एजीटीएफ और पुलिस की बदमाशों के ठिकानों पर दबिश, हथियार और कारतूस भी मिले

झुंझुनू, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और झुंझुनूं पुलिस के द्वारा संगठित अपराध पर रोक के लिए एक ऑपरेशन चलाया गया। इस ऑपरेशन के तहत करीब 200 पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमों ने करीब 15 से ज्यादा ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस ने कई बदमाशों को पकड़ा। पुलिस को कुछ हथियार भी मिले हैं। फिलहाल अभी इन्वेस्टिगेशन जारी है। झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि आज एजीटीएफ एडीजी दिनेश एमएन के निर्देश पर यह ऑपरेशन चलाया गया। जिसमें एजीटीएफ और पुलिस की 12 टीम शामिल रही। इन टीमों में 100 पुलिसकर्मी और 100 एजीटीएफ के जवान शामिल रहे। इसके अलावा ईआरटी टीम के जवान भी शामिल रहे। जिन्होंने जिले के सूरजगढ़, पिलानी, खेतड़ी सहित कई इलाकों में हार्डकोर बदमाशों के ठिकानों पर दबिश दी। इस ऑपरेशन के दौरान हार्डकोर अपराधी अनिल के भाई विक्रम गुर्जर को 28 जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा है। हार्डकोर अपराधी संजय के आवास से उसके भाई निखिलेश के पास एक पिस्टल मिली है। साथ ही तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। हथियार और कारतूस मिलने के मामले में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज करके इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा भी विक्रम गुर्जर, श्रवण के ठिकानों पर भी दविश दी गई है। यहां से भी कई बदमाशों को डिटेन किया गया है। जिसे लगातार पूछताछ की जा रही है।

सत्ता का आनंद लेने के लिए राजनीति में नहीं आया : भट्टी विक्रमार्का

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने स्पष्ट किया कि उन्होंने राजनीति में व्यापार साम्राज्यों को बढ़ाने या सत्ता का आनंद लेने के लिए प्रवेश नहीं किया। भट्टी विक्रमार्का ने रविवार को प्रजा भवन, हैदराबाद में मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका राजनीति में प्रवेश एक विशेष उद्देश्य के लिए हुआ, तेलंगाना की संपत्तियों और संसाधनों को लुटेरों और दुरूपयोगकर्ताओं से सुरक्षित रखना और यह सुनिश्चित करना कि ये संसाधन सीधे लोगों तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि सिंगरेणी कोल कंपनी टेंडरों को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। भट्टी ने कहा कि टेंडर की शर्तें सिंगरेणी द्वारा अंतिम रूप से तय की जाती हैं और मंत्रियों का इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं होता। उन्होंने टेंडरों को रद्द करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह सिंगरेणी बोर्ड के सदस्यों को बताया, जिन्होंने कहा कि टेंडर जारी किया गया है लेकिन अब तक किसी ने आवेदन नहीं किया। तब भी उन्होंने टेंडरों को रद्द कर दोबारा बुलाने का निर्देश दिया।

भट्टी ने कहा कि वे आत्म-सम्मान के साथ रहते हैं और राज्य को शोषकों से बचाने के लिए राजनीति में आए हैं। उन्होंने जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सभी मंत्री राज्य के लोगों के व्यापक हितों के लिए काम कर रहे हैं और वे छोटे, प्रेरित और मनगढंत कहानियों से भयभीत नहीं होंगे।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में 7 जवान घायल

3 एयरलिफ्ट किए गए, किश्तावाड़ के सोनार में ऑपरेशन त्राशी-1 जारी

किश्तवाड़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में रविवार दोपहर को आतंकी मुठभेड़ में सेना के 7 जवान घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक 3 जवानों को एयरलिफ्ट करके इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना किश्तवाड़ के ऊपरी जंगली इलाके सोनार की है। यहां सेना की व्हाइट नाइट कोर का आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन त्राशी-1' जारी है। इसी दौरान आतंकियों से जवानों की मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से फायरिंग की गई। 2-3 से आतंकियों को जवानों ने घेरा था। तभी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। अधिकारियों ने कहा है कि ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हो सकते हैं।

अधिकारियों के मुताबिक आतंकियों की तलाश अभी भी जारी है। इलाके पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। स्निफर डॉग्स की भी मदद ली गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ सर्चिंग में जुटी है।

दिसंबर में 2 जवान घायल हुए थे :

16 दिसंबर 2025 : जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मजालता क्षेत्र के सोहन गांव के पास लगातार दूसरे दिन को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर हुआ था। आतंकियों की गोलीबारी में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के दो जवान घायल हुए थे। एक दिन पहले हुई मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस का जवान शहीद हुआ था।

इंदौर में कोहली का शतक, भारत 41 रन से हारा

न्यूजीलैंड ने इंडिया में पहली बार वनडे सीरीज जीती, डेरिल मिचेल का शतक

इंदौर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीत ली है। टीम ने रविवार को इंदौर में खेले गए तीसरे वनडे मैच में मेजबानों को 41 रन से हराया। इतना ही नहीं, भारतीय टीम होलकर स्टेडियम में पहला मैच हारी है।

338 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 46 ओवर में 296 रन पर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली ने 108 बॉल पर 124 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। न्यूजीलैंड की ओर से क्रिस्टियन क्लार्क और जैक फॉल्क्स 3-3 विकेट झटके। डेरिल मिचेल ने 137 और ग्लेन फिलिप्स ने 106 रनों की शतकीय पारियां खेलीं। दोनों ने 219 रन की साझेदारी भी की।

टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड ने 8 विकेट खोकर 337 रन बनाए थे।

नहर में मिला किशोर का शव

पेद्दापल्ली, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसआरएसपी नहर में लापता हुए एक किशोर का शव शनिवार को पेद्दापल्ली के पास बरामद किया गया। मृतक की पहचान सैयद सहाद (19) के रूप में हुई है। वह पेद्दापल्ली जिले के चंदापल्ली गांव का रहने वाला था और पेद्दापल्ली आईटीआई कॉलेज में द्वितीय वर्ष का छात्र था। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को सहाद एसआरएसपी डी-83 नहर के पास भेड़ें चराने गया था।

इसी दौरान कुछ भेड़ें नहर में गिर गईं। उन्हें बचाने के लिए सहाद नहर में उतर गया, लेकिन तैरना न आने के कारण वह पानी में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। शनिवार को बिजली संयंत्र के पास उसका शव मिला। मृतक के पिता खादर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पोट मार्केट स्थित विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव को सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र को मल्काजगिरी क्षेत्र में सम्बलित नहीं करने के लिए आयोजित सफलतम रैली के लिए शुभकामनाएं देते हुए तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोशिएशन के पदाधिकारी पारसमल रांका, शंकरसिंह राजपुरोहित, शेरमल बोहरा, गुलाबसिंह राजपुरोहित, सुरेश कुमार संचेती व अन्य।

भू-भारती पोर्टल में करोड़ों का घोटाला उजागर

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा पूर्ववर्ती धरणी पोर्टल के विकल्प के रूप में शुरू किया गया बहुचर्चित भू भारती पोर्टल बड़े राजस्व घोटाले के कारण विवादों में आ गया है। लॉन्च के करीब 18 महीने बाद ही इसके डिजाइन, सुरक्षा और कार्यान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जंगांव और वारंगल जिलों में करोड़ों रुपये की हेराफेरी के मामले में 15 मीसेवा संचालकों की गिरफ्तारी के बाद पोर्टल की तकनीकी खामियां सामने आई हैं। जांच में पता चला है कि एजेंटों ने पोर्टल के बैकएंड में बदलाव कर पंजीकरण शुल्क और स्टांप ड्यूटी का बड़ा हिस्सा निजी खातों में ट्रांसफर कर दिया, जबकि सरकार को केवल 10 प्रतिशत राशि मिली।

सबसे गंभीर बात यह सामने आई है कि मंडल स्तर के अधिकारियों को स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क की जांच का अधिकार ही नहीं दिया गया, जिससे बिचौलियों को खुली छूट मिल गई और किसान व खरीदार असुरक्षित हो गए। इसके विपरीत, पिछली बीआरएस सरकार के समय लागू धरानी पोर्टल निर्धारित एक्सेस कंट्रोल और एकल-खिड़की प्रणाली के तहत काम कर रहा था और कभी इस तरह की सुरक्षा चूक सामने नहीं आई थी।

बताया जा रहा है कि बिना पर्याप्त परीक्षण के लागू किया गया भू-भारती पोर्टल बिचौलियों, देरी और हेरफेर को फिर से बढ़ावा दे रहा है। एनआईसी के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि प्रणाली को स्थिर होने में अभी कम से कम छह महीने और लग सकते हैं। इस बीच भूमि परिवर्तन, उत्तराधिकार हस्तांतरण और पासबुक सुधार जैसी सेवाएं ठप पड़ी हैं। किसान कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं और न स्लॉट बुक हो पा रहे हैं, न ही दस्तावेज अपलोड।

घोटाले के बाद सीसीएलए कार्यालय द्वारा किसानों को नोटिस जारी किए जाने से आक्रोश बढ़ गया है। अकेले जंगांव जिले में 80 से अधिक किसानों को नोटिस मिले हैं, जिनमें वैध रूप से पंजीकरण कराने वाले किसान भी शामिल हैं। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान के लिए किसानों को यह बताना होगा कि भुगतान किसे किया गया था, अन्यथा उनसे कानूनी रूप से राशि वसूली जा सकती है। मामले की जांच जारी है, लेकिन तय समय सीमा बीतने के बावजूद अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है।

बाघ के हमले से गांवों में दहशत

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के एक बाघ द्वारा मवेशियों पर हमला किए जाने के बाद तेलंगाना के यादद्री भुवनगिरी जिले के तुरकापल्ली और आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। पुलिस के अनुसार, बाघ ने यादद्री भुवनगिरी जिले के इब्राहिमपुर गांव में दो बछड़ों पर हमला किया। इनमें से एक बछड़े को बाघ उठाकर ले गया, जबकि दूसरे को खेत में ही छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने सबसे पहले तुरकापल्ली क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया। वन अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पदचिह्नों की जांच की और 8 से 10 वर्ष की आयु के बाघ की उपस्थिति की पुष्टि की। बाघ की तस्वीरें ट्रैप कैमरों में भी कैद हुई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बाघ सिद्दिपेट के जंगलों से यादद्री भुवनगिरी जिले में आया है और पिछले करीब 10 दिनों से इस क्षेत्र में घूम रहा है। बताया जा रहा है कि वह साथी की तलाश में है। बाघ की गतिविधियों को देखते हुए पुलिस और वन विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि लोग खेतों में अकेले न जाएं और समूह में ही आवागमन करें। एनजी बांदा, इब्राहिमपुर, वीरारेड्डी पल्ली और आसपास के गांवों में भय का माहौल बना हुआ है। वन विभाग ने गांवों के आसपास अतिरिक्त कैमरा ट्रैप भी लगाए हैं।

श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र का स्थापना दिवस कार्यक्रम सम्पन्न

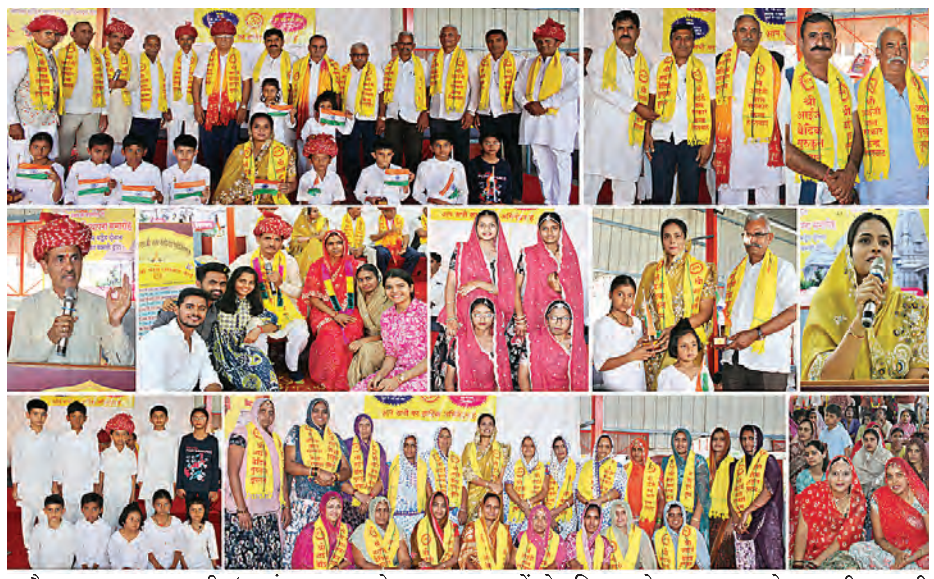

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एल.बी.नगर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र का 17वां स्थापना दिवस कार्यक्रम रविवार 18 जनवरी मध्यान् 2 बजे से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम संचालक देवाराम काग ने बताया कि हर वर्ष के भांति 17वां स्थापना दिवस कार्यक्रम 17 कुण्डीय यज्ञ, सांस्कृतिक योगा कार्यक्रम, मातृ-पितृ पूजा-अर्चना, आरती, गरीब विद्यार्थीयों को पढाई सामग्री भेंट कर, मिशन-'गुरुकुल108' (महिलाओं के लिए) का शुभारम्भ बत्तौर मुख्यअतिथि सीए दीपिका हाम्बड़ के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित कर विशेष सम्मान किया गया।

पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। मिशन-गुरुकुल 108 शुभारम्भ की बत्तौर मुख्यअतिथि सीए दीपिका हाम्बड़ ने बताया कि बच्चों में संस्कार व शिक्षा के लिए तूपरान में बाल संस्कार केन्द्र के भवन निर्माण के लिए भामाशाहों व विशेष कर महिलाओं को सहयोग राशी के लिए बढचढकर भाग लेना चाहिए, तभी गुरुकुल का निर्माण सम्भव हो सकेगा।

आज के कार्यक्रम में बहुत सी महिलाओं ने सहयोग राशी दान कर बढचढकर भाग लिया। कार्यक्रम संचालक देवाराम काग ने सम्बोधन भाषण में कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं व भामाशाहों का आभार प्रकट करते हुए बताया कि गुरुकुल निर्माण के लिए मिशन गुरुकुल 108 में दान-दाताओं को अपने परिवार के किसी भी सदस्य के नाम सहयोग राशी अपनी सुविधा अनुसार जमा करा सकते है। जिसका शिला लेख पर नाम अंकित होगा। दान-दाता आर्थिक सहयोग के अलावा, 51 वर्गफीट निर्माण कार्यो में भी अपना सहयोग दे सकते है।

मिशन गुरुकुल 108 को पूर्ण करने के लिए जरूरत पड़ी तो घर-घर जाकर सहयोग राशी एकत्रित की जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र के मोहनलाल सोलंकी, बाबुलाल परिहार, लिख्माराम मुलैवा, देवाराम काग, समाज बन्धुओं व युवा कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष जीवाराम हाम्बड़ विडियों कॉन्फेरेंस से कार्यक्रम के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। सचिव लिख्माराम मुलैवा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

श्री आई माता जी मंदिर बडेर में माही बीज एवं चतुर्थ वर्षगांठ महोत्सव आज से

नई कार्यकारिणी का शपथ समारोह

संगारेड्डी 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर बडेर में सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य में माही बीज एवं चतुर्थ वर्षगांठ महोत्सव के अवसर पर इस वर्ष भी माही बीज एवं चतुर्थ वर्षगांठ महोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया जायेगा।

समाज के अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया सचिव घिसाराम काग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सोमवार 19 जनवरी शाम 7.01 बजे माँ भगवती की महाआरती होगी। शाम 7.31 बजे से भोजन प्रसाद मंदिर प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। अवसर पर एक शाम माँ आईजी के नाम का विशाल भजन संध्या रात्रि 9.21 बजे से होगा, जिसमें भजन कलाकार पुष्पा सीरवी सम्पूर्ण रात्रि भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंगलवार 20 जनवरी सुबह शुभ वेला में मंदिर के पटद्वार खोले जाएंगे और विधिवत रुप से पूजा अर्चना एवं ध्वजारोहण होगा। 10.21 अध्यक्ष एवं सचिव के उद्बोधन के साथ धर्मसभा का आयोजन होगा। 11.31 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम और दोपहर 12.31 बजे महाप्रसादी का आयोजन होगा। दोपहर 3 बजे से वर्तमान कार्यकारिणी का विदाई और नई कार्यकारिणी का शपथ समारोह होगा।

डॉ. सहाय गैर सरकारी सदस्य मनोनीत

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नेशनल बैंक के अंचल कार्यालय, हैदराबाद में मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) के रूप में कार्यरत डॉ. साकेत कुमार सहाय को भारत सरकार के राजपत्र के तहत श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में ग़ैर सरकारी सदस्य के रूप में हिंदी सलाहकार परिषद के सदस्य बनाए गए हैं। उन्होंने हिंदी भाषा, साहित्य, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा प्रशासनिक हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आपका कार्य विशेष रूप से हिंदी के प्रचार-प्रसार, भाषा-संस्कार, जनसंचार माध्यमों में भाषा की भूमिका तथा सरकारी एवं बैंकिंग संस्थानों में राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर केंद्रित रहा है। उन्हें हिंदी के साहित्यिक संवर्द्धन के लिए कई पुरस्कार मिले हैं।

विश्व मंगल गौशाला में मां कामाख्या का आयोजन धूमधाम से संपन्न

हैदराबादख 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आज विश्व मंगल गौशाला में मां कामाख्या का आयोजन बड़े धूमधाम से संपन्न किया गया। जिसमें सभी गोबर तूने तन मन धन से सेवा दी आज के इस प्रोग्राम में भजन गायक विशाल श्रीमाली, नेतराम तिवारी, रमेश प्रजापत, मोनिका सिरवी द्वारा की गई। भोजन प्रसादी महिला भजन मंडली गंडी मैसम्मा द्वारा की गई, हरी घास की व्यवस्था जबराराम प्रजापत हंसराज सुथार प्रकाश बालाजी पावर टूल्स विक्रम सिंह राजपूत द्वारा की गई, साथ उपस्थित रहे रतनाराम देवासी महादेव डोर्स, लक्ष्मी माजीसा ग्रुप बालनगर नेमाराम केसाराम सांवलराम सोलंकी खेताराम सोलंकी महेंद्र सिंह पितावत डूंगाराम सिरवी, लुंबाराम, लक्ष्मण सिंह, शिवदान बिश्नोई जीतेश्वर ग्रुप बालानगर, दिनेश सुथार, नारायण सुथार, शैतान राम, नरपत, दिनेश सिरवी आदि सभी भक्तों का धन्यवाद प्रकट करते हुए गौशाला उपाध्यक्ष उदय भास्कर, मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार।

कुमावत समाज तेलंगाना के मंत्रिमण्डल का विस्तार 20 जनवरी को

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलंगाना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा के अगामी कार्यकाल के लिए के नये सदस्य को शपथ दिलाई जायेगी तथा अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा ने बताया की कुमावत समाज भवन किसरा में आयोजन रखा गया है। 20 जनवरी को सुबह 11.30 से दोपहर 2 बजे के बीच शपथ ग्रहण होगा। इस कार्यक्रम में तेलगांना राज्य की सभी संस्थाओं के अध्यक्षों की मौजूदगी रहेगी।

शिव मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

आज कृष्ण गोपाल सेवा समिति द्वारा अन्न प्रसाद का कार्यक्रम वनस्थलीपुरम में किया गया। लगभग 500 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कृष्ण गोपाल सेवा समिति के अध्यक्ष कपिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि 11 साल से हम सभी इस सेवा को कर रहे हैं।

जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल ने मौनी अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला, गौलीगुड़ा में गायों को हरी घास खिलाई। कार्यक्रम में श्रीकिशन शर्मा, राजेंदर यादव, गजानंद चौधरी, प्रेमचंद शामिल हुए।

हेलमेट न पहनना बना सबसे बड़ा यातायात उल्लंघन

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में हेलमेट के बिना वाहन चलाना सबसे आम यातायात अपराध बना हुआ है। पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद वर्ष 2025 में हेलमेट न पहनने के मामलों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। पुलिस आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद, साइबराबाद और मलकाजगिरि पुलिस आयुक्त क्षेत्रों में वर्ष 2025 के दौरान करीब 80 लाख वाहन चालकों को हेलमेट न पहनने पर पकड़ा गया और उन पर जुर्माना लगाया गया। यह संख्या वर्ष 2024 में जारी किए गए 60.38 लाख चालानों की तुलना में काफी अधिक है।

यातायात अधिकारियों ने बताया कि हेलमेट का उपयोग न करना सड़क दुर्घटनाओं में मौत का एक बड़ा कारण बन रहा है। वर्ष 2024 में तीनों आयुक्त क्षेत्रों में कुल 9,601 सड़क दुर्घटनाएँ दर्ज की गईं, जिनमें 2,275 लोगों की मौत हुई। इनमें बड़ी संख्या दोपहिया वाहन चालकों की थी। हालांकि कानून में बार-बार नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान है, लेकिन व्यवहार में अधिकतर मामलों में केवल जुर्माना लगाकर छोड़ दिया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि कई ई-चालान का भुगतान भी नहीं किया जा रहा, जिससे नियमों का निवारक प्रभाव कम हो रहा है।

दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक असुरक्षित माने जा रहे हैं।

नारायणगुडा में चौकीदार ने घर में आत्महत्या की

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणगुडा में एक चौकीदार ने कथित तौर पर निजी और आर्थिक समस्याओं के चलते अपने घर में आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, हिमायत नगर निवासी और बिहार के मूल निवासी विकास कुमार मंडल (21) एक अपार्टमेंट में चौकीदार का काम करते थे। शनिवार दोपहर को उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें रिश्तेदार तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले गए, लेकिन रात में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि विकास आर्थिक और व्यक्तिगत परेशानियों के कारण अवसादग्रस्त था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भेज दिया है।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात सैदाबाद इलाके में हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 28 वर्षीय युवक की रविवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान करमानघाट निवासी सुनील कुमार (28) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सुनील चंपापेट रोड पर मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार उनकी मोटरसाइकिल को करीब 50 मीटर तक घसीटती चली गई, जिससे सुनील को गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से सुनील को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान रविवार तड़के उनकी मौत हो गई। सैदाबाद पुलिस ने सुनील के रिश्तेदार की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने बाद में कार का पता लगाकर चालक चरण को हिरासत में ले लिया है। कार में सवार दो अन्य लोग अभी फरार बताए जा रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अंतिम पंघाल की टीम ने मुंबई को 7-2 से हराया

ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन जीते, टीम हारी, तपस्या गहलावत ने किया क्लीन स्वीप

झज्जर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पीडब्ल्यूएल में हरियाणा के रेसलर्स की धमाकेदार परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। महिला 53 किग्रा वर्ग में दो बार की अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन अंतिम पंघाल ने दमदार जीत हासिल की। जबकि पेरिस 2024 ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल के लिए शानदार प्रदर्शन के लिए फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। हालांकि अपनी जीत के साथ वे टीम की हार को नहीं बचा पाए।

यूपी डोमिनेटर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो रेसलिंग लीग 2026 के चौथे मैच में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-2 से प्रभावशाली जीत दर्ज की। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता जस पूरन सिंह को उनके संयमित हैवीवेट प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मेरी प्रतिद्वंद्वी मजबूत थी

मैच के बाद जीत दर्ज करने वाली यूपी डोमिनेटर्स की कप्तान हरियाणा के हिसार जिले की रहने वाली अंतिम पंघाल ने कहा, "मेरा बाउट अच्छा रहा, मेरी प्रतिद्वंद्वी मजबूत थीं और मुकाबला कड़ा था।

मैंने अपनी तैयारी के अनुसार ही रणनीति को अंजाम दिया, हालांकि हर मैच के बाद सुधार की गुंजाइश रहती है। कप्तान के तौर पर हम टॉस के किसी भी नतीजे के लिए तैयार थे।

सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला और टीम ने मिलकर यह शानदार जीत हासिल की।

मेरी जीत हुई, लेकिन टीम पर दबाव महसूस

पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स के कप्तान और फाइटर ऑफ द मैच अमन सहरावत ने कहा कि हम इस मुकाबले में स्पष्ट उम्मीदों के साथ उतरे थे और व्यक्तिगत रूप से मेरा बाउट योजना के मुताबिक रहा। लेकिन टीम के रूप में हम उस स्तर तक नहीं पहुंच पाए जिसकी हमें उम्मीद थी। यह हमारा पहला मैच था और बड़े दर्शक वर्ग का दबाव भी महसूस हुआ।

हमें अपनी प्रमुख भार श्रेणियों पर पूरा भरोसा था, लेकिन आज हमारा दिन नहीं था। हम आगे के मैचों में मजबूत वापसी करेंगे।

अमन की जीत से खुला टीम का खाता

टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स को पहला अंक कप्तान अमन सहरावत ने दिलाया, जिन्होंने सागर शर्मा के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के साथ शानदार जीत दर्ज की। हालांकि, यह वापसी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी, क्योंकि 53 किग्रा महिला वर्ग में अंतिम पंघाल ने दूसरे पीरियड में आक्रामक खेल दिखाते हुए तकनीकी श्रेष्ठता से मुकाबला जीत लिया और यूपी डोमिनेटर्स के लिए मैच और दो अंक पक्के कर दिए।

जूनियर वर्ल्ड चैंपियन ने किया क्लीन स्वीप

इसके बाद निशा दहिया ने फॉल के जरिए जीत हासिल की, जबकि झज्जर की रहने वाली तपस्या गहलावत ने 9-0 की एकतरफा जीत दर्ज कर बढ़त को और बढ़ाया। तपस्या गहलावत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप जीतकर विदेश की धरती पर देश का परचम लहरा चुकी है।

श्रीलंका ने जापान को 203 रन से हराया

वीरन चामुदिथा अंडर-19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

विंडहुक, 18 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के वीरन चामुदिथा अंडर-19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। नामीबिया के विंडहुक में खेले गए मुकाबले में चामुदिथा ने जापान के खिलाफ 192 रन की शानदार पारी खेलकर नया रिकॉर्ड कायम किया। उनकी इस ऐतिहासिक पारी की बदौलत श्रीलंका ने यह मैच 203 रन से जीत लिया।

इससे पहले अंडर-19 वर्ल्ड कप में सर्वोच्च इंडिविजुअल स्कोर का रिकॉर्ड 2018 में हसिथा बोयागोडा के नाम था, जिन्होंने 191 रन बनाए थे। चामुदिथा ने 143 गेंदों पर 26 चौके और 1 छक्का लगाया।

328 रन की रिकॉर्ड साझेदारी

जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। ओपनर वीरन चामुदिथा और दिमांथा महाविथाना ने पहले विकेट के लिए 328 रन की साझेदारी की। यह अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी

विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 303 रन का था।

महाविथाना ने भी 115 रन की बेहतरीन पारी खेली। कप्तान विमथ दिनसारा ने नाबाद 44 रन बनाकर पारी को मजबूती दी। श्रीलंका ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 387 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

ह्यूगो तानी-केली का शतक बेकार गया

लक्ष्य का पीछा करते हुए जापान की टीम 50 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना सकी। जापान की ओर से ह्यूगो तानी-केली ने नाबाद 101 रन बनाकर टीम के लिए वर्ल्ड कप इतिहास का पहला शतक लगाया, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें कोई खास समर्थन नहीं मिला।

चामुदिथा ने बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दिया और 9 ओवर में 1 विकेट लेकर 17 रन दिए। श्रीलंका ने यह मुकाबला 203 रन से जीतकर टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया।

भारत ने बांग्लादेश को हराया

वहीं, बुलावायो में भारत और बांग्लादेश के बीच मैच बारिश से प्रभावित रहा। भारत ने पहले बल्लेबाजी की और शुरुआत खराब रही (12/2), लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने 72 रन (67 गेंद, 6 चौके-3 छक्के) और विकेटकीपर अभिग्यन कुंडू ने 80 रन बनाकर टीम को संभाला। भारत 48.4 ओवर में 238 ऑलआउट हुआ। बांग्लादेश के अल फहद ने 5 विकेट लिए। बारिश के कारण लक्ष्य बदला और बांग्लादेश को 29 ओवर में 165 रन बनाने थे। बांग्लादेश ने अच्छी शुरुआत की (90/2 तक), कप्तान अजीजुल हकीम तमीम ने 51 रन बनाए। लेकिन बारिश के बाद विहान मल्होत्रा ने कमाल कर दिया। उन्होंने 4 ओवर में 4 विकेट सिर्फ 14 रन देकर लिए। खीलन पटेल ने भी 2 विकेट चटकाए। बांग्लादेश आखिरी 7 विकेट सिर्फ 22 रन पर गंवा बैठा और 146 पर ऑलआउट हो गया। भारत ने 18 रन (DLS मेथड) से मैच जीता।

पंजाब ने ठुकराया, कनाडा ने टी-20 कैप्टन बनाया

वर्ल्ड कप में टीम को लीड करेंगे बाजवा; सिलेक्शन न हुआ तो निराश मां-बाप कनाडा शिफ्ट हुए

लुधियाना, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जिस क्रिकेटर दिलप्रीत बाजवा को पंजाब ने ठुकराया, वह महज 3 साल में कनाडा की क्रिकेट टीम के कैप्टन बन गए। कनाडा क्रिकेट बोर्ड ने दिलप्रीत को अगले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम की कमान सौंपी है। दिलप्रीत पहले पंजाब में क्रिकेट खेलते थे। पटियाला में 130 रन की पारी खेलने के बावजूद पंजाब की अंडर-19 क्रिकेट टीम में उनका सिलेक्शन नहीं हुआ। इससे निराश होकर मां-बाप बेटे को लेकर कनाडा शिफ्ट हो गए।

दिलप्रीत का क्रिकेट का जुनून वहां भी जारी रहा। पहले उन्होंने क्लब क्रिकेट खेला। इसके बाद जब क्रिकेट का हुनर दिखाया तो कनाडा की इंटरनेशनल क्रिकेट टीम में उनका सिलेक्शन कर लिया गया।

दिलप्रीत के कनाडा टीम के कैप्टन बनने का सफर

सरकारी कॉलेज के मैदान से शुरू किया सफरः गुरदासपुर के बटाला के रहने वाले दिलप्रीत को क्रिकेट खेलने का शौक बचपन से था। उन्होंने सरकारी कॉलेज गुरदासपुर के मैदान में कोच राकेश मार्शल के पास क्रिकेट की कोचिंग शुरू की और जिले की टीम का हिस्सा बने। गुरदासपुर की टीम का प्रतिनिधित्व कियाः दिलप्रीत ने पंजाब राज्य अंतर-जिला कटोच शील्ड टूर्नामेंट समेत अन्य टूर्नामेंटों में गुरदासपुर जिले का प्रतिनिधित्व किया। इसी टूर्नामेंट के आधार पर पंजाब रणजी टीम का चयन होता है। दिलप्रीत ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया, फिर भी उनका सलेक्शन नहीं हुआ।

130 रन की पारी खेलने पर भी नजरअंदाजः दिलप्रीत सिंह बाजवा 2020 तक पंजाब में रहे और उन्होंने पंजाब क्रिकेट टीम में अपनी जगह बनाने के लिए दावेदारी पेश की, लेकिन वो सिलेक्ट नहीं हुए। कुछ समय पहले उन्होंने पटियाला के खिलाफ शानदार 130 रन की पारी खेली पर उन्हें नजरअंदाज किया गया। निराश होकर 2020 में छोड़ा देशः टीम में सिलेक्ट न होने पर दिलप्रीत सिंह बाजवा निराश हो गए। पटियाला में खेली गई पारी के बाद उनका पंजाब अंडर-19 टीम में चयन लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें किनारे कर दिया। बेटे को निराश देखकर माता पिता उन्हें लेकर 2020 में कनाडा चले गए। कनाडा के क्लब क्रिकेट में किया शानदार प्रदर्शनः दिलप्रीत ने कनाडा में 3 साल तक क्लब क्रिकेट यानि घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने ग्लोबल टी-20 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींच लिया। मॉन्ट्रियल टाइगर्स टीम के लिए खेलते हुए कई आकर्षक पारियां खेलीं, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल करने का निर्णय लिया। घरेलू क्रिकेट में मिला बड़े खिलाड़ियों का साथः ग्लोबल टी-20 टूर्नामेंट में दिलप्रीत को दुनिया के बडे. खिलाड़ियों का साथ मिला। इस टूर्नामेंट में क्रिस गेल, टिम साउदी, कार्लोस ब्रैथवेट और जिमी नीशम जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का साथ मिला। क्रिस गेल दिलप्रीत के खेल से खासे प्रभावित हुए और उनका मार्गदर्शन दिया।

2023 में बने राष्ट्रीय टीम का हिस्साः दिलप्रीत सिंह बाजवा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्हें कनाडा की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में 2023 में स्थान मिला। टीम में जगह मिलने के बाद वे लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे और अब 2026 टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए उन्हें टीम का कप्तान बना दिया गया।

कनाडा की टीम में कुल 6 पंजाबी प्लेयर्स

कप्तान दिलप्रीत सिंह बाजवा के अलावा रोपड़ के परगट सिंह और चंडीगढ़ के नवनीत धालीवाल भी पंजाब में घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं। परगट सिंह तो पंजाब रणजी टीम का हिस्सा भी रहे हैं। वर्तमान में परगट सिंह भी कनाडा की राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा नवनीत धालीवाल ने पंजाब में इंटर डिस्ट्रिक्ट लेवल पर क्रिकेट खेली है।

दिलप्रीत के अलावा कनाडा की टी-20 टीम में जसकरनदीप बुट्टर, नवनीत धालीवाल, कंवरपाल, रविंदरपाल सिंह, अजयवीर हुंदल कुल छह प्लेयर कनाडा की टी-20 वर्ल्ड कप टीम में हैं।

डेरिल मिचेल ने रचा इतिहास

वनडे सीरीज में बनाए सबसे ज्यादा रन

फिलिप्स के साथ रिकॉर्ड साझेदारी

इंदौर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में डेरिल मिचेल ने ऐसा प्रदर्शन किया है, जो न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। मिचेल ने इस सीरीज में कुल 352 रन बनाए हैं, जो तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी भी न्यूजीलैंड बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। तीसरे वनडे मुकाबले में मिचेल ने 137 रनों की शानदार पारी खेली। इससे पहले भी उन्होंने सीरीज के लगातार मैचों में बड़े स्कोर किए थे। इस दमदार प्रदर्शन के साथ मिचेल भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं।

तीसरे वनडे में डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 गेंदों में 219 रनों की साझेदारी की। यह भारत के खिलाफ वनडे क्रिकेट में न्यूजीलैंड की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

इससे पहले भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी वनडे साझेदारी 221* रनों की रही थी, जिसे टॉम लैथम और केन विलियमसन ने 2022 में ऑकलैंड में बनाया था। ग्लेन फिलिप्स ने इस मैच में 83 गेंदों में शतक पूरा किया और 106 रन बनाए, जबकि मिचेल 137 रन बनाकर आउट हुए।

डेरिल मिचेल का यह भारत के खिलाफ वनडे क्रिकेट में चौथा शतक है। इसके साथ ही वह भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड बल्लेबाजों की सूची में नाथन एस्टल (5 शतक) के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। खास बात यह है कि भारत में भारत के खिलाफ खेले गए वनडे मुकाबलों में मिचेल का यह भी चौथा शतक है, जिससे उन्होंने नाथन एस्टल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

बांग्लादेश की अब टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप बदलने की मांग

आईसीसी से ग्रुप-सी से बी करने को कहा; इसके सभी लीग मैच श्रीलंका में होंगे

ढाका, 18 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर बांग्लादेश ने अब अपना ग्रुप बदलने की मांग की है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से कहा है कि उसे ग्रुप-C की जगह दूसरे ग्रुप-B में शामिल किया जाए। बोर्ड का तर्क है कि ऐसा होने पर बांग्लादेश को अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलने होंगे, इससे यात्रा और सुरक्षा से जुड़ी दिक्कतें कम होंगी।

ढाका में आईसीसी अधिकारियों के साथ हुई बैठक के दौरान रखा गया। बीसीबी का मानना है कि उनकी टीम को आयरलैंड की जगह ग्रुप-B में शामिल करने से टूर्नामेंट के आयोजन में ज्यादा बदलाव नहीं करने पड़ेंगे और बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी भी एक ही देश में संभव हो पाएगी।

मौजूदा शेड्यूल के अनुसार आयरलैंड को अपने ग्रुप-बी मुकाबले श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ कोलंबो में खेलने हैं, जबकि उनका आखिरी मैच कैंडी में जिम्बाब्वे से होगा। दूसरी ओर, बांग्लादेश को अपने मौजूदा ग्रुप-सी में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में तीन मैच खेलने हैं, जबकि आखिरी ग्रुप मुकाबला मुंबई में नेपाल के खिलाफ तय है।

बीसीबी बोली- हमारे मैच श्रीलंका में ही हो

बीसीबी ने एक आधिकारिक बयान भी जारी किया। बयान में कहा गया कि बोर्ड ने आईसीसी से बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में कराने की मांग दोहराई है। साथ ही बांग्लादेश सरकार की ओर से टीम, बांग्लादेशी फैंस, मीडिया और अन्य की सुरक्षा को लेकर जताई गई चिंताओं को भी आईसीसी के सामने रखा गया है।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी है। उन्हें केकेआर ने 3 जनवरी को बीसीसीआई के कहने पर टीम से बाहर कर दिया था।

इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां आईपीएल मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की।

7 फरवरी को बांग्लादेश का पहला मैच

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही खेलेगी आरसीबी?

कर्नाटक सरकार ने सुनाया फैसला

बेंगलुरु, 18 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का होम ग्राउंड कौन सा होगा इसको लेकर पीछे कई समय से अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं. हालांकि, अब लंबे इंतजार के बाद अच्छी खबर आई है. कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन को कर्नाटक सरकार से एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंटरनेशनल क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग के मैच आयोजित करने की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है. यह फैसला पिछले साल हुई दुखद घटना के बाद स्टेडियम पर लगी रोक को हटाने की दिशा में बड़ा कदम है.

आरसीबी के लिए बड़ी खुशखबरी

केएससीए ने एक प्रेस नोट जारी करके कहा, 'यह अनुमति सरकार और संबंधित अधिकारियों की ओर से निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुपालन के अधीन है. केएससीए सभी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए आश्वस्त है, एसोसिएशन ने एक्सपर्ट रिव्यू कमिटी के सामने पहले ही एक विस्तृत अनुपालन रोडमैप प्रस्तुत कर दिया है और वह सभी सुरक्षा, संरक्षा और भीड़ प्रबंधन उपायों को लागू करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है.'

बता दें, आईपीएल 2025 का खिताब आरसीबी की टीम ने जीता था. वह पहली बार इस लीग की ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही थी. जिसके चलते 4 जून 2025 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई थी. लाखों फैंस खिलाड़ियों और ट्रॉफी का जश्न मनाने पहुंचे थे, लेकिन मैनेजमेंट में चूक के कारण भगदड़ मच गई थी. इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हुए थे. इस घटना के बाद स्टेडियम को सभी बड़े मैचों के लिए बंद कर दिया गया था.

इस घटना के चलते एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए मैचों की मेजबानी करने का मौका नहीं दिया गया है. शेड्यूल भी पहले ही तय हो चुका है. ऐसे में यहां इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी के लिए फैंस को इंतजार करना पड़ सकता है. हालांकि, आईपीएल के लिए वह आरसीबी के खिताब बचाव अभियान के लिए खुल सकता है, जो आरसीबी के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है.

अंडर19 वर्ल्ड कप 2026: ऐसा होगा सुपर-6 का गणित, भारत ने इन 15 टीमों को पछाड़ सबसे पहले किया क्वालिफाई

खेल डेस्क, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के मुकाबले के टीम इंडिया ने अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप 2026 के सुपर सिक्स के लिए क्वालिफाई कर लिया है. ऐसा करने वाली वो पहली टीम है. भारत ने बांग्लादेश को हराने के साथ ही सुपर सिक्स के लिए अपना दावा ठोक दिया है. भारतीय टीम टूर्नामेंट के ग्रुप बी में शामिल है, जिसमें उसके साथ साथ बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और USA की भी टीमें हैं. इस ग्रुप से 3 टीमों को सुपर सिक्स में जाना है, जिसके लिए लगातार दो जीत के साथ भारत ने अपना टिकट कन्फर्म करा लिया है.

सुपर-6 में पहुंचा भारत

अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप 2026 में खेल रही 16 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया है. हर ग्रुप में 4-4 टीम हैं. भारत ने अपने

ग्रुप से सुपर सिक्स यानी टूर्नामेंट के अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है. ऐसा करने वाली टीम इंडिया सिर्फ अपने ग्रुप की ही नहीं बल्कि पूरे टूर्नामेंट की पहली टीम टीम बन गई है. मतलब, उसने बाकी की 15 टीमों को पछाड़कर सबसे पहले सुपर सिक्स में जगह बनाई है.

कैसे भारत ने सबसे पहले बनाई सुपर-6 में जगह?

टीम इंडिया ने ग्रुप स्टेज पर पहले दो मुकाबले जीतकर सुपर सिक्स में सबसे पहले एंट्री मारी है. वहीं बाकी 15 टीमों के साथ फिलहाल ऐसा नहीं हैं. उनमें से कुछ ने अपने ग्रुप में अभी या तो एक भी मैच नहीं खेला या सिर्फ 1 मैच खेला है या अगर भारत की तरह दो खेले तो दोनों जीते नहीं हैं. वहीं भारत ने ग्रुप बी में दोनों मैच जीतकर 4 अंक हासिल कर लिए. इससे उसके सुपर सिक्स की बर्थ तो कन्फर्म हो गई है. अब आगे के दो मुकाबले भी वो जीत लेता है तो उससे वो अपने ग्रुप स्टेज के सफर का अंत टॉप पर रहते हुए कर सकते हैं.

क्या है सुपर-6 का गणित?

अब सवाल है कि अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप 2026 के सुपर सिक्स का गणित कैसा होगा? मतलब, सुपर सिक्स में कैसे मुकाबले खेले जाएंगे, जिससे सेमीफाइनल के लिए दरवाजे खुलेंगे. ग्रुप स्टेज के हर ग्रुप से जब 3-3 टीमों के नाम सुपर सिक्स में जाने के लिए तय हो जाएंगे तो फिर उन्हें वहां 6-6 टीमों के दो ग्रुप में बांटा जाएगा. सुपर सिक्स में सभी टीमें अपने-अपने ग्रुप में एक दूसरे से मैच खेलेंगी. सुपर सिक्स के दोनों ग्रुप से टॉप की दो-दो टीमों को सेमीफाइनल का टिकट मिलेगा.

ज्वेरेव की ऑस्ट्रेलियन ओपन में संघर्षपूर्ण जीत

महिलाओं में पाओलिनी और स्वितोलिना आगे बढ़ीं

मेलबर्न, 18 जनवरी (एजेंसियां)। तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए गैब्रियल डियालो को हराकर वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार 10वें वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं। महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले दौर में अलीअक्सांद्रा सास्नोविच को 6-1, 6-2 से हराया। इटली की इस खिलाड़ी को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहला सेट केवल 27 मिनट में जीत लिया था और इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी। इटली के विश्व रैंकिंग में 20वें नंबर पर काबिज फ्लेवियो कोबोली टूर्नामेंट से बाहर होने वाले पहले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ी बन गए।

राजनीति से ऊपर उठकर लाभार्थियों को इंदिरम्मा आवास : पोन्नम

हुस्नाबाद के सभी क्षेत्रों को विकसित करने का वादा

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र को सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने का संकल्प व्यक्त करते हुए राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि जन-कल्याण ही सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने हुस्नाबाद नगर पालिका क्षेत्र में दूसरे चरण के तहत 372 पात्र लाभार्थियों को इंदिरम्मा आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए। इसके साथ ही 3520 महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों को कुल 1 करोड़ 13 लाख रुपये के ब्याज मुक्त ऋण के चेक वितरित किए गए। 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला को इंदिरम्मा साड़ी प्रदान की गई। अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु सिलाई मशीनों का वितरण भी किया गया। मंत्री ने कहा कि करीमनगर, सिद्दिपेट, हनुमकोंडा और जनगाम जिलों के मध्य स्थित हुस्नाबाद को और अधिक विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले चरण में स्वीकृत 171 इंदिरम्मा मकानों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिन लोगों को अब तक मकान नहीं मिला है, वे आवेदन करें, पात्र सभी लोगों को इंदिरम्मा आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने पूर्व सरकार पर 10 वर्षों में एक भी मकान न देने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि प्रजा पालना सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3500 इंदिरम्मा मकान स्वीकृत किए हैं। जिन लाभार्थियों को मकान स्वीकृत हुआ है, वे तुरंत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू करें। मकान निर्माण हेतु 8 ट्रैक्टर रेत निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा राशन कार्ड वितरित किए जा रहे हैं और देश में कहीं भी न होने वाले तरीके से सन्ना चावल की आपूर्ति की जा रही है। महिलाओं को आरटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा दी जा रही है। हुस्नाबाद में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सेटविन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हुस्नाबाद को प्लास्टिक मुक्त विधानसभा क्षेत्र बनाने के उद्देश्य से गांव-गांव स्टील बैंक वितरित किए गए हैं। प्लास्टिक के उपयोग से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा होने की चेतावनी भी उन्होंने दी। मंत्री ने बताया कि हुस्नाबाद में 250 बेड का अस्पताल, पीजी कॉलेज, एलम्मा चेरुवु का सौंदर्यीकरण, अर्बन फॉरेस्ट पार्क, इंजीनियरिंग कॉलेज तथा कोहेड़ा मंडल में इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जो विकास नहीं हुआ, वह पिछले दो वर्षों में करके दिखाया गया है। गौरवेल्ली परियोजना को पूरा कर हुस्नाबाद को हरा-भरा बनाया जाएगा। औद्योगिक पार्क स्थापित कर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे। हुस्नाबाद के लिए रिंग रोड स्वीकृत करने का प्रस्ताव हाल ही में मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया है। नगर पालिका कार्यालय में 57 अल्पसंख्यक महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं। मंत्री ने बताया कि अल्पसंख्यक महिलाओं को छोटे व्यवसायों के लिए 50 हजार रुपये तक का बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। भविष्य में एससी, एसटी और बीसी महिलाओं को भी सिलाई मशीनें वितरित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हुस्नाबाद में जल कर और गृह कर से संबंधित समस्याओं की समीक्षा कर समाधान किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप हुस्नाबाद को करीमनगर जिले में शामिल किया जाएगा। नगर पालिका चुनावों में जीतने वालों को टिकट दिए जाएंगे और पार्टी निर्णय के अनुसार चेयरमैन पद का चयन किया जाएगा। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अपने-अपने वार्डों में सक्रिय रूप से प्रचार करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर के. हैमावती, पुस्तकालय संस्था के अध्यक्ष लिंगमूर्ति, मार्केट कमेटी चेयरमैन तिरुपति रेड्डी, डीआरडीओ जयदेव आर्य, आरडीओ राममूर्ति, नगर आयुक्त मल्लिकार्जुन, अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकता जरूरी : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ाई के लिए सभी लोकतांत्रिक ताकतों की एकता जरूरी है।

उन्होंने भाजपा को अंग्रेजों से भी अधिक खतरनाक बताते हुए कहा कि आज देश के नागरिकों के अधिकारों को कुचला जा रहा है। खम्मम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और सीपीआई दोनों दलों का सौ वर्षों का संघर्षपूर्ण इतिहास है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर किसानों और मजदूरों के अधिकारों तक, दोनों दलों की भूमिका ऐतिहासिक रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जमीन जोतने वाले की नीति के तहत भूमिहीन किसानों को भूमि दिलाई। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट आंदोलन के संघर्षों के कारण ही किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य और बिचौलिया प्रथा से मुक्ति जैसे अधिकार मिले। रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि खम्मम जिले में भाजपा का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कांग्रेस और वाम दलों के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे भाजपा और नरेंद्र मोदी के खिलाफ संघर्ष तेज करें और राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाने के लिए एकजुट होकर काम करें। मुख्यमंत्री ने अंत में कार्यक्रम आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस सरकार में गड़बड़ियों की कोई जगह नहीं : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोल माइन टेंडर में गड़बड़ियों के आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार में गड़बड़ियों की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि मीडिया आउटलेट्स के बीच मतभेदों के कारण उनकी पार्टी के नेताओं और सरकार की छवि धूमिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। खम्मम जिले के दौरे के दौरान, रेवंत रेड्डी ने रविवार को एडुलापुरम नगरपालिका में विकास पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने नर्सिंग कॉलेज, मद्दुलपल्ली कृषि बाजार, जेएनटीयू कॉलेज और कुसुमंची में 100-बेड का सरकारी अस्पताल सहित विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला समारोह में भी हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने निर्वाचित अधिकारियों से मुलाकात की और स्पष्ट किया कि अगर किसी को पार्टी नेताओं के बारे में कोई चिंता है, तो सीधे उनके पास आएं, परिवार के मुखिया के रूप में वे स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा, बिना आधार के आरोप लगाना अनुचित है। सिंगरेनी कोल माइनिंग में किसी भी प्रकार की भ्रष्टाचार की जगह नहीं है। मैं इस प्रतिबद्धता पर खड़ा हूं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि क्योंकि पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी खम्मम के मंत्री हैं, इसलिए संयुक्त जिले में विकास तेजी से हो रहा है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत से जीत दिलाने का काम करें। रेवंत रेड्डी ने खम्मम जिले के मंत्रियों के नेतृत्व में भद्राचलम मंदिर का विकास कराने का भी आह्वान किया, ताकि इसे अयोध्या राम मंदिर की तरह विकसित किया जा सके।

ट्रैफिक पुलिस की विशेष मुहिम में 305 नशेडी चालक पकड़े गए

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 16 जनवरी और 17 जनवरी को नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ दो दिवसीय विशेष अभियान चलाया।

इस विशेष अभियान के दौरान कुल 305 वाहन चालकों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। पकड़े गए चालकों में 242 दोपहिया वाहन चालक, 26 तिपहिया वाहन चालक तथा 35 चार पहिया एवं अन्य वाहन चालक (2) शामिल हैं। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नशे में वाहन चलाने के मामलों में किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी और 'ड्रंक एंड ड्राइव' के खिलाफ शून्य सहनशीलता (ज़ीरो टॉलरेंस) की नीति अपनाई जाएगी। यह विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सभी वाहन चालकों और यात्रियों से अपील की है कि वे पुलिस का सहयोग करें और स्वयं व दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें।

नागोबा जातरा आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रतीक : महेश गौड़

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पवित्र नागोबा जातरा के शुभ अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने राज्यभर के सभी आदिवासी भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि नागोबा जातरा आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक आस्थाओं का प्रतीक है, जो तेलंगाना के आदिवासी जीवन-शैली की आत्मा को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि यह जातरा पीढ़ियों से चली आ रही एक महान परंपरा है, जो आदिवासी समाज को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि नागोबा जातरा प्रकृति के प्रति सम्मान, सामाजिक समानता और भाईचारे के मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला एक महान पर्व है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु इस जातरा में भाग लेने आते हैं, जो आदिवासी संस्कृति की महानता का प्रमाण है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि नागोबा जातरा पूरी श्रद्धा, भक्ति और शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य गठन के बाद से कांग्रेस पार्टी आदिवासी कल्याण, उनके अधिकारों की रक्षा और उनकी संस्कृति के संरक्षण को विशेष प्राथमिकता दे रही है। श्री गौड़ ने पुनः दोहराया कि कांग्रेस पार्टी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से आदिवासी समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। नागोबा जातरा के पावन शुभारंभ के अवसर पर उन्होंने कामना की कि देवी के आशीर्वाद से आदिवासी समाज के जीवन में शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का संचार हो।

तांडूर में संपत्ति विवाद में भाई ने किया भाई की हत्या

विकाराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के तांडूर मंडल में संपत्ति को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की उसके रिश्तेदारों ने हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, मोहसिन टायर पंचर की दुकान चलाते हैं, जबकि पीड़ित रहमान हैदराबाद की एक निजी कंपनी में काम करते थे। दोनों भाइयों के बीच पहली मंजिल के पेंटहाउस को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार को रहमान पैतृक स्थान तांडूर के मानिक्य नगर गए, ताकि अपने बड़े भाई मोहसिन और बहनोई गौस से मामले पर चर्चा कर सकें। डीएसपी नरसिंग यादव ने बताया कि बातचीत के दौरान मोहसिन और गौस क्रोधित हो गए और आवेश में रहमान पर धारदार हथियार से कई वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल भेज दिया। मामले में दोनों संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

नकली भारतीय मुद्रा के साथ तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुड़िमलकापुर पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा के लेन-देन के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अवलॉन अपार्टमेंट्स, नानाल नगर, हैदराबाद में हुई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बाबुलाल जाटकुना, निवासी राजस्थान, धर्मवीर, निवासी राजस्थान, अवेयस हर्सी सालड निवासी हैदराबाद शामिल है। जानकारी मिलने के बाद च. सुरेश, सब-इंस्पेक्टर, गुडिमालकपुर पुलिस स्टेशन और उनके स्टाफ ने घटनास्थल पर तुरंत कार्रवाई की। वहां पुलिस ने तीनों आरोपियों को नकली मुद्रा के विवाद को लेकर झगड़ते हुए पाया और मौके पर ही उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि बाबुलाल और धर्मवीर राजस्थान से हैदराबाद आए थे ताकि अवेयस को नकली नोट सौंप सकें। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10-बंडल में 500 नकली नोट, 4 मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त किए। गिरफ्तारी के दौरान इस कार्रवाई का नेतृत्व एस. सुदर्शन, सहायक पुलिस आयुक्त, कुलसुमपुरा डिवीजन ने किया। बी. राजू, इंस्पेक्टर, गुडिमालकपुर पुलिस स्टेशन, च. सुरेश, सब-इंस्पेक्टर और स्टाफ की सहायता से आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस अब नकली मुद्रा के स्रोत, नेटवर्क और वितरण चैन को ट्रेस करने में जुटी है।

तेलंगाना में सीबीएसई पाठ्यक्रम अपनाने की तैयारी

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य के स्कूलों में पाठ्यक्रम को पूरी तरह नया रूप देने की योजना बना रही है। शिक्षा विभाग ने प्रस्तावित किया है कि गणित और विज्ञान जैसे गैर-भाषाई विषयों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का पाठ्यक्रम अपनाया जाएगा, जो राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पुस्तकों पर आधारित है। सामाजिक विज्ञान के लिए मिश्रित मॉडल अपनाया जाएगा। इसमें 70 प्रतिशत पाठ्यक्रम सीबीएसई से लिया जाएगा और 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम राज्य के इतिहास, भूगोल, संस्कृति और परंपराओं को प्रतिबिंबित करेगा।

अधिकारी बताते हैं कि इस कदम का उद्देश्य राज्य की पाठ्यपुस्तकों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना और छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट यूजी और यूपीएससी की तैयारी में मदद करना है। हाल ही में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में इस योजना पर चर्चा हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सुझाव दिया कि तेलंगाना शिक्षा नीति समिति की रिपोर्ट आने तक इस योजना को फिलहाल रोक दिया जाए। नई पाठ्यपुस्तकें शैक्षणिक वर्ष 2027-28 से लागू की जाएंगी। पिछली बार स्कूल की पाठ्यपुस्तकें 2015 में संशोधित की गई थीं। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा 2023 के अनुरूप संशोधित करने का प्रयास किया गया था, लेकिन उसे मंजूरी नहीं मिली थी।

हैदराबाद में 'फिट इंडिया संडे' का उत्साह, हजारों ने साइकिल चलाकर किया जश्न

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को हैदराबाद में आयोजित 57वीं 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन एक फिटनेस कार्निवल में बदल गया, जिसमें खेल, संस्कृति और समुदाय को एक साथ जोड़ा गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय खेल मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया। दिसंबर 2024 में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के मार्गदर्शन में शुरू हुए 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' ने अब देशव्यापी जन आंदोलन का रूप ले लिया है, जिसमें 2 लाख से अधिक स्थानों पर 22 लाख से अधिक नागरिकों ने भाग लिया। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण 'फिटनेस का डोज़, आधा घंटा रोज़' के अनुरूप है और मोटापे से लड़ने और टिकाऊ, कम-कार्बन जीवनशैली को बढ़ावा देने जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को संबोधित करती है।

कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवा सेना रेड्डी, बैडमिंटन लीजेंड और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता पुलेला गोपीचंद, अर्जुन पुरस्कार विजेता शूटर ईशा सिंह और पैरालिंपिक कांस्य पदक विजेता दीप्ति जीवांजी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों और खेल आइकन्स ने भाग लिया। साइबराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर डॉ.एम. रमेश रेड्डी और हैदराबाद के अन्य एथलीट, फिट इंडिया एंबेसडर, चैंपियंस और साइकिलिंग नेता भी सम्मानित किए गए। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि फिटनेस को दैनिक जीवन में शामिल करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि जैसे 'संडे ऑन साइकिल' जैसी पहलों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य स्वस्थ और सक्रिय समाज को बढ़ावा देना संभव होता है। पुललेला गोपीचंद ने लगातार शारीरिक गतिविधियों के महत्व को उजागर किया, जो खेल उत्कृष्टता और अनुशासित जीवनशैली के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान पैरालिंपियन दीप्ति जी और शूटर ईशा सिंह ने फ्लैग ऑफ किया। सैकड़ों साइकिल सवार निर्धारित मार्ग पर एक साथ साइकिल चलाते हुए पहुंचे, जहां संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और इंटरैक्टिव जोन के साथ कार्यक्रम जारी रहा। हजारों लोगों- बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, एथलीटों और परिवारों- ने साइकिल चलाई, स्ट्रेच किया, नृत्य किया और शारीरिक गतिविधियों का उत्सव मनाया। स्थानीय प्रतिभागियों ने कहा कि यह पहल जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली महसूस हुई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.